3 | राजधानी
जमानत देने का आदेश अपराध से मुक्त नहीं करता: स्वराज

6 | अभिमत
बांग्लादेश में राजनीतिक उठथल-पुथल

11 | विदेश
बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस ने संभाला काम

12 | स्पोर्ट्स
विनेश रजत पदक की हकदार: तेंदुलकर

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 272
नई दिल्ली, शनिवार, 10 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

धनखड़ ने विपक्षी सदस्यों के रवैये पर अफसोस जताया

राष्ट्रीय-10

सिसोदिया को जमानत, रिहा हुए

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 17 महीने बाद शुक्रवार रात को जेल से रिहा कर दिया गया, क्योंकि दिन की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें उत्पाद शुल्क नीति घोटाला मामले में जमानत देते हुए कहा कि वह शीघ्र सुनवाई के हकदार हैं। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह भी कहा कि आप नेता को बिना किसी मुकदमे के 'असीमित समय' के लिए जेल में रखना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

उनकी जमानत के लिए शर्तों को सूचीबद्ध करते हुए, शीर्ष अदालत ने सिसोदिया को दो जमानतदारों के साथ 10 लाख रुपये का जमानत बांड भरने, अपना पासपोर्ट सरेंडर करने और गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने का कोई प्रयास नहीं करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्हें हर सोमवार और बृहस्पतिवार को सुबह 10-11 बजे के बीच जांच अधिकारी को रिपोर्ट करना होगा. पीठ ने कहा, हमने पाया है कि लगभग 17 महीने तक जेल में रहने और यहां तक ??कि सुनवाई शुरू नहीं होने के कारण अपीलकर्ता (सिसोदिया) को त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित कर दिया गया है। शीर्ष अदालत ने छह अगस्त को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

मैरून रंग की शर्ट पहने हुए

नई दिल्ली में शुक्रवार को जमानत मिले के बाद आप नेता मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल से रिहाई के दौरान समर्थकों की ओर हाथ हिलाते हुए।

सिसोदिया ने शाम करीब 6.50 बजे जेल से बाहर निकलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का स्वागत किया, जिन्होंने उन पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं। अपनी रिहाई के बाद समर्थकों और मीडिया को संबोधित करते हुए, सिसोदिया ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, जब से सुबह यह आदेश आया है, मैं बाबासाहेब के प्रति कृतज्ञ महसूस कर रहा है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं बाबा साहेब का यह कर्ज कैसे चुकाऊंगा। मेरे साथ रहने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं। सिसोदिया ने कहा कि उनके कई प्रशंसक थे लेकिन पिछले 17 महीनों में उनकी संख्या में वृद्धि हुई है। सिर्फ मैं ही नहीं लेकिन दिल्ली का हर व्यक्ति और देश का हर बच्चा भावनात्मक रूप से जेल में मेरे साथ था। देश में तानाशाही को करारा तमाचा मारने के लिए संविधान की शक्ति का इस्तेमाल करने के लिए मैं तहे दिल से सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देता हूं। आप नेता ने कहा कि यह हर किसी के लिए भावनात्मक क्षण है और उम्मीद है कि संविधान और लोकतंत्र की ताकत केजरीवाल की रिहाई का मार्ग प्रशस्त करेगी। हाथ में झंडे लिए हुए और जोर-जोर से जयकार करते हुए आप समर्थकों की भीड़ जेल से बाहर निकलते ही सिसोदिया का स्वागत करने के लिए इंतजार कर रही थी। सिसोदिया के स्वागत के लिए आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह, आतिशी और सौरभ भारद्वाज तिहाड़ के बाहर मौजूद थे। जमानत आदेश के कुछ ही मिनट बाद आप कार्यालय के साथ-साथ सिसौदिया के आवास पर भी जश्न मनाया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सिसोदिया का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत जमानत बांड और ज़मानत बांड स्वीकार कर लिए। आप ने फैसले को 'सच्चाई की जीत' बताया और कहा कि उसे उम्मीद है कि जेल में बंद पार्टी के अन्य नेताओं को भी 'न्याय मिलेगा।' आप ने आगे कहा कि यह आदेश भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र की तानाशाही पर एक 'करारा तमाचा' है, लेकिन अफसोस है कि यह राहत एक साल की देरी के बाद आई है। सिसोदिया आप के संस्थापक सदस्य और पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के करीबी विश्वासपात्र हैं। उनकी रिहाई आम आदमी पार्टी के लिए एक बड़ी जीत है। इसकी वजह यह है कि शराब नीति मामले में जिन तीन बड़े आप नेताओं की गिरफ्तारी हुई है, सिर्फ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ही सलाखों के पीछे हैं। सिसोदिया की रिहाई भी तब हुई है जब आप दिल्ली पर शासन करने और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सिसोदिया को दिल्ली कैबिनेट में शामिल होने के लिए इंतजार करना होगा क्योंकि कई मुद्दे हैं जिनसे निपटने की जरूरत है क्योंकि मुख्यमंत्री खुद जेल में हैं। विशेषज्ञों ने कहा, सिसोदिया को अपने मंत्रिपरिषद में शामिल करने के लिए केजरीवाल को तिहाड़ जेल से उपराज्यपाल को अपनी सिफारिश भेजनी होगी, जो फिलहाल मुश्किल लगता है। आप नेता को फरवरी 2023 में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किया गया था, जिसके एक महीने बाद ईडी ने जुलाई 2022 में दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना की एक शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था, जिसमें आबकारी शुल्क नीति में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। पिछले साल 26 फरवरी को अपनी गिरफ्तारी से पहले, सिसौदिया न केवल दिल्ली सरकार का प्रमुख चेहरा थे, बल्कि महत्वपूर्ण समय के दौरान राजनीतिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने रुख को उजागर करने के मामले में भी पार्टी के पसंदीदा व्यक्ति थे।

इस प्रकार उनकी गिरफ्तारी पार्टी के लिए अचानक एक झटका थी, जो किसी तरह स्थिति का सामना करने में कामयाब रही लेकिन उनकी अनुपस्थिति से कभी भी पूरी तरह उबर नहीं सकी। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि विभिन्न पार्टी नेताओं ने, अलग-अलग समय पर, उन्हें यह कहते हुए याद किया कि अगर वह बाहर होते, तो चीजें अलग होतीं। पार्टी नेताओं का मानना ??है कि सिसौदिया की उपस्थिति से उसके चुनाव अभियान को गति मिलेगी, खासकर दिल्ली

(शेष पृष्ठ 9)

भारत-बांग्लादेश मोर्चे पर केंद्र सरकार सतर्क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने पड़ोसी देश में चल रहे हालात के मद्देनजर भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थिति की निगरानी के लिए शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शीर्ष अधिकारी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया।

उन्होंने कहा कि समिति बांग्लादेश में समकक्ष अधिकारियों के संपर्क में रहेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। शाह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, बांग्लादेश में चल रहे हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संचार चैनल बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। समिति की अध्यक्षता एडीजी (अतिरिक्त महानिदेशक), सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान द्वारा की जाएगी। बीएसएफ एडीजी के अलावा, समिति के चार अन्य सदस्य दक्षिण बंगाल सीमा के लिए बीएसएफ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी), त्रिपुरा सीमा के लिए आईजीपी, भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण के सदस्य (योजना और

(शेष पृष्ठ 9)

बांग्लादेश से भारत में घुसने की कोशिश को नाकाम किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के सीतलकूची में बाड़युक्त सीमावर्ती क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस समय तनाव पैदा हो गया जब लगभग एक हजार घबराए हुए बांग्लादेशी नागरिक भारत में घुसने और शरण लेने की कोशिश में बाड़ के दूसरी ओर एकत्र हो गए। हालांकि, सीमा पर कड़ी निगरानी रखने वाले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने इस प्रयास को विफल कर दिया। सीमा सुरक्षा बल ने पुष्टि की है कि बाद में बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों ने बांग्लादेशियों को वहां से हटा दिया। भीड़ में कथित तौर पर ज्यादातर बांग्लादेशी हिंदू शामिल थे। वे बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले के गेड़ुगुरी और दोइखवा गांवों में एक जलाशय के किनारे बाड़ से लगभग 400 मीटर दूर एकत्र हुए थे। पठानटुली गांव में बीएसएफ की 157 बटालियन की भारी तैनाती तथा वाहनों और पैदल यात्रियों पर निगरानी रखने के कारण घुसपैठ की कोशिश सफल नहीं हो पाई। बांग्लादेशी लोग भारत में प्रवेश की मांग के लिए नारे लगा रहे थे।

दिल्ली-एनसीआर में जमकर बरसे बादल

नई दिल्ली। शुक्रवार शाम को दिल्ली और आसपास के क्षेत्र नोएडा और गाजियाबाद में लगातार बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी की सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे शहर के मुख्य मार्गों पर जलभराव और यातायात जाम हो गया। दिल्ली के निवासी हर्षित जैन ने कहा कि शाम को काम से लौटते समय उन्हें घुटनों तक गहरे पानी से गुजरना पड़ा, इसलिए उनकी कार नाव में बदल गई। उन्होंने अधिकारियों के प्रति अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, अब हमारे लिए पानी से भरी सड़कों से गुजरना और घंटों फंसे रहना रोजमर्रा की बात हो गई है। कुछ मिनटों की बारिश में भी शहर सचमुच नदी में बदल

(शेष पृष्ठ 9)

केंद्र ने सीएए के नियमों के दायरे का किया विस्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने नागरिकता कानून नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत जारी नियमों के दायरे का विस्तार किया है, जिसके माध्यम से अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान से आने वाले प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय राष्ट्रीयता दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की कि भारत में केंद्र या राज्य सरकारों या अर्ध-न्यायिक निकाय द्वारा जारी किया गया कोई भी दस्तावेज़ यह साबित करता है कि माता-पिता, दादा-दादी या परदादा-दादी में से कोई भी तीन देशों में से किसी एक का नागरिक है या रहा है, स्वीकार्य होगा। गृह मंत्रालय का स्पष्टीकरण तब आया जब नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत भारतीय राष्ट्रीयता चाहने वाले कई आवेदकों को नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के एक विशेष खंड के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़

(शेष पृष्ठ 9)

आईएसआईएस का मोस्ट वांटेड आतंकी गिरफ्तार

म्सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी पर एक संभावित आतंकवादी हमले को टाल दिया है, जिसमें एक मोस्ट वांटेड आतंकवादी को पकड़ा गया है। आईएसआईएस के पुणे मॉड्यूल का सदस्य है और उस पर तीन लाख रुपये का इनाम था। आरोपी की पहचान रिजवान अब्दुल हाजी अली के रूप में की गई है, जो राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की मोस्ट वांटेड सूची में था और पुणे पुलिस की हिरासत से भागने के बाद कानून एजेंसी ने उसकी गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित किया था। वह जुलाई 2023 से फरार था।

शुक्रवार को एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, रिजवान स्वतंत्रता दिवस से पहले हमले की योजना बना रहा

(शेष पृष्ठ 9)

विपक्ष एकसाथ

नई दिल्ली में शुक्रवार को मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा से कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी के साथ बाहर सपा सांसद जया बच्चन और अन्य।

मां के प्यार ने सारे ओलंपिक रिकॉर्ड किए फीके

पीटीआई। नई दिल्ली

अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज चोपड़ा की मां सरोज देवी ने पेरिस में गत चैंपियन भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को हराकर ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके बच्चा जैसा है।

नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर के रिकॉर्ड ओलंपिक प्रयास से स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि नीरज ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता। नीरज लगातार दो ओलंपिक

व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

सरोज ने पानीपत के खंडरा गांव में पीटीआई वीडियो को दिए इंटरव्यू में कहा, हम रजत पदक से बहुत खुश हैं, जिसने स्वर्ण पदक जीता वह भी हमारा बच्चा है और जिसने रजत पदक प्राप्त किया वह भी हमारा बच्चा है... सभी एथलीट हैं, सभी कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार देर रात को दिए इस इंटरव्यू में कहा, नदीम भी अच्छा है, वह अच्छा खेलता है, नीरज और नदीम में कोई अंतर नहीं है। हमें स्वर्ण और रजत पदक मिला, हमारे लिए कोई अंतर नहीं है।

नीरज और नदीम दोनों प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं। नीरज का देशी खाने के प्रति लगाव जगजाहिर है और उनका परिवार दो बार के ओलंपिक पदक विजेता का उनके पसंदीदा व्यंजन चूरमा के साथ स्वागत करने की योजना बना रहा है। सरोज ने कहा, उसने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। हम उसका स्वागत चूरमा से करेंगे जो उसका पसंदीदा है। मुझे खुशी है, लोग पटाखे जला रहे हैं, हम लड्डू बना रहे हैं। नीरज का यह प्रदर्शन काफी सराहनीय है क्योंकि सात खिलाड़ियों ने 86 मीटर से अधिक दूरी हासिल की थी। नीरज की चाची कमलेश ने कहा, हम बहुत खुश हैं। उसने इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सभी 88-89 मीटर के करीब थे इसलिए प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन थी। यह स्वर्ण या रजत जीतने के बारे में नहीं है, बल्कि पदक जीतने के बारे में है और

नोएडा से अमेरिकी नागरिकों को ठगने वाले 15 गिरफ्तार

सिस्टम पर पॉप अप भेजकर बैंक खाता सीज करने का दिखाते थे डर, बिटक्वाइन में लेते थे पैसा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा की थाना सेक्टर-58 पुलिस ने अमेरिकी नागरिकों के साथ ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया। ये लोग अमेरिकी नागरिकों के सिस्टम पर पॉप अप भेजकर उनका बैंक खाता हैक होने का डर दिखाते थे। बताते थे आपका खाता सीज किया जा रहा है। इसे वापस खोलने के लिए ये बहुत सा पैसा नागरिकों से वसूल करते थे।

डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि एक दिन पहले ही शिकायत मिली थी। इसके बाद पूरी टीम को सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में संचालित हो रहे इस कॉल सेंटर में भेजा गया। जांच पड़ताल में सामने आया कि ये लोग अमेरिकी नागरिकों से ठगी कर रहे थे। इस मामले में 15 लोगों की गिरफ्तारी की गई। जिसमें 3 महिलाएं शामिल है।

इनकी पहचान निखिल राणा, वीरेंद्र रावत, समीर, संकेत शाह, मोहम्मद अली, शाहरुख खान, खान मोहम्मद दानिश, हरीश, नुमेर, शिवम यादव, अरबाज, उबैद हुई है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

इनमें से अधिकांश मुंबई निवासी है। वहीं महिलाओं में अमांडा , वेनसोन और कविनय शामिल है। ये मणिपुर की रहने वाली है।

इनके पास से 27 लैपटाप, 16 मोबाइल, 1 इंटरनेट राउटर, 02 इंटरनेट स्विच, 20 हेड फोन बरामद किया गया। इस मामले में सामी, वसीम और मोंटू फरार है। डीसीपी ने बताया कि ये लोग अमेरिका में कस्टमर के सिस्टम पर पॉप अप भेज भेज कर उसके सिस्टम को हैक कर देते थे। और मैसेज भेजकर बैंक खाता हैक होने का डर दिखाया जाता था। इसी मैसेज में टेक सपोर्ट देने के नाम पर इनका मोबाइल नंबर होता था। जैसे ही अमेरिकी नागरिक इनको फोन करता था। ये अपने को माइक्रोसॉफ्ट या अन्य प्रतिष्ठित संस्थान का कर्मचारी बनकर बात करते थे। इसके बाद बैंक खाते की सुरक्षा व कंप्यूटर ठीक करने के नाम पर उससे बिटकॉइन व एप्पल ,वॉलमार्ट या फ्लिपकार्ट के कार्ड के रूप में पैसा लेते थे। यह कस्टमर से कार्ड नंबर लेकर उसको टेलीग्राम ग्रुप पर डालते थे।

जिसे मोन्टू कैश करता था। इस पूरे गैंग का लीडर निखिल राणा है। ये कॉल सेंटर रात में आपरेट करते थे। क्योंकि अमेरिका में उस समय दिन होता था।

डीसीपी ने बताया कि नोएडा में अभी एक महीने से थे। इससे पहले ये लोग मुंबई में अपना कॉल सेंटर चला रहे थे। इनके खातों की जांच की जा रही है। साथ ही डेटा चेक किया जा रहा है कि इन लोगों ने कितने अमेरिकियों के साथ ठगी की। इनके गैंग में ल ?कियां ही अधिकतर फोन कॉल पर बात करती थी। क्योंकि ये सभी नार्थ ईस्ट की है। और इनकी इंग्लिश का पैटर्न अमेरिकी से काफी मिलता था। ऐसे में अमेरिकी नागरिक जल्दी इनकी बातों में आ जाते थे।

नैनीताल बैंक ठगी मामले में एक धरा

नोएडा। नैनीताल बैंक में 16 करोड़ 95 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में साइबर सेल ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान हर्ष बंसल पुत्र प्रदीप बंसल निवासी दादरी हुई है। इसे लाल कुंआ की सर्विस रोड गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया है। दरअसल 10 जुलाई 2024 को बैंक प्रबंधन की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई थी कि उनके सेक्टर-62 स्थित रीजनल कार्यालय के सर्वर को हैक करके नैनीताल बैंक के पूल अकाउंट से 16 करोड़ 95 लाख रुपए विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित किए गए है। एसीपी विवेक कुमार रंजन ने बताया कि हर्ष ने पूछताछ में बताया कि सुभम बंसल उसका बड़ा भाई है और वह सीए है, जिसका कार्यालय श्री सुभम एंड एसोसिएट के नाम से लोहा मंडी गाजियाबाद में है। आरोपी और भाई सुभम बंसल ने अपने अन्य साथियों के साथ यह प्लान बनाया कि कुछ फर्जी फर्म खोलकर उनके नाम से करंट अकाउंट खुलवा थे।

पीक आवर में नहीं चलेंगी प्राइवेट बसें

शाम 6:30 से रात 8:30 बजे तक सख्ती, पुलिस कमिश्नर ने दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा निजी बस आपरेटर की सामान्य और स्लीपर बस पीक आवर्स में शाम 6 बजकर 30 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 30 मिनट तक नहीं चलेंगी। इस दौरान कोई बस संचालित होते मिली तो तत्काल सील कर दी जाएगी। ये निर्देश डीसीपी ट्रैफिक पुलिस ने बस संचालकों के साथ आयोजित हुई एक गोष्ठी के दौरान दिए।

इस गोष्ठी में आरटीओ नोएडा मौजूद रहे। सीपी ने कहा कि नोएडा में चलने वाली सामान्य बस और स्लीपर बस एटीएस-119 और एटीएस-52 के मानकों के विरूद्ध नहीं होनी चाहिए। बस के लिए निर्धारित बाडी कोड का उल्लंघन न करें। वाइपर सही होने चाहिए। बस की लंबाई और चौड़ाई न बढ़ाए।

निर्धारित क्षमता से अधिक यात्री लेकर न चलें। बिना परमिट, बिना फिटनेस, बिना बीमा के बस का संचालन न किया जाये। आरटीओ व प्रवर्तन विभाग की ओर से लगातार अन फिट बस के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में कई बस को सील भी किया गया। अग्नि शमन यन्त्र एवं प्राथमिक चिकित्सा बाक्स लगे हों। म्यूजिक सिस्टम के तार लूज और बिना टेपिंग के न हो जिससे शार्ट सर्किट से बचा जा सके।

बसों में अन्दर और बाहर माल क्षमता तक ही लोड किया जाए। इमरजेंसी गेट के सामने सीट न लगाए। जिससे इमरजेंसी आसानी से गेट खुल जाए और आपात कालीन द्वारा में सीट फिक्स नहीं होनी चाहिए।

20 लाख के आईफोन के साथ दो गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने सेक्टर-18 के इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट में चोरी करने वाले 02 चोरों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी के 22 आईफोन व एक एप्पल वॉच बरामद की गई है। इसकी कीमत करीब 20 लाख रुपए है।

चोरी 31 जुलाई की रात में की गई थी। डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि इन दोनों की गिरफ्तारी मल्टीलेवल कार पार्किंग के पास की गई। इनकी पहचान दिनेश कुमार पोद्दा और सरोज हुई है। डीसीपी ने बताया कि इन चोरों की गिरफ्तारी के लिए 50 से ज्यादा कैमरों की सीसीटीवी फुटेज चेक की गई। जांच के बाद गिरफ्तार किया गया।

बायोडायवर्सिटी पार्क को मंजूरी

64 एकड़ में बनेगा, 450 तरह के होंगे पेड़-पौधे, लोटस और फिश पॉन्ड बनेंगे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में बायोडायवर्सिटी पार्क बनेगा। उत्तर प्रदेश शासन ने 8 अगस्त को इसकी मंजूरी दे दी है। निर्माण पर कुल 17 करोड़ रुपए खर्च होगा। 64 एकड़ जमीन पर कुल 38 तरह की सुविधाओं से युक्त ये पार्क बनेगा।

दावा है कि बायोडायवर्सिटी पार्क बनने के बाद गाजियाबाद की एयर क्वालिटी में सुधार होगा। वेटलेंड, फोरेस्ट बाथ, ट्री, पिकनिक स्पॉट, प्ले ग्राउंड, स्पोर्ट सेक्शन, ट्रैक, लोटस पॉन्ड लेक, फिश पॉन्ड, गार्डन, एरियल व्यू, पब्लिक सीटिंग, फ्लोवर कोर्ट,फूड कोर्ट जैसी सुविधाएं इस बायोडायवर्सिटी पार्क में होंगी। नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा- इस्लामनगर माधोपुर में बनने वाले इस बायो डायवर्सिटी पार्क में करीब 400 से 450 प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। जलीय पौधे, कैक्टस, क्लैमर सहित औषधियां, जड़ी बूटियां, बांस, आर्किड एवं साइकस की प्रजातियां भी लगाई जाएंगी। पार्क में जो कूड़ा होगा, उसे ग्रीन माउंट में तब्दील किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

शहीदों की स्मृति में पुलिस लाइंस में श्रद्धांजलि देते सांसद अतुल गर्ग।

काकोरी ट्रेन कांड शताब्दी महोत्सव मनाया

गाजियाबाद। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर गाजियाबाद पुलिस लाइन में शताब्दी महोत्सव का आयोजन शुक्रवार को हुआ। इसमें पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्र और सांसद अतुल गर्ग ने शहीद स्थल पर शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सांसद ने तिरंगे रंग के गुब्बारे उ?ाकर आयोजन का शुभारंभ किया। पीएसी पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान का वादन किया। इस दौरान सांसद ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और शहीदों के कुल 27 परिजनों को स्मृति चिह्न व शॉल भेंट करके सम्मानित किया। इस मौके पर सांसद ने शहीदों की स्मृति में पौधारोपण भी किया। इसके बाद पुलिस मॉर्डन स्कूल पुलिस लाइन के बच्चों ने शहीदों की स्मृति में प्रभात फेरी निकाली। अपने संबोधन में सांसद अतुल गर्ग ने देश को सर्वोपरि मानते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने की अपील की। समारोह में एडिशनल पुलिस कमिश्नर दिनेश कुमार पी, डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील आदि मौजूद रहे।

हाई-राइज फेडरेशन क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

नोएडा। नोएडा हाई-राईज फेडरेशन 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रथम नोएडा हाईराइज प्रीमियर लीग (एनपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है। नोएडा हाई-राईज फेडरेशन के प्रेसिडेंट निखिल सिंघल ने बताया कि 10-11अगस्त को आयोजित दो दिवसीय टूर्नामेंट में 100एक्स की करीब सभी सोसाइटियों की टीमें भाग लेंगी। नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर-117 स्थित नवनिर्मित पार्क में आयोजित पहले नोएडा हाईराईज प्रीमियर लीग (एनपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में सांसद डॉ. महेश शर्मा बतौर मुख्य अतिथि होंगे। निखिल सिंघल ने बताया कि टूर्नामेंट के आयोजन का उद्देश्य लोगों में आपसी सौहार्द बढ़ाने के साथ 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाना है। शामिल सोसाइटियों की टीमों में बेहद उत्साह है। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें शामिल हो रही हैं, इनमें आमंत्रण कोर चैंपियंस, आरजी स्वैगर्स, प्लैटिनम जायंट्स क्रिकेट क्लब, पीएल लायंस क्लब, जोडिएक सुपर किंग, रेड ब्लू क्रिकेट क्लब गौड़ ग्रैंड्योर, होम्स 121 सीकेके और एनएचआरएफ हैं। इन टीमों को ग्रुप ए और ग्रुप बी दो समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक समूह मैच 10 ओवर का होगा, जबकि फाइनल 12 ओवर का खेला जाएगा।

खेत में सो रहे किसान की गोली मारकर हत्या

नोएडा। अपर पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय अशोक कुमार सिंह ने बताया कि श्याम सिंह पुत्र स्व॰ शिमला उम्र 73 वर्ष निवासी ग्राम सलेमपुर गुर्जर अपने गांव के पास स्थित अपने खेत की ट्यूबल पर बीती रात को अपने बेटे के साथ सो रहे थे तभी अज्ञात बदमाशों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी है। उनके बेटे ने पुलिस को बताया है कि रात के समय उसे तेज आवाज सुनाई दी थी। सुबह को उसे पता चला कि उसकी पिता पिता की हत्या हुई है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अपर उपायुक्त ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार पर बैठकर बनाई रील, 28 हजार का चालान

नोएडा। कार की छत पर बैठ कर रील बनाने का एक और मामला सामने आया है। इस मामले का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोगों ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर नोएडा और ट्रैफिक पुलिस से कार्रवाई की मांग की। वहीं नोएडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। ट्रैफिक पुलिस ने कार का 28,500 रुपए का ई चालान काटने की कार्रवाई की। 13 सेकंड के वीडियो में सफेद शर्ट पहने व्यक्ति चलती कार की छत पर बैठा है। कभी कार के बोनट पर बैठा दिखाई दे रहा है। वीडियो की बैकग्राउंड में गाना बज रहा है और आवाज आ रही है कि यह सब गैर कानूनी काम है। इस कृत्य से स्टंट करने वाले खुद के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की जान भी खतरे में डाल रहा है। लोगों ने एक्स पर पोस्ट कर वीडियो को लेकर कहा है कि नोएडा में लापरवाही से वाहन चलाने के आए दिन वीडियो प्रसारित हो रहे हैं। यह नियमों के खिलाफ है। फिर भी लोग रील बनाकर अपना ई-चालान तक कटवाने में गुरेज नहीं कर रहे हैं। डीसीपी ट्रैफिक यमुना प्रसाद ने बताया कि नंबर के आधार कार का 28,500 रुपए का ई चालान काटा गया है।

मॉडल रोड के लिए तीसरी बार टेंडर जारी

नोएडा। नोएडा में उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाया जाएगा। इसके निर्माण तीसरी बार टेंडर करने की तैयारी की जा रही है। पहली बार किए गए टेंडर में तीन कंपनियां केपीसी प्रोजेक्ट लिमिटेड, लीजा इंजीनियर प्राइवेट लिमिटेड और तीसरी सुनील गर्ग एंड कंपनी आई थी।

लेकिन ये तीनों ने कंपनियां डिस क्वालिफाइड हो गई। दूसरी बार के टेंडर में दो कंपनियां आई। नियमानुसार जब तक तीन कंपनियां नहीं आती तब तक टेंडर खोला नहीं जाता। ऐसे में अब प्राधिकरण योजना निर्माण के लिए तीसरी बार टेंडर जारी करने जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि टेंडर शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। जो कंपनियां डिस्क्वालिफाई हुई है। तीनों ने मॉडल रोड बनाने के लिए बिड डाली थी। जिसमें एक कंपनी का चयन किया जाना था। प्राधिकरण ने कहा कि तीनों कंपनियों के दस्तावेज की जांच की गई। लेकिन ये दो टेंडर शर्तों का पालन नहीं कर रहे थे। दोबारा में दो कंपनियां आईं।

इसे खोला नहीं गया। अधिकारियों ने बताया कि एक सप्ताह में दोबारा से टेंडर जारी किया जाएगा। कंपनी का चयन होते ही बारिश के बाद काम शुरू करा दिया जाएगा। इस रोड को मॉडल बनाने के लिए 41 करो? रुपए खर्च होंगे।

AXIS BANK LTD.

स्वर्ण आभूषणों सहित गिरवी रखी आस्तियों की ई-नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

विशेष रूप से उधारकर्ताओं और सामान्य रूप से जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे दिए गए खातों में गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी एक्सिस बैंक द्वारा नीचे उल्लिखित शाखा में आयोजित करने का प्रस्ताव है। नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं ने सुरक्षा हेतु बैंक के पक्ष में सोने के आभूषणों ("स्वर्ण ऋण सुविधा") को गिरवी रखकर एक्सिस बैंक लिमिटेड से क्रेडिट सुविधा का लाभ उठाया है। उधारकर्ताओं/गारंटरों को मांग नोटिस जारी किए गए थे, जिसमें उधारकर्ताओ/ग्गारंटरों को प्राप्त स्वर्ण ऋण सुविधा के लिए उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए कहा गया था। चूंकि उधारकर्ता/गारंटर बकाया ऋण राशि चुकाने में विफल रहे हैं, बैंक गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की ई-नीलामी बिक्री करने के लिए विवश है और विशेष रूप से दिनांक **20-08-2024** को दोपहर 12:30 बजे से 03:30 बजे तक "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है, "जो कुछ भी है" और " बिना कोई सहारे के आधार पर अनुसूची में वर्णित गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की ई-नीलामी बिक्री करने के लिए विवश है।

उधारकर्ताओं और बकाया राशि का विवरण

क्र. सं.	ग्राहक का नाम	ऋण खाता नं.	बकाया राशि (रु. में)	पुनःस्मरण सूचना की तिथि	सकल वज़न	निवल वज़न
	शाखाः अशोक विहार, नई दिल्ली (डीएल)					
1	उमेश सिंह	XXXXXXXXXXX9458	रु. 11,39,420.80	20-07-2024	339.200	317.800
2	प्रमोद चौधरी	XXXXXXXXXXX3146	रु. 5,34,525.00	20-07-2024	134.300	129.200
	शाखाः बदरपुर दिल्ली (डीएल)					
3	हरीश अरोड़ा	XXXXXXXXXXX5384	रु. 99,837.00	20-07-2024	385.320	363.300
	शाखाः दरियागंज, दिल्ली (डीएल)					
4	श्रवण कुमार पत्तिर	XXXXXXXXXXX4252	रु. 37,104.00	07-06-2024	9.400	8.900
5	प्रशांत कुमार झा	XXXXXXXXXXX1412	रु. 1,97,000.00	20-07-2024	58.300	53.400
6	राज कुमार	XXXXXXXXXXX9868	रु. 1,96,997.00	02-04-2024	60.600	54.900
7	मंजू	XXXXXXXXXXX8579	रु. 58,974.00	15-02-2024	19.600	18.800
	शाखाः द्वारका, दिल्ली (डीएल)					
8	धनश्याम शर्मा	XXXXXXXXXXX5611	रु. 1,55,669.00	09-11-2023	46.100	43.800
	शाखाः गाजियाबाद (यूपी)					
9	गौरव सेंगर	XXXXXXXXXXX7423	रु. 1,33,265.06	20-07-2024	37.000	35.800
10	मोहित कुमार	XXXXXXXXXXX7586	रु. 1,07,643.00	20-07-2024	28.300	27.380
	शाखाः ग्रेटर नोएडा (यूपी)					
11	अनिला कुमार दास	XXXXXXXXXXX3827	रु. 42,579.00	20-07-2024	12.500	11.800
	शाखाः ज्योति नगर डी.एल. (डीएल)					
12	उमेश सिंह	XXXXXXXXXXX4207	रु. 3,18,272.82	20-07-2024	106.600	102.350
13	अनुज जैन	XXXXXXXXXXX8405	रु. 2,62,201.71	22-03-2024	71.500	69.470
	शाखाः किशनगंज ओ.डी. (डीएल)					
14	पूजा परमार	XXXXXXXXXXX9835	रु. 1,00,273.00	09-11-2023	29.400	26.700
	शाखाः लाजपत नगर, नई दिल्ली (डीएल)					
15	परमिला	XXXXXXXXXXX6478	रु. 81,040.00	20-07-2024	20.500	19.400
	शाखाः लाजवंती गार्डन, जनकपुरी, नई दिल्ली					
16	वासिफ हुसैन	XXXXXXXXXXX2909	रु. 1,04,094.64	20-07-2024	37.600	35.100
	शाखाः मयूर विहार, नई दिल्ली (डीएल)					
17	अली मोहम्मद	XXXXXXXXXXX6579	रु. 51,506.00	20-07-2024	14.600	14.100
	शाखाः नांगलोई डी.एल. (डीएल)					
18	रजिया मिर्जा	XXXXXXXXXXX8468	रु. 1,65,577.00	02-04-2024	58.500	56.160
	शाखाः न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली					
19	जान मोहम्मद	XXXXXXXXXXX1567	रु. 41,856.00	02-04-2024	11.800	11.300
20	जान मोहम्मद	XXXXXXXXXXX8841	रु. 40,577.00	20-07-2024	11.500	11.000
21	राज	XXXXXXXXXXX5885	रु. 70,573.00	02-04-2024	18.800	17.800
	शाखाः नोएडा (यू.पी.)					
22	कुलदीप रावत	XXXXXXXXXXX1143	रु. 1,55,445.00	20-07-2024	42.400	41.000
23	शैलेन्द्र कुमार	XXXXXXXXXXX7757	रु. 83,999.00	20-07-2024	24.300	23.100
24	निर्भय शरण	XXXXXXXXXXX4932	रु. 31,191.00	02-04-2024	10.600	10.100
	शाखाः नोएडा एक्सटेंशन जीएनओ उत्तर प्रदेश					
25	आदित्य प्रसाद	XXXXXXXXXXX3497	रु. 76,498.00	20-07-2024	23.200	21.800
26	मोहम्मद तनवीर	XXXXXXXXXXX0149	रु. 1,03,565.00	15-02-2024	27.700	25.700
27	नीरज	XXXXXXXXXXX9649	रु. 37,083.00	20-07-2024	10.100	9.500
	शाखाः पैराडाइज मॉल एस गुडगाँव (हरि.)					
28	हसन मोहम्मद	XXXXXXXXXXX4607	रु. 61,449.78	20-07-2024	18.460	17.500
29	सुनील पाहुजा	XXXXXXXXXXX4440	रु. 1,49,801.11	20-07-2024	39.000	38.000
30	प्रीति	XXXXXXXXXXX9929	रु. 1,02,151.00	07-06-2024	27.100	26.100
	शाखाः आर.के. मिशन, नई दिल्ली (डीएल)					
31	आसमा खातून	XXXXXXXXXXX2787	रु. 69,855.00	20-07-2024	18.690	17.800
	शाखाः सेक्टर 10ए, गुड़गांव (हरि.)					
32	रूपेश कुमार पांडे	XXXXXXXXXXX1037	रु. 1,10,263.00	07-06-2024	31.400	30.500
	शाखाः सेक्टर 14, गुड़गांव (हरि.)					
33	रामबीर	XXXXXXXXXXX4887	रु. 1,45,274.00	20-07-2024	40.900	40.400
34	अमित कुमार	XXXXXXXXXXX8450	रु. 65,994.37	20-07-2024	16.500	16.100
35	राकेश कुमार पाण्डेय	XXXXXXXXXXX0598	रु. 80,459.00	07-06-2024	23.500	23.500
	शाखाः सेक्टर 16, फरीदाबाद (हरि.)					
36	शिवकरण सिंह भड़ाना	XXXXXXXXXXX7756	रु. 2,13,046.00	09-11-2023	69.200	60.300
37	संतोष	XXXXXXXXXXX8348	रु. 4,04,119.00	20-07-2024	112.900	109.100
38	कुंदन	XXXXXXXXXXX0821	रु. 3,04,466.70	20-07-2024	90.700	78.790
39	मोहद जावेद	XXXXXXXXXXX9546	रु. 4,02,218.00	20-07-2024	103.200	96.850
40	राहुल नासा	XXXXXXXXXXX6478	रु. 3,06,157.58	08-05-2024	127.400	103.550
41	संदीप चौधरी	XXXXXXXXXXX6538	रु. 1,68,584.00	20-07-2024	45.800	43.400
42	अर्पित शर्मा	XXXXXXXXXXX8501	रु. 1,03,890.00	20-07-2024	28.300	26.440
43	सोनू	XXXXXXXXXXX8219	रु. 68,506.00	20-07-2024	20.000	19.200
	शाखाः सेक्टर-24, रोहिणी, नई दिल्ली (डीएल)					
44	अमित गर्ग	XXXXXXXXXXX4460	रु. 1,74,493.45	10-10-2023	50.200	46.700
	शाखाः तिलक नगर, दिल्ली (डीएल)					
45	किरण	XXXXXXXXXXX9456	रु. 60,743.00	20-07-2024	17.000	15.900
	शाखाः वैभव खंड उत्तर प्रदेश					
46	रूद्र प्रकाश मोहंती	XXXXXXXXXXX9594	रु. 38,839.46	02-04-2024	11.530	10.930
	शाखाः वैशाली, गाजियाबाद (यूपी)					
47	विक्रांत जैन	XXXXXXXXXXX7184	रु. 50,415.54	28-02-2024	14.500	14.100
48	अजीत सिंह	XXXXXXXXXXX5527	रु. 1,86,854.00	20-07-2024	52.600	50.500
	शाखाः विकासपुरी, नई दिल्ली (डीएल)					
49	हर्षित आहूजा	XXXXXXXXXXX3948	रु. 4,13,539.95	20-07-2024	121.300	113.900
	शाखाः राज नगर, गाजियाबाद (यूपी)					
50	सिताब सिंह	XXXXXXXXXXX6140	रु. 50,053.00	22-03-2024	13.600	12.800

एक्सिस बैंक लिमिटेड बिना किसी पूर्व सूचना के खाते को हटाने/नीलामी की तारीख बदलने का अधिकार रखता है। नीलामी ऑनलाइन **https://gold.samil.in** दोपहर 12.30 बजे से 03.30 बजे के बीच आयोजित की जाएगी।

विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया दी गई वेबसाइट https://gold.samil.in पर लॉग इन करें।

स्थान : दिल्ली,
तिथि : 10.08.2024

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी,
एक्सिस बैंक लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

सम्मान कैपिटल लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **सुमित जैन पार्टनर 'रॉयल होम्ज़", सौरभ जैन पार्टनर 'रॉयल होम्ज़", रॉयल होम्ज़ थ्रु ईट्स पार्टनर्स और सुमन जैन** को **08.06.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLDMT00459351** की राशि **रू.59,86,356.80 (रूपये उनसठ लाख छियासी हजार तीन सौ छप्पन और अस्सी पैसे मात्र)** और **05.06.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **07.08.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है ।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.59,86,356.80 (रूपये उनसठ लाख छियासी हजार तीन सौ छप्पन और अस्सी पैसे मात्र) 05.06.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

छत के अधिकार के बिना ऊपरी तल मंजिल , जिसका माप 74.23 स्क्वे. मीटर्स, बेअरींग प्लॉट नं. एसके 4/104 के क्षेत्र माप पर 117 स्क्वे. मीटर्स पर बना हुआ, 'शक्ति खंड-4' से पहचाने जानेवाली आवासीय कॉलोनी में स्थित, इंदिरापुरम में स्थित, गाजियाबाद-201009, उत्तर प्रदेश और जो सीमा :

पूर्व : प्लॉट नं. 105 — पश्चिम: 36 फीट चौड़ी सड़क
उत्तर : 80 फीट चौडी सडक़ — दक्षिण: प्लॉट नं. 103

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

दिनांक: 07.08.2024
स्थान : गाज़ियाबाद

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mr. Ram Kalra , Mr. Amit Arora, Mr. Ankur Arora, Mrs. Himanshu Arora has acquired Property Municipal No. 221-F, area measuring 100 sq. yds., Ward No. 4, situated at Mehrauli, New Delhi vide GPA dt. 13.05.2008 executed by Mr. Dyal Singh Bagga. Now Mr. Ram Kalra, Mr. Amit Arora, Mr. Ankur Arora, Mrs. Himanshu Arora are the undisputed owners of above said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi -110024

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients Shri Ishwar Chand S/o Shri Salig Ram and Smt. Chandra Wati W/o Shri Ishwar Chand both R/o C-H. No.C-1/378, Street No.27, Block C-1, Khajoori Khas, North East, Delhi-110094 have disowned/debarred their son Shri Ravi Kumar, daughter in law Smt. Vandana and grand children Virat, Viraj and Neeti from their moveable and immovable properties with immediate effect and has severed all their relation with them. My client shall not be responsible in any manner whatsoever for the deeds and acts of them henceforth.

Prem Chhetri (Advocate) Ch. No. C-118, C.L. Joseph Block, Tis Hazari Courts, Dlehi-110054

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	राजेश अग्रवाल/ LBGUR00003365788	फ्लैट नंबर 1606, 16वीं मंजिल, टॉवर-सी6, इको विलेज 2, सेक्टर-16बी, नोएडा/ अगस्त 06, 2024	फरवरी 26, 2020 रु. 22,00,283/-	दिल्ली/ नोएडा

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी ।

दिनांक : अगस्त 09, 2024
स्थान : दिल्ली और नोएडा

भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, कार्यालय क्रमांक 201-बी, द्वितीय तल, रोड नं 1 प्लॉट नं- बी3, वाईफाई आईटी पार्क, वागले इंडस्ट्रियल एस्टेट, ठाणे (पश्चिम)- 400604

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	शोभना साध और बिपिन कुमार साध और नरेश कुमार साध- LBSUR00005333783/ LBSUR00004066527	कार्यालय क्रमांक यू.जी.-4, ग्राउंड फ्लोर, रघुवीर सेलियम सेंटर, श्याम संगिनी मार्केट के सामने, आर.एस. क्रमांक 54+55, 56/4, 149, ब्लॉक क्रमांक 53, 55, 141/ए, टी.पी.एस. क्रमांक 35, ओ.पी. क्रमांक 167 और 136/1, एफ.पी. क्रमांक 167, कुंभारिया, मगोब, चोर्यासी, सूरत- 395007/ अगस्त 05, 2024	अप्रैल 22, 2024 रु. 65,48,828/-	सूरत
2.	शोभना साध और बिपिन कुमार साध - LBSUR00004913731	कार्यालय क्रमांक यू.जी.-4, ग्राउंड फ्लोर, रघुवीर सेलियम सेंटर, श्याम संगिनी मार्केट के सामने, आर.एस. क्रमांक 54+55, 56/4, 149, ब्लॉक क्रमांक 53, 55, 141/ए, टी.पी.एस. क्रमांक 35, ओ.पी. क्रमांक 167 और 136/1, एफ.पी. क्रमांक 167, कुंभारिया, मगोब, चोर्यासी, सूरत- 395007/ अगस्त 05, 2024	अप्रैल 22, 2024 रु. 17,43,061/-	सूरत

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी ।

दिनांक : अगस्त 09, 2024
स्थान : दिल्ली

भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

PUBLIC NOTICE

This is to inform public at large that My client Smt. Prem Lata W/o Sh. Yogesh Chand R/o H. No. 2606, Gali No. Gandhi Nagar, East Delhi, Delhi 17, Near Hanuman Mandir, Kailash Nagar, 110031. Debarred/Disowned and ousted her elder son Sh. Vipin Kaushik and younger son Sh. Sunny Kaushik from all her moveable and immoveable properties due to their Irresponsible, Abusive, Ignorant and Neglecting behavior and severed her all relations with them. My client shall not be responsible for their any acts in future.

HARISH KUMAR (ADVOCATE) Ch. No. G-411, KKD Courts, Delhi-32 Mob.: 9015152521

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client Sh. Suresh Chand s/o late Sh. Mangal Sain and his wife namely, Smt. Kamlesh w/o Sh. Suresh Chand R/O T-2/60, East Mehram Nagar, Delhi Cantt, South West Delhi, Delhi-110010 has served all kinds of relations towards his son namely, Nitin Kumar and his Wife Namely, Manisha Gola and their daughter and my client has disowned them from his all kinds of movable and immovable property due to their bad behaviour and quarrel conduct. My client and family members of my client will not be responsible for any kind of dealings, act or conduct of his son namely, Nitin Kumar and his Wife Namely, Manisha Gola and their daughter as they are out of control, anybody dealing with them, will do at his own costs and risks.

Sunil Soni (Advocate) Ch. No.387, Western Wing, Tis Hazari Court, Delhi-110054, Mob. 9716671960

PUBLIC NOTICE

This is to inform public at large that My client Sh. Yogesh Chander Kaushik S/o Late Sh. Upender Narayan Kaushik R/o H. No. 2606, Gali No. 17, Near Hanuman Mandir, Kailash Nagar, Gandhi Nagar, East Delhi, Delhi 110031. Debarred/ Disowned and ousted his elder son Sh. Vipin Kaushik and younger son Sh. Sunny Kaushik from all his moveable and immoveable properties due to their Irresponsible, Abusive, Ignorant and Neglecting behavior and severed his all relations with them. My client shall not be responsible for their any acts in future.

HARISH KUMAR (ADVOCATE) Ch. No. G-411, KKD Courts, Delhi-32 Mob.: 9015152521

PUBLIC NOTICE

To be known to all that Shri Ravi Bahl S/O Late Shri V.P. Bahl has applied for issuance of certified copy of Possession Letter & NOC for Electricity and Water Connection in respect of his Flat No. 141-B, Pocket-C, Sidhartha Extension New Delhi-110014. The Original Documents i.e Possession letter & NOC for Electricity and Water connection have been Lost. An online FIR LR No. 2001871/2024 dated 05.08.2024 has been lodged with P.S Crime Branch , Delhi. Any person (s) claiming any Right/Interest having any objection may write or contact Director, Housing, Vikas Sadan, New Delhi

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 10 अगस्त, 2024

सिसोदिया की जमानत पर बांटे लड्डू, मनाया जश्न

नसीरपुर में सर्वोदय सह शिक्षा विद्यालय के नए स्कूल के उद्घाटन अवसर पर भावुक हुईं आतिशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को उच्चतम न्यायालय ने जमानत दे दी है। तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। सिसोदिया को जमानत मिलने पर आप आदमी पार्टी में जश्न का माहौल है। इस मौके पर आप कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।

वहीं सिसोदिया के आवास पर उनकी पत्नी सीमा सिसोदिया और परिवार के अन्य सदस्यों ने कार्यकर्ताओं व आगंतुकों को मिठाइयां बाटीं। देर शाम जेल से बाहर आने पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आतिशीबाजी भी की। तिहाड़ जेल से पहली झलक मिलते ही कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी शुरू कर दी और उनके संबोधन तक जारी रही। इस दौरान सभी बहुत खुश नजर आए। दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित आम आदमी पार्टी के मुख्यालय ढोल-नगाड़ों से गूंज उठा।

वहां पार्टी नेता और कार्यकर्ता सुबह से एकत्रित जमा रहे। मंत्री सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, सांसद संजय सिंह सहित कई पार्टी नेताओं ने वहां मौजूद लोगों को मिठाइयां बांटी। सिसोदिया को उच्चतम न्यायालय से जब जमानत मिली, उस वक्त शिक्षा मंत्री आतिशी द्वारका में सर्वोदय सह शिक्षा विद्यालय, नसीरपुर में एक नए स्कूल का शुभारंभ करने पहुंचीं थी जहां वह मंच पर जमानत की खबर साझा करते हुए भावुक हो गईं। उच्चतम न्यायालय के फैसले को सत्य की जीत करार देते हुए शुक्रवार को उम्मीद जताई कि जेल में बंद पार्टी के अन्य नेताओं को भी न्याय मिलेगा।

आबकारी नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट से मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने के बाद उनकी पत्नी को मिठाई खिलाते परिवार के लोग।

पूर्व डिप्टी सीएम आज करेंगे संबोधित : पाठक

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने बताया कि मनीष सिसोदिया स्वतंत्र रूप से अपना काम कर सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उनके काम पर कोई रोक नहीं लगाई है। वह शनिवार सुबह करीब 9 बजे राजघाट जाएंगे। इसके बाद मंदिर जाएंगे और बाद वह 11 बजे पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। वह आप के वरिष्ठ नेता हैं। वह जेल से बाहर आकर आप का नेतृत्व करेंगे। संदीप पाठक ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली वालों को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पहले इन्होंने गर्मी में पानी रोक दिया, अब बारिश में जनता के साथ राजनीति कर रहे हैं। मनीष के बाहर आने से गवर्नेंस को एक नई ताकत मिलेगी और हम सबको भी नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

संक्षिप्त समाचार

एसडीए सैटेलाइट टाउनशिप को विकसित करेगा

नई दिल्ली/श्रीनगर । श्रीनगर विकास प्राधिकरण (एसडीए) और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने राख गुंड अक्ष, बेमिना, श्रीनगर में लगभग 406 एकड़ में फैले सैटेलाइट टाउनशिप के विकास को कार्यान्वित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। परियोजना स्थल, आगामी मेडी सिटी और उच्च न्यायालय परिसर के निकट स्थित है। एनबीसीसी परियोजना प्रबंधन और विपणन परामर्शदाता के रूप में लगभग 15000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 'संकल्पना से कमीशनिंग' तक परियोजना को कार्यान्वित करेगा। समझौता ज्ञापन पर ओवैस अहमद, उपाध्यक्ष, एसडीए और संजय गुप्ता, कार्यपालक निदेशक, एनबीसीसी ने हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन आयुक्त/सचिव मंदीप कौर, जम्मू एवं कश्मीर सरकार के आवास और शहरी विकास विभाग के.पी. महादेवास्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी तथा श्री रवि अरोड़ा, संयुक्त सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

अगस्त क्रांति दिवस पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने भारत छोड़ों आंदोलन दिवस पर आजादी के लिए शहीद हुए क्रांतिकारियों को नमन करते हुए शुक्रवार को ऐतिहासिक चॉदनी चौक, टाउन हॉल के नजदीक राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त उन क्रांतिकारियों को याद करने का दिन है, देश को आजादी दिलाने के लिए शहीद हुए थे, उनके योगदान को भुलाए नहीं जा सकता। उन्हें खुशी है कि वह उस पार्टी के सैनिक हैं जिसने आजादी दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देवेन्द्र यादव ने कहा कि आज के ही दिन 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने करो या मरो का नारा दिया। उस समय गांधी जी को एहसास हुआ कि अब बातचीत और चर्चा से कुछ नहीं होगा। कांग्रेस पार्टी हमेशा बातचीत, विचारधारा और समन्वय स्थापित करके समस्या को सुलझाने में विश्वास रखती है। महात्मा गांधी के फैसले पर अनुकरण करते हुए आजादी के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा दी गई कुर्बानियों से हमें सीख लेने की जरुरत है।

कानून अपना काम कर रहा है, उसका सम्मान करते हैं : देवेंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि शराब घोटाले की जांच के अंतर्गत जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कानून के अंतर्गत लिया गया है। कानून अपना काम कर रहा है, हम उसका सम्मान करते हैं। यादव ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस का शुरु से ही स्पष्ट रुख रहा है कि शराब घोटाले में हुए भ्रष्टाचार का मामला हो या दिल्ली सरकार के विभागों में भ्रष्टाचार हो, दोषियों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाना चाहिए और यदि कोई निर्दोष है तो उसे जेल नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत का निर्णय दिल्ली के लोगों को न्याय दिलाने के मकसद से दिया गया है।

17 महीनों का हिसाब कौन देगा : संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने उच्चतम न्यायालय के फैसले को लोकतंत्र, न्याय व्यवस्था और देशवासियों की भावनाओं की बड़ी जीत करार देते हुए कहा कि एक पैसे की बरामदगी नहीं होने के बावजूद मनीष सिसोदिया को एक फर्जी केस में 17 महीने तक जेल में रखा गया। उसका हिसाब कौन देगा। सिसोदिया को जमानत मिलना आम आदमी पार्टी और दिल्ली के लोगों के लिए बहुत बड़ी राहत है।

संजय सिंह ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने दिल्ली की जनता के लिए काम करने वाले मनीष सिसोदिया समेत आप के तमाम नेताओं को जेल में डाल दिया। केंद्रीय जांच एजेंसियों का मकसद जांच करना नहीं है, बल्कि विपक्ष के नेताओं को जेल में डालना है।

वहीं दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि सिसोदिया ने सरकारी स्कूलों में अच्छी शिक्षा के सपने को हकीकत में बदलकर पूरे देश को एक नई उम्मीद दी है। कोर्ट के इस फैसले ने बता दिया कि कोई भी तानाशाह कितना भी ताकतवर क्यों न हो, लेकिन उसकी तानाशाही ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी। राय ने कहा कि सिसोदिया की पत्नी, बच्चे और परिवार ने जो मानसिक प्रताड़ना झेली है उसका जवाब कौन देगा।

जमानत देने का आदेश अपराध से मुक्त नहीं करता : स्वराज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मनीष सिसोदिया के जमानत पर आम आदमी पार्टी जहां खुशी जता रही है और इसे सत्य की जीत बता रही हैं। वहीं, भाजपा नेता कह रहे हैं कि जमानत मिलने को अपराध मुक्त होना नहीं कहते हैं वो अभी भी अभियुक्त हैं। उन्होंने राजधानी के बच्चों को पाठशाला से मधुशाला तक ले जाने का पाप कर चुके हैं। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा हमेशा न्यायालय के फैसले का सम्मान करती है, वह सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का भी सम्मान करते हैं।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सिसोदिया को उनकी अपील के कारण जमानत दी गई है, जो मुकदमे में देरी पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप पार्टी भ्रष्टाचार

कहा- सिसोदिया बच्चों को पाठशाला से मधुशाला तक ले जाने का पाप कर चुके हैं

में लिप्त है और देर-सवेर उसे अदालत के सामने जवाबदेह ठहराया जाएगा। अभाजपा नेता ने कहा, इससे सिसोदिया अपराध से मुक्त नहीं हो जाते। दिल्ली के लोगों को मूर्ख बनाने के लिए उन्हें अब भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की भाजपा हमेशा न्यायालय के फैसले का सम्मान करती है। वह सिसोदिया को जमानत मिलने पर आम आदमी पार्टी नेताओं की खुशी को समझ सकते हैं पर आज न्यायलय के निर्णयों को स्वीकारने के मामले में उनका काला चेहरा भी साफ दिख रहा है, जो लोग सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को न्याय की जीत बता रहे हैं वही गत सप्ताह के सर्वोच्च न्यायालय के दिल्ली नगर निगम एल्डरमैन निर्णय को लोकतंत्र की हत्या बता रहे थे। वहीं दक्षिणी दिल्ली से पार्टी के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया की जमानत को कानूनी प्रक्रिया का एक हिस्सा बताया है।

बापरोला में विकसित होगा औद्योगिक पार्क

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के बापरोला में औद्योगिक पार्क विकसित करने को मंजूरी दे दी है। 54.89 हेक्टेयर भूमि पर औद्योगिक पार्क विकसित किया जाएगा। पहले एलजी ने औद्योगिक उपयोग के लिए 22.34 हेक्टेयर भूमि की अनुमति थी, लेकिन इसे बढ़ाकर अब 54.89 हेक्टेयर कर दिया गया है। राज्यपाल कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने वर्ष 2013 में ही बापरोला में भूमि उपयोग को मंजूरी दी थी लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार के उदासीन रवैये के चलते देरी हुई।

जेलर को पिस्टल लहराना पड़ा महंगा, सस्पेंड

डीजी ने जांच के लिए 15 सदस्य कमेटी बनाई, वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ था वायरल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मंडोली जेल के जेलर को हवाबाजी करनी महंगी पड़ी। डीजी ने मामले में संज्ञान लेते हुए जेलर को सस्पेंड कर दिया है। जानकारी के अनुसार दीपक शर्मा मंडोली जेल में तैनात थे ओर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते है, जहां इनके 4.4 लाख फॉलोवर्स भी है।

8 अगस्त को उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के घोडा से पार्षद प्रीति गुप्ता के पति नीरज गुप्ता का जन्मदिन था। जन्मदिन का आयोजन सीमापुरी इलाके में स्थित एक बेंक्वट हॉल में रखा गया था। दीपक शर्मा भी पहुंचे थे, जेलर साहब

ने डांस करते हुए हाथ में रिवाल्वर लहराना शुरू कर दिया, वहां मौजूद एक कर्मचारी उनसे ऐसा करने को मना करता रहा लेकिन वर्दी के रुआब में जेलर साहब रिवाल्वर लहराते रहे। इनकी इस हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। मामले में डिपार्मेंट को इनके ऊपर एक्शन लेना पड़ा। इनके ऊपर कार्रवाई करते हुए डीजी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया। साथ ही जांच के लिए 15 अधिकारियों की जांच कमेटी भी बनाई गई। डीसीपी शाहदरा को जेलर के आर्म्स लाइसेंस को कैंसिल करने के लिए डीसीपी लाइसेंसिंग को भी खत लिख दिया है।

झमाझम बारिश के बाद भाषण जाम में फंसे दिल्ली वाले

फोटो: रंजन डिमरी

लोगों गुमराह कर रहे आप नेता: विजेंद्र गुप्ता

बोले- शराब घोटले में जल्द शुरू होगा ट्रायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मनीष सिसोदिया को दी गई जमानत पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत को लेकर सिसोदिया को कोई मुगालता नहीं पालना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने सिसोदिया को केवल इसी आधार पर जमानत दी है कि उन्हें जेल में रहते हुए 17 महीने हो गए हैं और ट्रायल में देरी हो रही थी। केवल इसी आधार पर उन्हें जमानत दी गई है। उन्होंने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही प्रतिक्रियाओं पर हैरानी जताते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता

इस तरह का प्रचार कर रहे हैं कि जैसे सिसोदिया को कोर्ट द्वारा दोष मुक्त कर दिया गया है या फिर उन्हें बरी कर दिया गया है।

जबकि ऐसा बिल्कुल भी नही है। ऐसा करके आम आदमी पार्टी के नेता अपने आप को धोखा दे रहे हैं और दिल्ली की जनता को भी गुमराह कर रहे हैं। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सिसोदिया करोड़ों रुपये के शराब घोटाले के मुख्य आरोपी हैं और एजेंसियां अपने स्तर पर इस घोटाले की जांच कर रही हैं। बहुत जल्द ही इस केस का ट्रायल पूरा हो जाएगा। सिसोदिया को जमानत देते हुए कोर्ट ने उन्हें 10 लाख का बेल बांड भरने और हर सोमवार को थाने में हाजरी लगाने की शर्त लगाई है। सिसोदिया पर साल वर्ष 2021-22 में शराब नीति में गलत तरीके से बदलाव करके शराब कारोबारियों को करोड़ों का फायदा पहुंचाने का आरोप है और इस फायदे की रकम का मोटा हिस्सा आम आदमी पार्टी के नेताओं को रिश्वत के रूप में दिया गया। इस घोटाले के चलते सरकार को राजस्व में करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। गुप्ता ने कहा कि उपराज्यपाल की मंजूरी लिए बिना सिसोदिया ने लाइसेंस फीस में 144 करोड़ रुपए की छूट दे दी और लाइसेंसधारियों को लाभ पहुंचाने के लिए बीयर के आयात पर लगने वाला आयात शुल्क हटा दिया और तो और, टेंडर की शर्तें पूरी न करने वाली एक कंपनी की 30 करोड़ की सेक्युरिटी राशि भी लौटा दी गई।

शाहबाद डेयरी कॉलोनी में अवैध निर्माण के खिलाफ होगी कार्रवाई : एमसीडी

नई दिल्ली। नगर निगम ने निर्णय लिया है कि वह शाहबाद डेयरी कॉलोनी में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करेगा। अगर वहां उल्लंघन करने वालों ने भूखण्डों के मूल स्वरुप को बहाल नहीं किया। उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में, दिल्ली नगर निगम ने शाहबाद डेयरी कॉलोनी का सर्वेक्षण किया और व्यापक अवैध निर्माण और डेयरी प्लॉट्स के अवैध उपयोग परिवर्तन पाया।

सर्वेक्षण में पाया गया कि कब्जाधारियों ने अवैध रूप से डेयरी प्लॉट्स पर आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक इकाइयों का निर्माण किया, जो आबंटन की शर्तों का उल्लंघन है। उच्च न्यायालय ने डेयरी प्लॉट्स के व्यापक दुरुपयोग पर नाराजगी व्यक्त की है।

बड़े एक्शन की तैयारी में दिल्ली पुलिस बदमाशों के 11 गिरोहों की बनाई सूची

जबरन वसूली, गोलीबारी और हत्या की वारदातों में शामिल रहे है बदमाश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कुछ महीनों में जबरन वसूली, व्यापारियों को धमकाने, गोलीबारी और हत्या की वारदातों में शामिल 11 गिरोह की पहचान कर उनकी सूची बनाई है।

आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस मुख्यालय में बुधवार को आयोजित अंतरराज्यीय बैठक में बल के प्रमुख संजय अरोड़ा ने गिरोहों से बढ़ते खतरे का मुद्दा उठाया। बैठक में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के अधिकारी भी शामिल हुए।

पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) और अन्य कठोर स्थानीय कानूनों को लागू करके गिरोहों पर नियंत्रण करें। मकोका दिल्ली में भी लागू है। अरोड़ा ने अधिकारियों को इन कुख्यात अपराधियों से जुड़े नाबालिगों पर निगरानी रखने और उनकी गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए सोशल मीडिया पर नजर रखने को भी कहा है। जबरन वसूली और गोलीबारी की बढ़ती घटनाओं में शामिल रहे है। ज्ञात हो कि राजधानी में लगातार अपराध बढ़ रहे है। पुलिस ने अब सख्ती बरतनी शुरू कर दी है।

1). लॉरेंस -गोल्डी बराड़ गिरोह

जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और कनाडा निवासी गोल्डी बरार के सदस्य वांछित अपराधियों की सूची में सबसे पहले स्थान पर हैं। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की 2022 में हत्या किए जाने के यह गिरोह सामने आया। यह गिरोह बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को धमकी देने के लिए भी कुख्यात है।

2). हिमांशु भाऊ गिरोह

हिमांशु भाऊ केवल 22 साल की उम्र में अपराध जगत का जाना-पहचाना नाम है। वह यूरोप से अपना गिरोह चलाता है और यह संदेह है कि वह स्पेन या पुर्तगाल में रह रहा है। हरियाणा के रोहतक के मूल निवासी भाऊ पर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में हत्या, हत्या का प्रयास, जबरन वसूली के लिए धमकाने समेत 50 से अधिक मामले दर्ज हैं। आज भी यह कई इलाके में सक्रिय है।

3). कपिल सांगवान गिरोह

कपिल सांगवान उर्फ नंदू (32) हरियाणा और दिल्ली पुलिस का वांछित कुख्यात अपराधी है। वह इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की हरियाणा इकाई के प्रमुख नफे सिंह राठी की हत्या के मुख्य संदिग्धों में से एक है।

4). मंजीत महल गिरोह

अनूप-बलराज गिरोह के सदस्य मंजीत महल पर गैंगस्टर से नेता बने किशन पहलवान के कई सहयोगियों की हत्या करने का आरोप है। महल का नाम 2016 में इनेलो नेता भरत सिंह की हत्या में भी सामने आया था।

5). गोगी-संपत नेहरा गिरोह

जितेंद्र गोगी की प्रतिद्वंद्वियों के साथ गैंगवार होने के बाद सितंबर 2021 में रोहिणी अदालत के अंदर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लूट के दर्जनों मामले दर्ज है।

6). कौशल गिरोह

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कट्टर प्रतिद्वंद्वी कौशल चौधरी पर अगस्त 2021 में मोहाली में एक युवा राजनेता विक्की मिड्डुखेड़ा की हत्या में शामिल होने का आरोप है।

7). फरीदपुरिया गिरोह

नीरज फरीदपुरिया और उसके साथी हरियाणा में अनाज मंडी के व्यापारियों और आढ़तियों से जबरन वसूली करने लिए कुख्यात हैं।

8). नीरज बवाना गिरोह

नीरज बवाना का गिरोह हरियाणा के व्यापारियों से जबरन वसूली की मांग करने के लिए कुख्यात है। वह वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद है।

9). सुनील टिल्लू गिरोह

सुनील मान उर्फ टिल्लू ताजपुरिया की मई 2023 में तिहाड़ में प्रतिद्वंद्वी गोगी गिरोह के सदस्यों ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। ऐसा माना जा रहा है कि उसके गिरोह के सदस्य उसकी हत्या का बदला लेने के लिए अवसर की तलाश में हैं।

10). हाशिम बाबा

जेल में बंद अपराधी हाशिम बाबा पर हाल ही में दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में हुई गोलीबारी की घटना में संलिप्त होने का आरोप है। उस पर हत्या और हत्या के प्रयास सहित 16 मामले दर्ज हैं।

11). इरफान उर्फ छेनू गिरोह

नासिर-इरफान (उर्फ छेनू पहलवान) गिरोह अवैध सट्टेबाजी और जुआ कारोबार में शामिल है।छेनू पहलवान गैंग पूर्वी दिल्ली में जबरन वसूली, डकैती और चोरी के कई मामलों में शामिल रहा है. इसका सरगना इरफान इस वक्त तिहाड़ जेल में बंद है। साल 2021 में पुलिस ने एक ऑपरेशन के दौरान खुलासा किया था कि छेनू गैंग का सरगना बुलेट प्रूफ फॉर्च्यूनर से चलता था। पूर्वी दिल्ली नाबालिगों के साथ मिली क्राइम कराता है।

बांग्लादेश में खराब माहौल से भारत को भी नुकसान

राजनीतिक अस्थिरता दोनों देशों के व्यापार को करेगी प्रभावित, प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने जताई चिंता

● वित्त वर्ष 2023-24 में बांग्लादेश से भारत ने 1154 वस्तुओं का किया था आयात

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

पीएफटीआई अध्यक्ष दीपक मैनी।

वर्ष 2023-24 में बांग्लादेश से भारत द्वारा आयात किए जाने वाले उत्पाद

आरएमजी कपास	(510 मिलियन डॉलर)
सूती कपड़े, मेड-अप	(153 मिलियन डॉलर)
आरएमजी मैन मेड	(142 मिलियन डॉलर)
मसाले	(125 मिलियन डॉलर)
जूट	(103 मिलियन डॉलर)

2023-24 में बांग्लादेश को भारत द्वारा निर्यात किए गए उत्पाद

कपास धागा	(1.02 अरब डॉलर)
पेट्रोलियम उत्पाद	(816 मिलियन डॉलर)
अनाज	(556 मिलियन डॉलर)
सूती कपड़े और अन्य सामना	(541 मिलियन अमेरिकी डॉलर)
कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन	(430 मिलियन डॉलर)

बांग्लादेश केवर्तमान हालातों से पूरी दुनिया वाकिफ है। बांग्लादेश के साथ भारत के बेहतर संबंध रहे हैं, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक माहौल भी बेहतर रहा है। बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता से भारत का व्यापार भी प्रभावित होगा। क्योंकि वहां के बिगड़े हालात इतनी जल्दी और आसानी से सामान्य नहीं हो पाएंगे। क्योंकि यह किसी दुश्मन देश के साथ युद्ध नहीं बल्कि यह बांग्लादेश में गृह युद्ध जैसी स्थित बनी है। इससे बहुत सहजता से निपटा जाएगा।

प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (पीएफटीआई) ने भी बांग्लादेश के इन हालातों में व्यापार प्रभावित होने की पूरी-पूरी आशंका जताई है। पीएफटीआई के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि बांग्लादेश में भले ही अंतरिम सरकार का गठन कर लिया गया है, मगर स्थिति के सामान्य होने में अभी लंबा समय लग सकता है। इससे भारत के उद्योग और व्यापार जगत के नकारात्मक रूप से प्रभावित होने की आशंका बलवती हो गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में बांग्लादेश से भारत द्वारा आयात किए गए कुल 1154 वस्तुओं का मूल्य 2.02 अरब डॉलर रहा था, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 1.97 अरब डॉलर था। वहीं बांग्लादेश को भारत से भी कई वस्तुओं का निर्यात किया जाता है। गारमेंट उद्योग की बात करें तो इसका बांग्लादेश से काफी कुछ लेना-देना होता है।

दीपक मैनी ने कहा कि बांग्लादेश, भारत एक बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत बांग्लादेश के लिए चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। बांग्लादेश में भारत का काफी निवेश है। अखौरा-अगरतला रेल लिंक, खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन और मैत्री थर्मल प्लांट.अखौरा-अगरतला जो पहली ट्रेन सेवा प्रमुख है।

यह रेल सेवा पूर्वोत्तर भारत को बांग्लादेश से जोडने में अहम भूमिका निभाती है। इंडियन रेलवे ने लाइन ऑफ क्रेडिट कार्यक्रम के अंतर्गत बांग्लादेश के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर में लगभग 1,000 करोड़ का निवेश किया है। पीएफटीआई चेयरमैन का कहना है कि कई प्रकार के उत्पाद हरियाणा से भी आयात-निर्यात किए जाते हैं। दिल्ली-एनसीआर के 50 से अधिक गारमेंट एक्सपोर्टर हैं जो बांग्लादेश में अपनी यूनिट कर भारत या अन्य देश में अपने प्रोडक्ट का निर्यात करते हैं। इन सभी ने लगभग 2000 करोड़ रुपये का निवेश वहां किया हुआ है। बांग्लादेश के वर्तमान हालात में इन सभी की सांसें अटकी हुई हैं।

दीपक मैनी के मुताबिक बांग्लादेश में अडानी समूह का भी भारी-भरकम निवेश है। अडानी पावर की ओर से वर्ष 2017 में बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट के साथ 25 साल का समझौता किया गया था। इस निवेश का क्या होगा इसके भविष्य के बारे में अभी कुछ जल्दबाजी होगी। बांग्लादेश में डाबर, मारिको, हीरो मोटोकॉर्प, टीवीएस मोटर ने भी खूब निवेश किया है।

भारत पर बांग्लादेश की निर्भरता इतनी अधिक है कि वह किसी भी हाल में भारत का साथ नहीं छोड़ सकता है। बांग्लादेश में हीरो मोटोकॉर्प और टीवीएस असेंबलिंग प्लांट है। भारतीय टेलीकॉम कंपनी एयरटेल का बांग्लादेश की टेलीकॉम कंपनी रॉबी एक्सीआटा में 28 प्रतिशत का निवेश है। भारत और बांग्लादेश के बीच हाल ही में रुपये में व्यापार की शुरुआत हुई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ 22 जून को इसे लेकर समझौता किया था।

राशन डिपो के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 अगस्त तक बढ़ाई

● गुरुग्राम में अलॉट किए जाएंगे 121 राशन डिपो

● शैक्षणिक योग्यता 12वीं व 21 वर्ष से 45 वर्ष तक होनी चाहिए आवेदक की आयु

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिले में कुल 121 राशन डिपो अलॉट किए जाने हैं, जिनमें से 62 राशन डिपो महिलाओं के लिये आरक्षित हैं। 59 राशन डिपो के लिए कोई भी इच्छुक व्यक्ति अंत्योदय सरल पोर्टल को माध्यम से नए डिपो के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है।

हरियाणा में नए राशन डिपो का लाइसेंस लेने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 20 अगस्त की गई है। इच्छुक व्यक्ति लाइसेंस के लिए उपरोक्त तिथि तक आवेदन कर सकते हैं। डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, द्वारा पीडीएस कंट्रोल ऑर्डर 2022 के तहत नए राशन डिपो के लाइसेंस जारी किए जाने है। संबंधित वार्ड या गांव का कोई भी आवेदक जिसकी आयु 21 वर्ष से 45 वर्ष तक है तथा आवेदक की शैक्षणिक योग्यता कम से कम 12वीं पास होने के साथ-साथ कंप्यूटर का ज्ञान होना अनिवार्य है। वह आवेदन कर सकता है। डिपो अलॉट करने में तेजाब हमले से पीड़ित महिला व विधवा महिला को वरियता प्रदान की जायेगी। यदि उसी प्रवर्ग में एक से अधिक आवेदन प्राप्त होते है, तो उच्चतर योग्यता रखने वाले आवेदक को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि उचित मूल्य की सरकारी दुकान का लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया, सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के तहत तय की गई समयावधि जो कि 30 दिन है, के तहत ही पूर्ण की जायेगी।

जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक अनिल कुमार ने बताया उचित मूल्य की दुकान का क्षेत्रफल कम से कम 150 वर्ग फुट होना अनिवार्य है। परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। आवेदक ग्राम पंचायत के वर्तमान सरपंच या पंच तथा नगरपालिका समिति, नगर परिषद या नगर निगम के उम्मीदवार का निकट पारिवारिक सदस्य अर्थात पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री या निकट सम्बन्धि (माता-पिता, भाई-बहन/उनके बच्चे तथा साला-साली) नहीं होगा।

ऐतिहासिक होगा बसपा-इनैलो सम्मेलन: सुरेंद्र

● बसपा नेता सुरेंद्र वशिष्ठ ने तैयारियों का लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

कार्यक्रम स्थल पर सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेते बसपा प्रभारी सुरेंद्र वशिष्ठ।

आज मोहना की अनाज मंडी में होने वाले बसपा-इनैलो के संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर बसपा के पृथला विधानसभा प्रभारी सुरेंद्र वशिष्ठ ने कार्यकर्ताओं के साथ सम्मेलन स्थल पर जाकर सभी तैयारियों का जायजा लिया।

सम्मेलन में आने वाले कार्यकर्ताओं के लिए खाने पीने की व्यवस्था की गई है। इस मौके बसपा प्रभारी सुरेंद्र वशिष्ठ कार्यक्रम स्थल का जायजा लेते हुए कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी चुकी हैं। कार्यकर्ता सम्मेलन में आने वाले सभी अतिथियों के बैठने की उचित व्यवस्था की गई है। बसपा नेता ने कहा कि बसपा-इनैलो का संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन ऐतिहासिक होने जा रहा है और इस कार्यकर्ता सम्मेलन में पृथला से हजारों कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने बताया इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि आकाश आनंद, बसपा राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर और इनेलो राष्ट्रीय महासचिव अभय सिंह चौटाला, विशिष्ट अतिथि हरियाणा व पंजाब बसपा प्रभारी रणधीर सिंह बेनिवाल, बसपा प्रदेश अध्यक्ष के धर्मपाल तिगरा, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज चौधरी के अलावा बसपा व इनेलो के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। सुरेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर मैंने पृथला विधानसभा के हर गांव में जाकर लोगों को आमन्त्रित किया है। कार्यक्रम स्थल का जायजा लेते वक्त सुरेंद्र वशिष्ठ के साथ, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, जिला अध्यक्ष सरदार उपकार सिंह, प्रदेश सचिव एमपी बघेल, राजकुमार पृथला विधानसभा अध्यक्ष, विधानसभा सेक्टर अध्यक्ष बसपा रमेश पंडित के अलावा इनेलो जिला महासचिव हरकेश मास्टर समेत काफी संख्या में बसपा इनेलो नेता मौजूद रहे।

अगस्त में हरियाणा के स्कूलों को मिलेंगे 500 प्राचार्य: त्रिखा

● मुख्यमंत्री द्वारा 130 नए स्कूलों की स्थापना की जाएगी

● एसएमसी ट्रेनिंग कैंप को शिक्षा मंत्री ने किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

डीएवी पब्लिक स्कूल में ट्रेनिंग कैंप में श्रेष्ठ एसएमसी को सम्मानित करतीं शिक्षा मंत्री।

हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा है कि अगस्त माह की आखिरी तारीख तक हरियाणा में 500 प्राचार्य नियुक्त किए जाएंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में सरकार द्वारा 130 नए राजकीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं।

शिक्षा मंत्री शुक्रवार को यहां सेक्टर-49 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित किए एसएमसी ट्रेनिंग कम कांफ्रेंस में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि हमारे हरियाणा के जवान, किसान और खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हैं। हमारा लक्ष्य है कि शिक्षा के क्षेत्र में भी हरियाणा को नंबर वन बनाया जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह शैक्षणिक सुधार को लेकर कृतसंकल्प हैं। इस दिशा में सरकार की ओर से ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। शैक्षणिक सुधार के उद्देश्य को लेकर पूरे प्रदेश के 22 जिलों में अभिभावक, एसमएसी सदस्यों व शिक्षकों के सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। गुरुग्राम इस कड़ी में बीसवां जिला है, जहां यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रदेश के शिक्षा तंत्र में काफी सकारात्मक परिवर्तन आया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी हरियाणा राज्य में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए सार्थक कदम उठाए। अब वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह ने इन कार्यों को और गति प्रदान की है।

एसएमसी प्रबंधन समिति से मिले सुझाव होंगे लागू

एसएमसी प्रबंधन समिति के सदस्यों से शिक्षा मंत्री ने सीधी बात की और उनके सुझाव भी लिए। उन्होंने कहा कि जो सुझाव आज आए हैं, उनको पूरी तरह से लागू किया जाएगा। इस अवसर पर गुरुग्राम जिला की 10 श्रेष्ठ एसएमसी को शिक्षा मंत्री ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। दसवीं और बारहवीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ परिणाम लाने वाले छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी कैप्टन इंदु बोकन कसाना ने शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। उन्होंने शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षा मंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

15 अगस्त तक मनाया जाएगा हर घर तिरंगा महोत्सव

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में आगामी 11 से 15 अगस्त तक प्रदेशभर में 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जाएगा। हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिला उपायुक्तों के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान, समाधान शिविर और इलेक्शन से सम्बंधित कार्यों की समीक्षा बैठक की। वीडियो कॉन्फ्रेंस के उपरान्त उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि 11 अगस्त को महिला एवं बाल विकास विभाग तथा विकास एवं पंचायत विभाग, 12 अगस्त को स्कूल शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा विभाग, 13 अगस्त को खेल एवं युवा मामले विभाग, 14 अगस्त को पुलिस विभाग द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी और 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन जिला के अमृत सरोवरों पर समारोह आयोजित किए जाएंगे, जहां तिरंगा फहराया जाएगा और पेड़ भी लगाए जायेंगे।

प्रशासन के सहयोग से होगा कला सम्मान समारोह

गुरुग्राम। जिला प्रशासन के सहयोग से कलाग्राम सोसाइटी फॉर फाइन आर्ट्स ने बहुप्रतीक्षित कला सम्मान पुरस्कार 2024 की घोषणा की है। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम कला और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों के महत्वपूर्ण योगदान का सम्मान करेगा और पुरस्कार समारोह 13 अगस्त को एपेरल हाउस ऑडिटोरियम सेक्टर-44 गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा। कलाग्राम सोसायटी की निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि यह भव्य आयोजन विभिन्न कला विधाओं के कुछ सबसे उल्लेखनीय प्रतिभाओं को एकत्र करेगा, जो एक यादगार कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि पुरस्कार श्रेणियों में शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय संगीत (वोकल और वाद्य), थिएटर, कविता और साहित्य (किसी भी भाषा में), दृश्य कला, कला और संस्कृति के प्रति समर्पण, विशेष आवश्यकताएं और वर्ष 2024 के युवा कलाकार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के डीसी निशांत कुमार यादव की अध्यक्षता में एक विशिष्ट जूरी नामांकित व्यक्तियों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करेगी। उन पुरस्कार विजेताओं का चयन करेगी, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण कौशल, रचनात्मकता और समर्पण का प्रदर्शन किया है।

शनिवार-रविवार को बूथ पर मौजूद रहेंगे बीएलओ

गुरुग्राम। इन दिनों जिला के चारों विधानसभाग क्षेत्रों में मतदाता पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान 10 व 11 अगस्त शनिवार-रविवार को सभी पोलिंग बूथ पर बीएलओ मौजूद रहेंगे और नागरिकों से मतदाता सूचि में नाम जुड़वाने, नाम कटवाने तथा शुद्धि करवाने के लिए फार्म प्राप्त करेंगे। नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम ने शुक्रवार को बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार इन दिनों जिला में संशोधित मतदाता सूचियों का प्रकाशन करने के लिए पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान नए वोट बनवाने के लिए 18 साल की आयु पार कर चुके युवाओं से फार्म 6 लिया जा रहा है। कोई मतदाता घर छोडकर चला गया है या किसी का निधन हो गया है तो उसका नाम कटवाने के लिए फार्म 7 तथा नाम, पता, फोटो, आयु आदि में परिवर्तन के लिए फार्म 8 भरवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शनिवार व रविवार 10-11 अगस्त को सभी बीएलओ अपने बूथ पर मिलेंगे और उनके पास वोटर लिस्ट भी है। आम नागरिक बूथ पर जाकर वोटर लिस्ट देख सकते हैं।

भक्ति संगीत के जरिये चल रहा महामंडल विधान

गुरुग्राम। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जैकमपुरा में चल रहे कल्याण मंदिर महामंडल विधान 10 अगस्त 2024 तक आचार्य श्री 108 ज्ञान भूषण जी महाराज ससंघ के सानिध्य में भक्ति संगीत द्वारा चल रहा है। विधानाचार्य पंडित दीपक जैन दिल्ली, सह-विधानाचार्य पंडित सनत जैन द्वारा भक्तिपूर्वक कराया जा रहा है। आचार्यश्री ने कल्याण मंदिर विधान वालों को विधान की महिमा बताई कि यह विधान सर्व रोग, शोक नाशक एवं ऋद्धि-सिद्धिदायक सुख, शांति, समृद्धि प्रदायक है। इस विधान को करने से कालसर्प योग का निवारण होता है और परिवार में सुख, शांति, समृद्धि भाई चारा बना रहता है।

'कच्चे कर्मचारियों की नौकरी पक्की करना सराहनीय'

● स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने की सैनी सरकार के फैसले की तारीफ

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कैबिनेट ने हरियाणा के विभिन्न विभागों व बोर्ड निगमों में वर्षों से कार्यरत्त कच्चे कर्मचारियों को नौकरी की गारंटी देने का फैसला लिया है। मंत्री डा. बनवारी लाल शुक्रवार को पलवल के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकार वार्ता कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि जिन कच्चे (कॉन्ट्रेक्ट) कर्मचारियों को 15 अगस्त तक पांच साल पूरे हो गए हैं कि ऐसे कर्मचारियों को उनकी रिटायरमेंट 58 वर्ष की उम्र होने तक हटाया नहीं जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की बैठक में यह सराहनीय फैसला लिया गया है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के करीब 1 लाख 20 हजार कर्मचारियों को फायदा होगा। इस अवसर पर विधायक दीपक मंगला, जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि वर्तमनान प्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है। सरकार ने किसानों को हितों को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए है। अबकी बार बारिश होने की वजह से खरीफ की फसलों की पैदावार में कमी आई है।

कल होगा विप्र फांउडेशन का ऐतिहासिक ब्राह्मण सम्मेलन

● हजारों की संख्या में विप्र समाज के लोग लेंगे भाग

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

विप्र फाउंडेशन की ओर से 11 अगस्त को जिले के सेक्टर 16 स्थित पंजाबी भवन में ब्राहमण सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में हजारों की संख्या में विप्र समाज के लोग भाग लेंगे। विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष संजय वशिष्ठ ने दावा किया कि विप्र फाउंडेशन की ओर से आयोजित किए जाने वाला यह ब्राह्मण सम्मेलन ऐतिहासिक होगा।

शुक्रवार को सेक्टर 2 स्थित तिरंगा भवन कार्यालय में विप्र फाउंडेशन की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष संजय वशिष्ठ ने बताया कि विप्र फाउंडेशन की ओर से रविवार 11 अगस्त को ब्राह्मण सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समस्त विप्र समाज आपसी एकता का परिचय देते हुए ब्राह्मण भाईयों एवं रिश्तेदारों को सम्मेलन में बड़ चढ़कर भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

हर महिला की मदद करेगा आयोग: रेनू

● राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने गिनाईं 2.5 साल की उपलब्धियां

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि राज्य महिला आयोग ने पिछले 2.5 वर्षों के अपने कार्यकाल के दौरान पूर्व वर्ष के क्रियाकलापों को आगे बढ़ाया और महिलाओं को सशक्त करने के लिए महिलाओं से जुडें मुद्दों को प्रखर रूप से उठाने का कार्य किया। इस कार्यकाल में आयोग के समक्ष लगभग 9,150 केस आए जिनमें से आयोग द्वारा 98 फीसदी केसों का निवारण कर दिया गया है।

रेनू भाटिया ने यह बात शुक्रवार को अरावली गोल्फ क्लब में राज्य महिला आयोग के 2.5 साल पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित काम की बात, पत्रकारों के साथ कार्यक्रम में कही। उन्होंने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री असीम गोयल का अपनी नियुक्ति को लेकर धन्यवाद किया।

पटौदी के प्रभारी बने मनोज व सुंदर लाल संयोजक

● दोनों नेताओं ने इस जिम्मेदारी के लिए शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सत्यप्रकाश जरावता को बुके देकर आभार जताते मनोज शर्मा व सुंदर लाल यादव।

भाजपा के जिला महामंत्री रह चुके मनोज शर्मा व भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक एवं सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष सरपंच सुंदर लाल यादव संगठन ने अहम जिम्मेदारी दी है।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मनोज शर्मा को पटौदी विधानसभा प्रभारी व सरपंच सुंदर लाल यादव को संयोजक नियुक्त किया है। तुरंत प्रभाव से उनकी नियुक्तियां की हैं। पूर्व में संगठन के लिए किए गए कार्यों, उनकी कार्यशैली और संगठन के प्रति गहरी निष्ठा को देखते हुए उन्हें यह नियुक्ति दी है। संगठन ने मनोज शर्मा व सरपंच सुंदर लाल यादव को उड़ीसी व त्रिपुरा के चुनाव में भी जिम्मेदारी दी गई थी, जिसका इन्होंने बेहतरी से निर्वहन किया। सवा दो महीने तक दोनों राज्यों में इन नेताओं ने जमीनी स्तर पर काम किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन

● स्वास्थ्य मंत्री बनवारी लाल फहराएंगे तिरंगा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों की रिहर्सल करते स्कूली बच्चे।

स्थानीय ताऊ देवीलाल स्टेडियम में एडीसी हितेश कुमार मीणा की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन किया गया। यहां एनसीसी कैडेट्स ने परेड के लिए रिहर्सल की।

जिला में 15 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल 15 अगस्त को ताऊ देवीलाल स्टेडियम में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। शुक्रवार को विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने सभी कार्यक्रमों को देखने के बाद 6 टीमों का चयन किया है। उन्होंने कहा कि ये कार्यक्रम राष्ट्रीय पर्व की गरिमा को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इनमें राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय अर्जुननगर की टीम वसुधैव कुटुंकबम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देगी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैकबपुरा की टीम गुरू गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों की वीरता एवं उनके बलिदान, राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय सुशांत लोक के विद्यार्थी सावन मास के दौरान मनाए जाने वाले तीज-त्यौहार, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की टीम एक भारत श्रेष्ठ भारत पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगी।

तीज व स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

तीज एवं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुग्राम महिला मोर्चा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराए गए। इस अवसर पर हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्या तथा पूर्व गुरुग्राम की सांसद सुधा यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, जिला अध्यक्ष कमल यादव एवं सोनिया यादव, प्रदेश सचिव एवं पूर्व जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ भी कार्यक्रम में पहुंचीं। मंच का संचालन सुचिता शर्मा जिला महामंत्री ने किया।

भाकर और सरबजोत बनेंगे खेल विभाग में उप निदेशक

मुख्यमंत्री नायब सैनी से परिवार संग मिलने पहुंचे ओलंपिक विजेता, रोहतक में 17 को होगा राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

ओलंपिक खेलों में भारत के लिए तीन कांस्य पदक जीतकर लौटे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने शुक्रवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों को जीत की बधाई देते हुए उन्हें हरियाणा का गौरव बताया। खेल राज्य मंत्री संजय सिंह ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में दोनों निशानेबाज खिलाड़ियों को खेल विभाग में उप निदेशक की नौकरी की पेशकश की, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। प्रदेश सरकार 17 अगस्त को रोहतक में होने वाले समारोह में हरियाणा के सभी पदक विजेताओं को सम्मानित करेगी।

मनु भाकर ने पेरिस ओलिंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीते हैं, जबकि सरबजोत सिंह ने एक कांस्य पदक झटका है। मनु और सरबजोत दोनों अपने परिवार के साथ शुक्रवार सुबह चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री के निवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मनु भाकर के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया और जीत की शुभकामनाएं दी। उन्होंने सरबजोत का भी हौसला बढ़ाया तथा भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा के सिल्वर मेडल जीतने की चर्चा करते हुए उन्हें भी बधाई दी है। भारतीय हॉकी टीम में तीन खिलाड़ी हरियाणा के हैं, जिन्होंने कांस्य पदक जीता है। उनके खेल को भी सीएम ने दिल से सराहा है। मनु भाकर और उनके परिवार ने बाद में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि आबादी के लिहाज से हरियाणा में सिर्फ दो प्रतिशत जनता रहती है, लेकिन पांच भारतीय मेडल में चार हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं।

शुक्रवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात के दौरान कांस्य पदक विजेता मनु भाकर व सरबजोत सिंह।

ओलंपिक में गोल्ड लेने का लक्ष्य: मनु भाकर

मनु भाकर ने राज्य की खेल पॉलिसी की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा का खान-पान और कल्चर खेलों को प्रोत्साहित करने वाला है। यहां के माता-पिता आरंभ से ही बच्चों को खेल के मैदान में उतरने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। फिर ऊपर के स्तर पर सरकार का प्रोत्साहन मिलता है। मनु ने कहा कि इस बार भी मेरा लक्ष्य गोल्ड मेडल ही था, लेकिन बेहद नजदीकी मुकाबले में मैं इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकी। अगले ओलंपिक में गोल्ड प्राप्त करना मेरा लक्ष्य है। मनु ने अपने विवाह से जुड़े सवाल पर कहा कि अभी उनकी उम्र 22 साल है। फिलहाल वह पढ़ाई कर रही हैं। खेलों पर ध्यान है। लक्ष्य प्राप्त करने के बाद ही इस संबंध में कोई फैसला लिया जाएगा।

हरियाणा की खेल नीति देश में सर्वश्रेष्ठ: सरबजोत

सरबजोत सिंह ने भी हरियाणा सरकार की खेल नीति की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की खेल नीति देश में सर्वश्रेष्ठ है और राज्य सरकार से मिलने वाला सहयोग निश्चित रूप से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाता है। सरबजोत सिंह ने कहा कि भारतीय एथलीटों द्वारा जीते गए अधिकांश पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, परिवहन विभाग के प्रधान सचिव नवदीप सिंह विर्क, मुख्यमंत्री की अतिरिक्त प्रधान सचिव श्रीमती आशिमा बराड़, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक मंदीप सिंह बराड़ और विशेष अधिकारी, कम्युनिटी पुलिसिंग एवं आउटरीच, पंकज नैन व अन्य लोग मौजूद थे।

रजत पदक जीतने पर नीरज चोपड़ा को मान ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब के उनके समकक्ष भगवंत मान ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने पर शुक्रवार को नीरज चोपड़ा को बधाई दी और कहा कि वह देश की उम्मीदों पर खरे उतरे हैं। नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक की भालाफेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बन गए लेकिन पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक में नए रिकॉर्ड के साथ बाजी मार ली।

सैनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा, भाला फेंक सुपरस्टार और हरियाणा का होनहार खिलाड़ी - गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा। पूरे देश को आपसे आशा और उम्मीद थी उस पर आप खरे उतरे। आपने पेरिस में देश के लिए रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा, लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतकर आपने जो कीर्तिमान स्थापित किया है उसकी बराबरी करना बेहद मुश्किल होगा। सभी देशवासी और विशेषकर हरियाणावासी आपकी इस शानदार उपलब्धि पर गौरवान्वित हैं।

भगवंत मान ने भी चोपड़ा को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, पिछली बार ओलंपिक में स्वर्ण और इस बार रजत पदक जीतने वाले नीरज, भारतीय एथलेटिक्स और देश की शान हैं।

युवाओं के लिए प्रयोगशाला है फिल्म महोत्सव: उमा

- कुरुक्षेत्र नगरपालिका की पूर्व अध्यक्ष बोलीं, फिल्में महिलाओं को बना रहीं आत्मनिर्भर

सौरभ चौधरी। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र नगरपालिका की पूर्व अध्यक्ष उमा सुधा ने कहा कि 7वां हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव युवाओं के लिए एक प्रयोगशाला है। यहां पर आकर नवांगुतक अभिनेता फिल्म जगत के प्रसिद्ध अभिनेताओं, अभिनेत्रियों और फिल्म निर्माण से जुड़ी हस्तियों से रूबरू होकर फिल्म जगत की बारीकियों से अवगत होंगे। महिलाओं को समर्पित फिल्में बनने से आज की महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगी और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

वे गुरुवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग तथा संस्कृति सोसाइटी फॉर आर्ट्स एंड कल्चरल डेवलपमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 7वें हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के तीसरे दिन ऑडिटोरियम हॉल में बोल रही थीं।

उमा सुधा ने कहा कि इस महोत्सव में सामाजिक सरोकारों व महिलाओं को लेकर फिल्में दिखाई जा रही हैं ताकि महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ उनके प्रति समाज में सम्मान की भावना स्थापित हो यह प्रयास किया जा रहा है। यहां पर आकर उन्हें जब मालूम हुआ कि आज का दिन महिला सशक्तिकरण को समर्पित है।

कार्यक्रम में मेघा डांस स्टूडियो के बाल कलाकारों ने हरियाणवी गीतों पर प्रस्तुति देकर आडिटोरियम में उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरी। नन्हीं कलाकारों का जोश देकर महोत्सव में मौजूद अभिनेत्री शिखा मल्होत्रा स्वयं को रोक न सकी और वे मंच पर नन्हीं कलाकारों के बीच पहुंच गई और प्रसिद्ध हरियाणवी गीत मनै छाती से ला के रखियो पर भव्य प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में मुख्यातिथि उमा सुधा ने बाल कलाकारों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के निदेशक धर्मेन्द्र डांगी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. शुचिस्मिता, सचिव विकास, डॉ. ज्ञान चहल ने मुख्यातिथि उमा सुधा व उनके साथ आई लक्ष्मी अरोड़ा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। फिल्म महोत्सव के तीसरे दिन कई फिल्मों की प्रस्तुति हुई।

भाजपा ने दी मनीष तिवारी के चुनाव को हाईकोर्ट में चुनौती

- कांग्रेस सांसद पर लगाया भ्रष्ट आचरण अपनाने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

चंडीगढ़ लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रहे संजय टंडन ने कांग्रेस उम्मीदवार मनीष तिवारी की जीत को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की विभिन्न धाराओं के तहत हाई कोर्ट में दायर अपनी याचिका में टंडन ने तिवारी पर लोकसभा चुनाव के दौरान भ्रष्ट आचरण में शामिल होने का आरोप लगाया है और उनकी जीत को रद्द करने की अपील की है। चंडीगढ़ सीट पर मुख्य मुकाबला संजय टंडन और मनीष तिवारी के बीच ही था जिसमें तिवारी 2,504 वोटों के मामूली अंतर से जीते थे।

अपनी याचिका में संजय टंडन ने कहा है कि मनीष तिवारी को पहले भी भ्रष्ट आचरण के लिए रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा फटकार लगाई गई थी। इसके बावजूद तिवारी और उनके समर्थक चुनावी प्रक्रिया को कमजोर करने वाली गतिविधियों में शामिल रहे।

याचिका में तिवारी के चुनाव को रद्द करने और संजय टंडन को चंडीगढ़ सीट का विधिवत निर्वाचित सांसद घोषित करने की मांग की गई है। इसमें तिवारी सहित कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने मतदाताओं को पैसे का लालच दिया और नौकरी की गारंटी देने जैसे भ्रामक वादे किए। याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया है कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 100 और धारा 101 के तहत इस तरह का भ्रष्ट आचरण उनके चुनाव को रद्द करने का आधार है।

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी अब बोलेंगे 'जयहिंद'

- शिक्षा निदेशालय ने जारी की अधिसूचना
- स्वतंत्रता दिवस पर बंद हो जाएगी गुड मार्निंग बोलने की परंपरा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

राजकीय स्कूलों में सुबह की प्रार्थना या फिर कक्षा में गुरुजी के आगमन पर विद्यार्थी अब 'गुड मार्निंग' की जगह 'जय हिंद' के साथ अभिवादन करेंगे। प्रदेशभर के स्कूलों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जय हिंद अभिवादन के तौर पर लागू किया जाएगा।

विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से शुक्रवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए सभी जिला शिक्षा अधिकारी, मौलिक शिक्षा अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि विद्यार्थियों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने के लिए गुड मॉर्निंग की जगह जय हिंद को अभिवादन के रूप में लागू करने का फैसला लिया गया है। इसका मकसद विद्यार्थियों को प्रतिदिन राष्ट्रीय एकता की भावना और देश के समृद्ध इतिहास के प्रति सम्मान के लिए प्रेरित करना है। निदेशालय की ओर से उल्लेख किया गया है कि जय हिंद का नारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया था।

उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन के दौरान आजाद हिंद फौज गठन किया था, जिसमें उन्होंने जय हिंद के नारे को लोकप्रिय बनाया था। स्वतंत्रता के बाद जयहिंद को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा अभिवादन के तौर पर अपनाया गया जो राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

निदेशालय की ओर से जिला शिक्षा अधिकारियों को लिखे पत्र में जयहिंद को अभिवादन के तौर पर लागू का महत्व भी बताया है। जय हिंद अभिवादन विद्यार्थियों में राष्ट्रीय गौरव और एकता की मजबूत भावना पैदा करेगा, जो देशभक्ति का प्रतीक है। इसके साथ ही राष्ट्र और उसके मूल्यों के प्रति सम्मान बढ़ेगा।

सीएम ने नायब सिंह पटाक के पिता के निधन पर जताया शोक

पायनियर समाचार सेवा। बाबैन

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने नायब सिंह पटाक माजरा के पिता स्वर्गीय बाबू राम के निधन पर शोक व्यक्त किया है और परिवार के सदस्यों के साथ दुख साझा किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह वीरवार को देर रात्रि नायब सिंह सैनी के गांव पटाक माजरा स्थित निवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने नायब सिंह पटाक माजरा, उनकी माता भागवती, भाई रोशन लाल, सुपुत्र रविंद्र कुमार, नाथी राम, वासुदेव, सुभाष, नरेश कुमार, मास्टर राजकुमार और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दुख साझा किया और परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने स्वर्गीय बाबू राम के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे गहरा दुख हुआ है। परिवार के किसी सदस्य का निधन उस परिवार के जीवन में ऐसी शून्यता लाता है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। इस परिवार पर जो दुख की घड़ी इस समय आई है परमात्मा इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। परम पिता परमात्मा इस दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे और परिवार के लोगों को दुःख सहन करने की शक्ति दे।

रक्षा बंधन पर महिलाओं को मिलेगी मुफ्त सफर की सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को हरियाणा रोडवेज की बसों में मुफ्त सफर की सुविधा मिलेगी। परिवहन विभाग की ओर से इसका प्रारूप तैयार कर लिया गया है। रक्षाबंधन पर्व पर हरियाणा सरकार की ओर से महिलाओं के साथ 15 साल के दो बच्चों को भी साथ ले जाने की सुविधा मिलती है।

बसों में मुफ्त सफर की सुविधा 36 घंटे के लिए लागू रहेगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी की ओर से रक्षाबंधन पर महिलाओं को मुफ्त बस सफर की सौगात देने की मंजूरी दे दी है। 18 अगस्त दोपहर 12 बजे से लेकर 19 अगस्त रात्रि 12 बजे तक मुफ्त बस सफर सुविधा लागू रहेगी। बता दें कि कांग्रेस शासनकाल में भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने रक्षाबंधन पर महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की शुरुआत की थी। 2014 में जब मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी तो यह सुविधा निरंतर जारी रही। रक्षाबंधन पर पिछले 10 सालों से भाजपा शासनकाल में मुफ्त बस यात्रा सुविधा दी जा रही है।

विनेश फोगाट को न्याय दिलाने के लिए खाप एकजुट

भिवानी। पेरिस ओलंपिक 2024 में महिला कुश्ती के 50 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में डिस्क्वालीफाई होने वाली पहलवान विनेश फोगाट को न्याय दिलाने की मांग के साथ यहां शहीद स्मारक में शुक्रवार को नौगामा खाप की पंचायत हुई। पंचायत में विनेश फोगाट को डिस्क्वालीफाई किए जाने को साजिश बताया गया।

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किल श्री उत्तम परिहार पुत्र स्वर्गीय श्री दुर्योधन उर्फ दुर्योधन सिंह, 150 वर्ग गज में निर्मित भूमि का हिस्सा, खसरा नंबर 14/22 में से, प्लॉट सं. 2 का मालिक है जो ग्राम करावल नगर, मुखिया मार्केट, करावल नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली–110094 की आबादी में स्थित है पंजीकृत त्याग विलेख दिनांक 13.06.2024 के माध्यम से है, जो (1) श्रीमती उमा देवी (2) श्रीमती दीपा वती (3) श्रीमती रितु परिहार (4) श्री दीपक परिहार और (5) श्री गौरव परिहार द्वारा श्री उत्तम परिहार पुत्र स्वर्गीय श्री दुर्योधन उर्फ दुर्योधन सिंह के पक्ष में निष्पादित है। पंजीकरण संख्या 2024/12/I/1988 SR-IV, दिल्ली में है। उपरोक्त संपत्ति को फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/अधिकार, ग्रहणाधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे अधोहस्ताक्षरी/ अधिवक्ता विशाल मेहन, ई–713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली–110092 को इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत पते के तहत दस्तावेजी साक्ष्य के साथ सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा। विशाल मेहन, अधिवक्ता
ई–713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली–110092,
मोबाइल नंबर 9811215181

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mrs. Chander Kali had acquired First Floor without roof rights measuring 58 sq. yrds., Built on property No.1/5913, plot no. 10 out of Khasra no. 4524/3426/11/2-11, 13, Khewat no. 1032, Khatoni no. 1184, village Chandrawali @ Shahdara, Block A, Qabool Nagar, Shahdara, Delhi vide Sale deed dt. 02.02.1971 after that Mrs. Chander Kali died intestate leaving behind Mr. Jai Pal Singh and his son Mr. Akhil Kumar as her only legal heirs.
OR
Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.
Ajay Kumar Giri (Advocate) "H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi 110024

Public Notice

This is to inform the general public that **Mrs. Jasveer Kaur** is the GPA holder of Property Bearing No. 9 & 10, area measuring 48.89 Sq. Yds., i.e., 40.87 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 939/1, Situated at Adarsh Nagar Colony Village Makanpur, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, UP. She is in Possession of Said property through GPA, ATS & Will dated 25.11.2009 executed by Mrs. Kalpana Gupta in favour of Mrs. Jasveer Kaur in respect of the said property.
Mrs. Jasveer Kaur intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned Property to **Sri Nivash and Mrs. Geeta Devi.** Subsequently, **Sri Nivash and Mrs. Geeta Devi** are in the process of mortgaging the said is in the process of mortgaging **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 7 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 7-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 7-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that I, Smt. **Sudha Batra W/o.** Late Sh. Kamlesh Kumar Batra R/o. Flat No 8, S.F.S. Mall Road, Timarpur, Civil Lines, Delhi-110054, Purchaser/attorney holder of Flat No. 8, Second & Third Floor Duplex, Cat- SFS-III, Mall Road, New Delhi- 110054 originally allotted by DDA vide File No. F.19(197)/82/SFS/MR/III, have applied for certify copy of some document in DDA. The **Original Possession Letter, Possession Slip, NOC for Electricity and Water connection issued by DDA,** have been lost or misplaced and are not traceable inspite of the best efforts. A Loss report to this effect has been lodged in Crime Branch vide LR No. **2008507/2024** dated **07/08/2024.**
Any Person (s) claiming any right, interest, having any objection, may write/contact to above named person at the above address/phone No. 9820527589. The person claming any right, interest, objections with respect to this property may also personally inform or write to Director or Dy. Director LAB (H) DDA, Vikas Sadan, New Delhi within 15 days from the date of publication of this notice.

कार्यालय नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला-रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./2367/न.पा.नि./ लो.नि.शाखा/2024 बीरगांव, दिनांक 08/08/2024

// ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना //

e-Procurement Tender Notice (2nd Call)
(System Tender 157393, Bid Due date. 28.08.2024 Time 17:30)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा अधोसंरचना मद अन्तर्गत वार्ड क्रं. 12 में खेल मैदान निर्माण कार्य के लिए **System Tender No 157393** अनुसार लोक निर्माण विभाग में **[Unified Schedule of Rates (CGPWD Building 01-01-2015 & Electrical 07.02.2020 with all amendments up to date]** से प्रचलित एस.ओ.आर. में प्रतिशत दर पर **(Bid Due date. 28.08.2024 Time 17:30)** तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, **Key Date** एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी संचालनालय की वेबसाईट **www.uad.cg.gov.in** में उपलब्ध है। इसे **https://eproc.cgstate.gov.in** से डाउनलोड/प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

सार्वजनिक नोटिस

मैं, श्रीमती असरी पत्नी हारून निवासी पचानका, पचानका(244), डाकघर हथीन, जिला पलवल, हरियाणा–121103 द्वारा सूचित किया जाता है कि खेवट नंबर 230 मुस्तकाइल नंबर 20 किला नं. 8/2 (1–5) पचंका तहसील हथीन और जिला पलवल, हरियाणा में स्थित के भाग 375 वर्ग गज की संपत्ति दस्तावेज संख्या 3748, दिनांक– 01/02/2018 को उप–रजिस्ट्रार –हथीन में विधिवत पंजीकृत के संबंध में श्रीमती नासरी और श्रीमती मिस्किना द्वारा श्रीमती असरी के पक्ष में निष्पादित मेरा मूल विक्रय पत्र खो गया है। ।

यूको बैंक UCO BANK
यूको बैंक, जीएडी, आंचलिक कार्यालय, 5, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001. दूरभाष: 011–49498247

परिसर की आवश्यकता

बैंक भूतल पर 1000–1200 वर्ग फीट कारपेट एरिया वाले परिसर को किराए पर लेना चाहता है। नई शाखा खोलने हेतु नोएडा सेक्टर 7X, अधिमानतः नोएडा सेक्टर 75–78, उत्तर प्रदेश में परिसर की आवश्यकता है। विवरण यूको बैंक नई दिल्ली के आंचलिक कार्यालय, 5 संसद मार्ग, नई दिल्ली से प्राप्त किया जा सकता है या हमारे बैंक की वेबसाइट www.ucobank.com से डाउनलोड किया जा सकता है। निर्धारित प्रारूप पर सीलबंद लिफाफे में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 26.08.2024 है।
हस्ता/– उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख आंचलिक कार्यालय, नई दिल्ली

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर–23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह–कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	पुनीत चौधरी/अक्षित चौधरी/ LBMRT00006414529/ TBMRT00006405509	मकान नंबर सी– 134, ब्लॉक–सी, खसरा नंबर 457, ड्रीम सिटी कॉलोनी, गली नंबर 3/2, राजस्व गाँव जेवरी, परगना दौराला, तहसील सरधना, जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश– 250001/ 07 अगस्त, 2024	जनवरी 19, 2024 रु. 48,48,527/-	मेरठ/ दिल्ली/ एनसीआर
2.	अमित तोमर/मुन्नी तोमर/ LBMRT00005833112/ LBMRT00005866052	आवासीय एल.आई.जी., एच नंबर I–237, ब्लॉक I, स्कीम नंबर 3, शास्त्री नगर मे स्थित, मेरठ, उत्तर प्रदेश– 250001/ अगस्त 07, 2024	दिसंबर 08, 2023 रु. 29,49,021/-	मेरठ/ दिल्ली/ एनसीआर
3.	गौरव कुमार/ नरेश कुमार/ सनी कुमार/ LBMRT00003792214	प्लॉट नंबर K–6 का हिस्सा, गंगानगर, मेरठ– 250001/ अगस्त 07, 2024	अप्रैल 25, 2024 रु. 30,41,360/-	मेरठ/ दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।
दिनांक : अगस्त 09, 2024 भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

सनेह इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स लि.
रजि. कार्यालयः डेल्टन हाउस 4801 भरत राम रोड 24 दरियागंज नई दिल्ली-110002 (भारत)
फोन नं. 91-11-23273907, सीआईएनः L74899DL1980PL060079
30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों का विवरण (लाख रुपये में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन			समेकित		
		तिमाही समाप्ति 30.06.2024 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्ति 30.06.2023 अलेखापरीक्षित	वर्ष समाप्ति 31.03.2024 लेखापरीक्षित	तिमाही समाप्ति 30.06.2024 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्ति 30.06.2023 अलेखापरीक्षित	वर्ष समाप्ति 31.03.2024 लेखापरीक्षित
1	संचालन से कुल आय (निवल)	0.01	-	1.08	0.01	-	26.53
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर पूर्व, आपवादिक और/या आसाधारण मद)	(1.25)	(1.31)	(4.75)	2.16	(1.41)	18.94
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर पूर्व आपवादिक और/या आसाधारण मद पश्चात्)	(1.25)	(1.31)	(4.75)	2.16	(1.41)	18.94
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर पश्चात् आपवादिक और/या आसाधारण मद)	(1.25)	(1.31)	(4.76)	1.19	(1.41)	18.94
5	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ (आपवादिक और/या आसाधारण मद पश्चात् और अल्पसंख्यक हित)	(1.25)	(1.31)	(4.76)	1.19	41.99	13.11
6	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल	214.22	23.05	627.79	785.17	134.91	2,418.85
7	इक्विटी शेयर पूंजी (प्रत्येक का रु. 10/- मूल्य)	24.00	24.00	24.00	24.00	24.00	24.00
8	प्रति शेयर आय (ईपीएस) (वार्षिकीकृत)						
	मूलभूत	(0.52)	(0.54)	(1.98)	0.50	17.50	5.46
	तरलीकृत	(0.52)	(0.54)	(1.98)	0.50	17.50	5.46

टिप्पणियाँ:
1) उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर अलेखापरीक्षित त्रैमासिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। त्रैमासिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.cse-india.com पर उपलब्ध है।
2) उपरोक्त परिणाम कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट कंपनी (भारतीय लेखा मानक) (Ind AS) नियम, 2015 के तहत अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों के सिद्धांत और प्रक्रियाओं के अनुसार तैयार किए गए हैं।
3) उपरोक्त अलेखापरीक्षित स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों की कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा 09 अगस्त, 2024 को आयोजित बैठक में समीक्षा और अनुमोदन किया गया।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते सनेह इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
हस्ता/-
विवेक गुप्ता
(निदेशक)
डीआईएन 00035916
स्थानः दिल्ली
दिनांकः 09.08.2024

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आदेश 5 कायदा 1 व 5)
समक्ष– न्यायालय पीठासीन अधिकारी कमर्शियल कोर्ट सं0–2, भूतल, जिला पंचायत भवन, कासना गौतमबुद्धनगर

मूल वाद सं0–110/2021
इण्डियन ओवसीज़ बैंक, बैंककारी कम्पनी (उपक्रमो का अर्जन और अंतरण अधिनियम, 1970) के अधीन गठित एक निगमित निकाय है, जिसका प्रधान कार्यालय 763, अन्ना सलाई, चेन्नई मे है और अनेक शाखाओं मे से एक शाखा– शॉप्रिक्स मॉल, कौशाम्बी, जिला गाजियाबाद है द्वारा शाखा प्रबन्धक
...........वादी
बनाम
1– मै0 तनिश मैटल इन्डस्ट्रीज प्रोपराईटरशिप फर्म द्वारा प्रोपराईटर श्री सुशील शर्मा पुत्र श्री राजेश शर्मा प्लाट सं0–20–ए, आानन्द इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, मोहन नगर, गाजियाबाद–201007
2– श्री सुशील शर्मा पुत्र श्री राजेश शर्मा प्रोपराईटर, मै0 तनिश मैटल इन्डस्ट्रीज प्लाट सं0–20–ए, आनन्द इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, मोहन नगर, गाजियाबाद–201007
द्वितीय पता – मं0नं0–405, आवास विकास बुलन्दशहर – 202394
.........प्रतिवादीगण
यह कि वादी उपरोक्त ने उक्त वाद आप प्रतिवादीगण के विरूद्ध वाद वास्ते धनवसूली अंकन 11,61,634.05/– रू0 हेतु संस्थित किया है / आवेदन दाखिल किया है। अतः आपको इस न्यायालय मे तारीख 12.08.2024 को दिन मे 10 बजे प्रातः उत्तर देने के लिये व्यक्तिगत रूप से या अधिवक्ता द्वारा उत्तर देने के लिये उपसंजात होने के लिये सम्मन किया जाता है जिसमे असफल रहने पर वाद / आवेदन का एकपक्षीय निस्तारण किया जायेगा।
आज यह तारीख 08.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आदेशानुसार – मुन्सरिम
कमर्शियल कार्ट सं0–2 भूतल
जिला पंचायत भवन कासना गौतमबुद्ध नगर

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

मैं, Meenakshi, पत्नी Sh. Akhil Thakur, निवासी 58/TF 4th Floor, सेक्टर-5 भाग- III, गुरुग्राम, हरियाणा-122001 मैं भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए मेरा नाम Meenakshi से बदलकर Meenakshi Sachdeva रख लिया है और इन दोनों एक ही व्यक्ति हैं।
PD(662)C

LOST & FOUND

I, Sangeeta Goyal S/o Late Shri Suresh Goyal has to inform that I have misplaced the Original Conveyance Deed of 402, Aashirwad Enclave, Plot No.104, I.P. Extension, Patparganj, Delhi-110092 and is not traceable by my best efforts.
PD(662)A

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that I Seema Chawla W/o Vijay Chawla R/o G-145, Naraina Vihar, New Delhi-110028 have applied for Freehold Conversion of my Flat No. 41 Pocket GH 5 & 7, Paschim Vihar, New Delhi-110087. Original Demand Letter of the above flat have been lost. An FIR vide LR No.2008376/2024, Dated 07/08/2024 has been lodged.
Any person(s) claiming right, interest, having any objection or found in possession of original documents. may contact with above named person at Phone No. 9999885995 within 15 days from the date of publication of this notice. Person claiming any right, interest, objections with respect to this property can inform or write to Dy. Director LAB(H). D Block, 3rd Floor. Vikas Sadan, INA, New Delhi-110023

मोहम्मद यूनुस

व्यापक चुनौती

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल ली है। उनके सामने देश में कानून-व्यवस्था ठीक कर शांति बहाली की व्यापक चुनौती है। तुलनात्मक रूप से युवा राष्ट्र बांग्लादेश एक बार फिर अस्थिरता का सामना कर रहा है। अशांति के नए अध्याय की शुरुआत शेख हसीना का तख्तापलट और बाद में नोबेल पुरस्कार विजेता के सत्ता संभालने से हुई है। मोहम्मद यूनुस के सत्ता संभालने के समय देश भय और अनिश्चितता का शिकार है जिसके चलते सैकड़ों नागरिक भारत में शरण चाहते हैं। हालिया महीनों में राजनीतिक हिंसा, विरोध प्रदर्शनों और विरोधियों पर लगाम लगाने के कारण बांग्लादेश में एक अस्थिर परिवेश पैदा हुआ जिससे शेख हसीना का तख्तापलट हुआ तथा ढाका की सड़कों पर अस्थिरता व्याप्त है। 'माइक्रोफाइनेंस' पर अपने काम तथा 'ग्रामीण बैंक' के संस्थापक के रूप में विश्व स्तर पर सम्मानित मोहम्मद यूनुस द्वारा सत्ता पर कब्जे की घोषणा एक नाटकीय परिवर्तन के रूप में सामने आई है। मोहम्मद यूनुस लंबे समय से हसीना सरकार की नीतियों के आलोचक रहे हैं और हालिया वर्षों में उनको अनेक राजनीतिक और विधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

देश में राजनीतिक उथलपुथल से जनता व खासकर अल्पसंख्यकों में भय का वातावरण पैदा हो गया है। खबरों से संकेत मिलता है कि अपनी सुरक्षा के लिए चिन्तित सैकड़ों बांग्लादेशी सीमा पर कर भारत आने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश का राजनीतिक परिदृश्य अनिश्चितता से भरा है। मोहम्मद यूनुस राजनीतिक

सुधार व पारदर्शिता के पैरोकार रहे हैं। उनका नेतृत्व भ्रष्टाचार-विरोधी उपायों तथा लोकतांत्रिक व्यवहारों पर ध्यान दे कर सुशासन का नया युग ला सकता है। लेकिन इन परिवर्तनों को अत्यधिक विभाजित राजनीतिक व्यवस्था में लागू करना बहुत बड़ी चुनौती होगा। इसके साथ ही बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था कुप्रबंधन व भ्रष्टाचार के कारण बहुत दबाव में है। आर्थिक विकास और माइक्रोफाइनेंस में मोहम्मद यूनुस की विशेषज्ञता अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने, उद्यमिता को प्रोत्साहन देने तथा रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जहां कुछ लोग उनको 'उद्धारक' के रूप में देख सकते हैं, वहीं दूसरे उनको बिना राजनीतिक अनुभव वाला 'बाहरी' समझ सकते हैं। ऐसे में विश्वास तथा व्यापक समर्थन प्राप्त करना उनके प्रशासन की सफलता के लिए जरूरी होगा। लेकिन उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती शांति तथा कानून-व्यवस्था की बहाली होगा। परिवर्तन के इस समय में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना सबसे ज्यादा जरूरी है। मोहम्मद यूनुस को सेना तथा कानून लागू करने वाली एजेंसियों की सहायता लेनी होगी ताकि स्थायित्व ला कर हिंसा पर लगाम लगाई जाए। मोहम्मद यूनुस के शिखर पर पहुंचने के साथ बांग्लादेश एक नए राजनीतिक युग में प्रवेश कर रहा है, लेकिन उसका भावी रास्ता अनिश्चित है। उनकी तत्कालीन प्राथमिकता जनता का भय दूर करना तथा खासकर अल्पसंख्यकों में सुरक्षा की भावना बहाल करना होगा। लेकिन इन सारी चीजों के साथ चुनावों की घोषणा तक सेना का वर्चस्व बना रहेगा और अंतरिम सरकार के भविष्य के बारे में भी कुछ नहीं कहा जा सकता है। आने वाले दिन यह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे कि क्या मोहम्मद यूनुस का नेतृत्व देश को स्थिरता और समृद्धि की ओर ले जा सकता है अथवा क्या बांग्लादेश और अधिक अराजकता व अस्थिरता का शिकार बन जाएगा।

बांग्लादेश में राजनीतिक उथलपुथल

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के समक्ष कानून-व्यवस्था बहाल करने, स्वतंत्र एवं स्वच्छ चुनाव कराने, भ्रष्टाचार से संघर्ष करने तथा जनता का विश्वास प्राप्त करने की चुनौती है।

के. एस. तोमर
(लेखक, राजनीति विश्लेषक हैं)

AFP

ब्रिटिश मनोविज्ञानी सियेला एलिजाबेथ ग्रीन के अनुसार, 'तानाशाही में एक व्यक्ति का आदेश लागू होता है, विशिष्ट तंत्र में कुछ लोगों के आदेश लागू होते हैं, जबकि लोकतंत्र में किसी के आदेश नहीं लागू होते हैं।' यह बात बांग्लादेश की सत्ताच्युत प्रधानमंत्री शेख हसीना के मामले में पूरी तरह लागू होती है जिन्होंने अपने पतन के स्पष्ट संकेत पहचानने से इनकार कर दिया था। षडयंत्र की बात की जा रही है जिससे पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी।

इस षडयंत्र में अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए, पाकिस्तानी आईएसआई तथा चीन शामिल थे जो पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व में सरकार बनाना चाहते थे क्योंकि इससे उनको भविष्य में सत्ता तक पहुंचने का अवसर मिलता। एक और दृष्टिकोण के अनुसार चीन और पाकिस्तान ढाका में भारत-विरोधी सरकार बनाना चाहते थे ताकि दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय संतुलन बदला जा सके। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के प्रयासों के बारे में अनेक अनुमान और आरोप लगाए जा रहे हैं। कुछ लोगों का तर्क है कि अमेरिका मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक व्यवहारों तथा क्षेत्रीय सुरक्षा स्थितियों के प्रति चिन्ता के कारण ढाका में ज्यादा समर्थक सरकार चाहता था। आलोचकों का कहना है कि दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए 'अमेरिकन हित' ऐसे षडयंत्र में शामिल हो सकते हैं।

लेकिन शेख हसीना के खिलाफ षडयंत्र में अमेरिकन संलिप्तता के कोई ठोस प्रमाण नहीं हैं। आधिकारिक रूप से अमेरिका सरकार ने बांग्लादेश में लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रोत्साहन देते हुए स्वतंत्र चुनावों की बात कही है। सार्वजनिक रूप से अमेरिकन अधिकारियों ने हसीना सरकार के नेतृत्व में राजनीतिक दमन तथा चुनाव प्रक्रियाओं की स्वच्छता की बात कही है, पर उन्होंने किसी सरकार परिवर्तन का कभी समर्थन नहीं किया है। शेख हसीना के प्रशासन ने इन आरोपों का लाभ राष्ट्रवादी भावनायें उभारने तथा अपनी सत्ता मजबूत करने के लिए उठाया और स्वयं को विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ मजबूत शक्ति के रूप में प्रदर्शित किया। इस विमर्श को अनेक बांग्लादेशियों ने स्वीकार कर राष्ट्रीय संप्रभुता के खिलाफ बाहरी खतरों की भावना को बढ़ावा दिया। जहां शेख हसीना की सरकार गिराने के षडयंत्रों में अमेरिका की प्रत्यक्ष सहभागिता के दावे अनुमानों पर आधारित रहे और इनकी कोई पुष्टि नहीं हुई। लेकिन घरेलू नीतियों तथा बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय संबंधों से एक जटिल स्थिति जरूर पैदा हुई।

हसीना के नाटकीय पतन ने शायद उनको छोड़ कर बहुत से लोगों को आश्चर्यचकित नहीं किया। उन्होंने जनता में बढ़ती निराशा तथा निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा किए जा रहे षडयंत्रों को अनदेखा किया जो दक्षिण एशिया में अपना प्रभुत्व जमाने तथा भारत को नीचा दिखाने का प्रयास कर रहे थे। जनवरी, 2024 के चुनाव में 300 में से 288 सीटों पर विजय, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियों तथा विरोध के दमन से हसीना की विश्वसनीयता को भारी धक्का पहुंचा था। इसका परिणाम व्यापक विद्रोह तथा अंततः उनके खिलाफ तख्तापलट के रूप में सामने आया। शेख हसीना लोकतंत्र-समर्थक नेता थीं जिन्होंने अपने स्वर्गीय पिता शेख मुजीबुर रहमान और उनके परिवार का बांग्लादेश में बलिदान देखा।

लेकिन अब सत्ता गंवाने के बाद उन्होंने देश को कट्टरपंथियों, भारत-विरोधी तथा चीन-समर्थक तत्वों के प्रभुत्व वाली संभावित सरकार के लिए छोड़ दिया है। इस प्रकार संभवतः अब बांग्लादेश भविष्य में दो शक्तियों के बीच परेशानियों से घिरा देश बन जाएगा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अनेक चुनौतियों का सामना करना होगा। अंतरिम सरकार को राजनीतिक स्थायित्व बहाल करने के लिए तटस्थ आधार तैयार कर सभी राजनीतिक समूहों से संवाद कर शांतिपूर्ण व लोकतांत्रिक हस्तांतरण सुनिश्चित करना होगा। आगामी चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से सुनिश्चित करने के साथ ही उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता का विश्वास बहाल करना होगा।

अंतरिम सरकार को न्यायोचित ढंग से भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान चला कर हाईप्रोफाइल राजनेताओं और बिजनेसमैनों पर निशाना लगाना होगा। उसे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विरोध प्रदर्शनों और नागरिकों में अशांति से सावधानी से निपटना होगा। इसके साथ ही उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा बल संयम से काम करें तथा मानवाधिकार उल्लंघनों से बचें। उसे व्यवस्था और मानवाधिकारों के सम्मान के बीच संतुलन बनाए रखते हुए तानाशाही से बचना होगा। जनता का विश्वास प्राप्त करने के लिए पारदर्शिता, प्रभावी संवाद तथा समावेशी नीतियां जरूरी होंगी। अंतरराष्ट्रीय संगठनों, दानदाता देशों तथा क्षेत्रीय शक्तियों से लगातार समर्थन तथा निवेश प्राप्त करना भी सरकार के लिए जरूरी होगा। पिछले 13 महीनों से बांग्लादेश में जारी राजनीतिक उथलपुथल के कारण नागरिक बहुत परेशान हैं और वे भावनात्मक रूप से उत्तेजित हैं। विशेषज्ञ हिंसक भावनाओं के उभार को राष्ट्र की 'पहचान' पर पैदा टकराव का परिणाम मानते हैं। देश के बचे रहने के लिए इस टकराव का सफल प्रबंधन व इसे संबोधित करना जरूरी है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि शेख हसीना बांग्लादेश में एक सेक्युलर व सुधारवादी शक्ति थीं।

उनकी सरकार ने सुरक्षा के साथ आर्थिक प्रगति सुनिश्चित कर बांग्लादेश को एक सबसे तेज प्रगति करने वाले विकासशील देश में बदल दिया था। इसके बावजूद उनके नेतृत्व पर चुनाव में धोखाधड़ी, विपक्ष के दमन तथा मानवाधिकार उल्लंघनों का आरोप था जिसके कारण जनता में निराशा थी। अभूतपूर्व हिंसा तथा सड़कों पर प्रदर्शनों के कारण संकट अपने शिखर पर पहुंचा। आरोप है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, जमाते इस्लामी बांग्लादेश की छात्र शाखा तथा खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी-बीएपी व चीनी खुफिया नेटवर्कों की संक्रिय सहभागिता इस संकट को बढ़ाने में शामिल थी।

इस उथलपुथल के बीच नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को सैनिक नेताओं तथा अन्य पक्षों ने परस्पर विचार-विमर्श के बाद अंतरिम सरकार का प्रमुख चुना है। विशेषज्ञों तथा प्रमुख पूर्व राजनयिकों का मानना है कि वर्तमान उथलपुथल हसीना के खिलाफ जनता के गुस्से का उत्पाद थी जो भारत की सहायता से देश छोड़ कर भाग गईं। अब वे यूरोप में राजनीतिक शरण चाहती हैं और ब्रिटेन उनका संभावित ठिकाना है, लेकिन इस बारे में कुछ भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है। बांग्लादेश में 2024 में शेख हसीना के पतन तथा 2022 में श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के खिलाफ तख्तापलट में अनेक समानतायें हैं। दोनों घटनाओं में राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक आयाम शामिल हैं। शेख हसीना की आलोचना विरोध को कुचलने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए हुई। इसी प्रकार गोटाबाया राजपक्षे के प्रशासन पर भी तानाशाही और भाई-भतीजावाद के आरोप लगे थे। दोनों देश आर्थिक संकट, भयानक महंगाई और बेरोजगारी का सामना कर रहे थे जिससे जनता में व्यापक निराशा थी और वह सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही थी। बांग्लादेश पर कर्ज बढ़ रहा था और वह विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन में कठिनाई का अनुभव कर रहा था, इसी प्रकार श्रीलंका को विदेशी मुद्रा की कमी तथा भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा था जिससे जनता में भारी गुस्सा पैदा हो गया था।

शेख हसीना सरकार का तख्तापलट होने से भारत को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे एक खाली स्थान पैदा हो गया है जिसे ऐसे तत्व भर सकते हैं जो भारत के लिए कम मैत्रीपूर्ण हों। इससे भारत-विरोधी भावनायें भड़क सकती हैं जिससे द्विपक्षीय संबंध प्रभावित हो सकते हैं। राजनीतिक परिवर्तनों से सहयोग व सीमा प्रबंधन, अवैध आप्रवास में संभावित वृद्धि, मानव व्यापार तथा आतंकवाद में वृद्धि हो सकती है। बांग्लादेश के नए नेतृत्व का चीन की ओर झुकाव हो सकता है जिससे बांग्लादेश में चीन की बढ़ती उपस्थिति चिन्ता का कारण बन सकती है।

भारत को इन चुनौतियों से निपटने के साथ ही फिलहाल देखो और प्रतीक्षा करो की नीति पर चलना होगा। बांग्लादेश को अपने समक्ष आई चुनौतियों का सामना करने के लिए तात्कालिक स्थिरीकरण उपायों तथा दीर्घकालीन लोकतांत्रिक सुशासन के बीच समुचित संतुलन बनाना होगा। अंतरिम सरकार की सफलता इन मुद्दों के समुचित प्रबंधन पर निर्भर करेगी जो बांग्लादेश को स्थायित्व देने के दृष्टिकोण से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

शेख हसीना के निष्कासन से भारत को झटका

> "मौजूदा अंतरिम सरकार के सहयोगी ऐसे हैं जिनमें चरमपंथी तत्व घुसे हुए हैं, जिनके साथ भारत को अतीत में कड़वे अनुभव रहे हैं।"

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के साथ ही भारत के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। भारत के पहले से ही संकटग्रस्त पड़ोस में अब तीन देश सशस्त्र बलों की मजबूत पकड़ में हैं। पाकिस्तान, म्यांमार और अब बांग्लादेश, अब सेना द्वारा शासित तिकड़ी हैं, जो चीन के बहुत करीब जाने की फिसलन भरी ढलान पर हैं। इन दोनों में से, बांग्लादेश ही भारत की पड़ोस पहले नीति का मुकुट रत्न रहा है, जहाँ पिछले डेढ़ दशक से स्पष्ट रूप से भारत समर्थक सरकार रही है। पाकिस्तान चीन का छद्म राज्य रहा है जो भारतीय हितों के खिलाफ काम कर रहा है, जबकि म्यांमार भी सेना के शासन के कारण चीन के करीब चला गया है। इस बीच, मालदीव में एक चीन समर्थक (पढ़ें भारत विरोधी) नेता, नेपाल में एक बहुत ज्यादा दिल्ली-अनुकूल शासन, हाल के इतिहास में भारतीय कूटनीति को अपनी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक के रूप में पेश करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी तानाशाही शासन शैली के बावजूद भारत में द्विदलीय समर्थन प्राप्त था। उन्होंने नरेंद्र मोदी और भारत में विपक्षी नेताओं के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल भारत के हितों के खिलाफ बांग्लादेशी धरती पर सक्रिय चरमपंथी ताकतों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए किया।

यह कोई संयोग नहीं है कि पूर्व प्रधानमंत्री हसीना एक साल में तीन बार नई दिल्ली आई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने में उनके प्रयासों की सराहना की, जब वह केंद्र में नई सरकार के तहत पहली बार राजकीय यात्रा पर आईं। शेख हसीना के डेढ़ दशक के शासन के दौरान भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंध लगातार

मजबूत होते गए, जिसमें भारत द्वारा महत्वपूर्ण दीर्घकालिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का संचालन किया गया और दोनों पड़ोसियों के बीच नए पारगमन और व्यापार गलियारों में वृद्धि हुई। भारत बांग्लादेश के साथ लगभग 4000 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा साझा करता है, जो इसके पांच राज्यों को पड़ोसी के साथ अद्वितीय निकटता प्रदान करता है। यह भूमि सीमा, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी भूमि सीमा है, जो सौहार्दपूर्ण समय के दौरान माल और लोगों की आवाजाही के लिए एक छिद्रपूर्ण नाली के रूप में कार्य करती है, क्योंकि सरकारें एक-दूसरे के हितों को ध्यान में रखते हुए कड़ी निगरानी रखती हैं। यह शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान स्पष्ट रूप से देखा गया था, जब सीमा पार से तस्करी और आतंकवाद लगभग समाप्त हो गया था। इसने भारतीय राजनयिकों के लिए एक बहुत ही आरामदायक स्थिति बनाई है, क्योंकि उन्होंने भारतीय हितों को ध्यान में रखने के लिए एक मैत्रीपूर्ण शासन पर भरोसा किया है। हालाँकि, शेख हसीना के चले जाने और बांग्लादेश के राजनीतिक क्षेत्र में उनके कभी वापस न आने की संभावना के साथ, चीजें बदलने वाली हैं। भारत ने स्थानीय बांग्लादेशी राजनीति में अपने लिए द्विदलीय समर्थन नहीं बनाया है।

इसने शेख हसीना की सरकार के साथ सहज रहना चुना है और बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी दल के प्रस्तावों को बेपरवाही से निपटाया है। डर यह था कि बांग्लादेश की विपक्षी पार्टी के प्रति किसी भी तरह का लगाव शेख हसीना को पसंद न आए। इसलिए एक सार्वजनिक कूटनीति कथा सामने आई, कि शेख हसीना भारत के साथ 'बहुत करीब' थीं और अपने देश के हितों के खिलाफ काम कर रही थीं। बांग्लादेश में एक पिंजरे में बंद विपक्ष ने चीन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से बाहरी समर्थन हासिल करने में कामयाबी हासिल की, दोनों की ही इस क्षेत्र के भू-राजनीतिक मामलों में भारत को लगातार तनाव में रखने में बहुत बड़ी दिलचस्पी है। बांग्लादेश में जमीनी हालात फिलहाल भारत के खिलाफ हैं।

मौजूदा अंतरिम सरकार के सहयोगी ऐसे हैं जिनमें चरमपंथी तत्व घुसे हुए हैं, जिनके साथ भारत को अतीत में कड़वे अनुभव रहे हैं। विरोध प्रदर्शनों की प्रकृति और उसके बाद शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने से यह सुनिश्चित हो गया कि भारत समर्थक होने सहित उनकी कोई भी नीति बांग्लादेशी नागरिकों को पसंद नहीं आएगी।

शेख हसीना विरोधी भावना को आसानी से भारत विरोधी भावना में बदला जा सकता है, जो लंबे समय से चले आ रहे गहरे द्विपक्षीय संबंधों के लिए हानिकारक होगा। बांग्लादेश में नए नेताओं को काम पर लगाना और पूर्वी पड़ोसी के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी बने रहना भारत के लिए एक चुनौती होगी।

आप की बात

मोहम्मद यूनुस से उम्मीद

मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया का पद संभाल लिया। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन के बाद आशा है कि वहां पर शीघ्र ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। मोहम्मद यनुस ने अपने बयान में साफ किया है कि वह भारत से रिश्ते सामान्य बनाए रखने को प्राथमिकता देंगे। उनके इस बयान से दोनों देशों के बीच आशंकाएं खत्म होने की उम्मीद की जा सकती है। मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं की पूरी सुरक्षा के लिए भी शीघ्र कदम उठाने चाहिए। बांग्लादेश की स्थिति सामान्य होते ही चुनाव करवा कर चुनी हुई सरकार के हाथों में सत्ता सौंपी जानी चाहिए। 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस से सबको बहुत उम्मीदें हैं, लेकिन देखना होगा कि वे वास्तव में कितने प्रभावशाली हो पाएंगे। शेख हसीना की मुख्य विरोधी बेगम जिया की पार्टी बीएनपी ने भारत को धमकी दे डाली है कि वह शेख हसीना को संरक्षण न दे। देखना होगा कि अंतरिम सरकार पर सेना, बीएनपी, चीन-समर्थक तत्वों तथा पाकिस्तान-समर्थक तत्वों का कितना प्रभाव रहता है। ऐसे में यह आशंका है कि कहीं मोहम्मद यूनुस केवल मुखौटा तो नहीं हैं और देखना होगा कि राजनीतिक उथलपुथल में यह मुखौटा भी कब तक बना रहता है।

–**सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

योगी आदित्यनाथ का आह्वान

योगी आदित्यनाथ ने हिन्दुओं से आह्वान किया कि वे आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट हो जाए। योगी आदित्यनाथ का यह आह्वान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे गोरखनाथ मठ के महंत होने के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी हैं। पिछले कुछ समय से भारत के पड़ोसी देशों में भारतीयों विशेषकर हिन्दुओं पर अत्याचार बढ़े हैं। पाकिस्तान में मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के अनुसार हर महीने 20-25 हिंदू लड़कियों का अपहरण कर उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाता है। वहां 1947 से अब तक सैकड़ों हिन्दू मंदिर नष्ट किये जा चुके हैं। हिंदुओं के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हिंगलाज माता मंदिर भी चरमपंथियों के निशाने पर रहा है। जब 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ था तब वहाँ हिंदुओं की आबादी लगभग 15 प्रतिशत थी जो1998 तक 1.6 प्रतिशत रह गयी। यही हाल अफ़ग़ानिस्तान का भी है। तालिबानी शासन आने के बाद से वहाँ मुश्किल से 1000 हिंदू परिवार ही बचे हैं। बांग्लादेश में शेख़ हसीना के तख्तापलट के बाद हिन्दुओं को चुन-चुन कर मारा जा रहा है और मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। विडंबना है कि बांग्लादेश की हालिया घटनाओं से मोदी को डराने का प्रयास करने वाले विपक्षी हिंदुओं की हत्याओं पर मौन हैं।

– **पुनीत कुमार,** मेरठ

वक्फ कानून में संशोधन

सरकार द्वारा संसद में पेश वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन और विरोध हो रहा है। हालांकि, वक्फ का इतिहास बहुत पुराना है, पर देश की आजादी के बाद से यह कुछ अमीर व भूतपूर्व जमींदार मुसलमानों की जमीन-जायदाद बचाने का माध्यम बन गया है। जहां जमींदारी उन्मूलन कानून से हिंदुओं की जमींदारियां उनके आसामियों या छोटे किसानों में बांट दी गई थीं, वहीं मुस्लिम जमींदारों ने वक्फ का सहारा लेकर अपना वर्चस्व बनाए रखा। कांग्रेस सरकार ने 1995 व 2013 में वक्फ को असीमित अधिकार दे कर कई मामलों में उनको उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से भी बाहर कर दिया। इसके कारण आज अनेक वक्फ संपत्तियों पर भू-माफिया का कब्जा है और उनको गरीब मुसलमानों के कल्याण के बजाय निहित स्वार्थों के चलते परोक्ष रूप से हस्तांतरित किया जा रहा है। अनेक इस्लामी देशों ने भी वक्फ संपत्तियों का राष्ट्रीयकरण किया है या वक्फ बोर्डों की शक्तियां बहुत सीमित की हैं। लेकिन विडंबना है कि भारत में इसे मुस्लिमों की धार्मिक भावनाओं से जोड़ कर कुछ राजनीतिक दल अपने मुस्लिम वोटबैंक को बचाने का माध्यम बना रहे हैं। इससे देश और मुसलमानों का भला नहीं होगा।

– **महेश नेनावा,** इंदौर

बांग्लादेश में हिंसा

हसीना सरकार के तख्तापलट और बांग्लादेश में भारी हिंसा के बाद भारत की सीमा पर सैकड़ों उत्पीड़ित बांग्लादेशी हिंदू भारत में शरण लेने के लिए एकत्र हो रहे हैं। हालांकि, अंतरिम सरकार के गठन से कुछ उम्मीदें जगी हैं, पर देखना होगा कि इस सरकार की बागडोर कौन संभाल रहा है और उसके पीछे किसका सपोर्ट है। आशंका है कि चीन-पाकिस्तान बांग्लादेश में आई इस आपदा में अपने लिए अवसर खोज रहे हैं। पाकिस्तान और चीन ऐसी मुखौटा सरकार का गठन बांग्लादेश में करना चाहते हैं जो उनके इशारे पर नाचे तथा बांग्लादेश की जनता को भारत के खिलाफ भड़काने का काम करे। ये देश भारत के खिलाफ बांग्लादेश की सत्ता, जनता और जमीन को खड़ा करना चाहते हैं। तख्तापलट के बाद भी वहां अनेक हिंदुओं के साथ ही अवामी लीग नेताओं और सांसदों की हत्या की गई है। हिंदू मंदिरों और हिंदू बस्तियों में जमकर विध्वंस किया जा रहा है। यह एक सोची समझी साजिश है। भारत सरकार को बॉर्डर पर सख्ती और निगरानी बढ़ाने के साथ ही वहां उत्पीड़ित हिंदुओं को राहत दिलाने के प्रयास करने चाहिए।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

भविष्य संवारने का भी सशक्त माध्यम है खेल: मुख्यमंत्री

कुश्ती प्रतियोगिता के विजेताओं को योगी ने किया पुरस्कृत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल व्यक्ति को स्वस्थ रखने का माध्यम तो है ही, सरकार की खेल और खिलाड़ियों के हित में बनाई गई नीति से यह भविष्य संवारने का भी सशक्त माध्यम बन गया है। वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को सरकार यूपी पुलिस के साथ ही अन्य सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर नौकरी दे रही है। सरकार खेल और खिलाड़ियों के हित में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत कर रही है तो साथ ही खिलाड़ियों को पुरस्कार, नियुक्ति और भरपूर आर्थिक सहायता देकर उन्हें प्रोत्साहित भी कर रही है।

सीएम योगी शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर के मेला परिसर में नागपंचमी के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में खेलों का बेहतरीन माहौल बना है। हमारे खिलाड़ी खेल को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि खिलाड़ियों को हर संभव मदद देकर खेल की गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने पेरिस ओलंपिक का जिक्र करते हुए कहा कि नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक जीतकर और हॉकी टीम ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि 2020 के टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली हॉकी टीम का यूपी सरकार ने लखनऊ में सम्मान किया था। हॉकी टीम के ओलंपिक खिलाड़ी, यूपी के ललित उपाध्याय को यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी पद पर नियुक्ति दी गई है। ललित कुमार ने इस बार भी ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया है। जबकि यूपी के ही खिलाड़ी राजकुमार ने पदक के मुकाबले में अपने शानदार प्रदर्शन से स्पेन को हराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने बताया कि खिलाड़ियों को यूपी में सम्मानजनक सरकारी नौकरी दी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी दीप्ति शर्मा, एथलेटिक्स में पारुल चौधरी और कबड्डी में अर्जुन देशवाल को डिप्टी एसपी, कुश्ती में दिव्या काकरान और जुडो में विजय कुमार को नायब तहसीलदार, नौकायन में पुनीत कुमार, एथलेटिक्स में प्राची को जिला युवा कल्याण अधिकारी और अर्जुन को परिवहन विभाग में यात्री एवं माल कर अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने, उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इसके तहत जिला स्तर पर स्टेडियम व ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। हर गांव में खेल के मैदान व ओपन जिम विकसित किए जा रहे हैं। अनुपूरक बजट में भी सरकार ने 100 करोड़ रुपये का प्रावधान ब्लॉकों में मिनी स्टेडियम बनाने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि 16 खेलों में 18 जिलों में छात्रावास संचालित हैं। तीन स्पोर्ट्स कॉलेज के साथ ही खिलाड़ियों के भोजन आदि के दर में वृद्धि की गई है। 50 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को डेढ़ लाख रुपये प्रतिमाह मानदेय के हिसाब प्रशिक्षक के रूप में रखा जा रहा है जिनमें से 10 प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 84 स्टेडियम, 67 बहुउद्देश्यीय स्पोर्ट्स हाल, 38 तरणताल, 15 सिंथेटिक हॉकी मैदान, 47 अत्याधुनिक जिम, 13 कुश्ती हाल, 6 शूटिंग रेंज, 20 सिंथेटिक टेनिस कोर्ट, 14 सिंथेटिक बास्केटबॉल हाल, 16 छात्रावास समेत स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के अनेकानेक कार्य हो चुके हैं। इसके अलावा मेरठ में मेजर ध्यानचंद के नाम पर प्रदेश के पहले और विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का निर्माण युद्ध स्तर पर हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार व उत्तर प्रदेश वीर अभिमन्यु खिताब के लिए फाइनल मुकाबला देखा। इस दौरान उन्होंने पहलवानों के बेहतरीन दांव पर ताली बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर उन्होंने उत्तर प्रदेश केसरी का खिताब जीतने वाले गौतमबुद्ध नगर के जोंटी कुमार को 1.01 लाख रुपये, गदा व प्रमाण पत्र, उप विजेता मेरठ के अभिषेक को 51 हजार रुपये व प्रमाण पत्र, उत्तर प्रदेश कुमार का खिताब जीतने वाले यूपी पुलिस के आयुष को 51 हजार रुपये, गदा व प्रमाण पत्र, उप विजेता गोरखपुर के रमन को 25 हजार रुपये व प्रमाण पत्र, वीर अभिमन्यु खिताब जीतने वाले कृष्णानगर के जनार्दन को 51 हजार रुपये, गदा व प्रमाण पत्र और उप विजेता सनीस खोखर को 25 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया।

ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से ओलंपिक एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़, रजत पदक विजेता को 4 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 2 करोड़ रुपये देने की नीति तय है। ओलंपिक की टीम स्पर्धा में यह राशि क्रमश: 3, 2 व 1 करोड़ रुपये है। एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़, रजत पदक विजेता को 1.5 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 75 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है। कामनवेल्थ खेल तथा विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता को 1.5 करोड़, रजत पदक विजेता को 75 लाख व कांस्य पदक विजेता को 50 हजार रुपये दिए जाते हैं। इसी तरह से नेशनल गेम्स में भी विजेताओं को पुरस्कृत किया जाता है। सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को 10 लाख तथा एशियन गेम्स व कामनवेल्थ में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को 5-5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। कहा कि खेल व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध और संकल्पित है। सीएम योगी ने कहा कि अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, खेल रत्न व खेल के क्षेत्र में पदम् पुरस्कार करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए सरकार ने प्रतिमाह 20 हजार रुपये वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही अशक्त अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को प्रतिमाह 10 हजार रुपये, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को 6 हजार तथा राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को प्रतिमाह 4 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार प्रति वर्ष पुरुष वर्ग में लक्ष्मण पुरस्कार तथा महिला वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार देती है। इसके अंतर्गत लक्ष्मणजी व रानी लक्ष्मीबाई की कांस्य प्रतिमा के साथ खिलाड़ियों को 3.11 लाख रुपये की नकद धनराशि दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 140 खिलाड़ियों को एकलव्य क्रीड़ा कोष से आर्थिक सहायता दी गई है।

मुख्यमंत्री ने सभी को नागपंचमी पर्व के साथ ही काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ की बधाई दी। उन्होंने कहा कि दोनों आयोजनों का एक दिन होना सुखद संयोग है। काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह आदि के बलिदान को नमन करते हुए सीएम ने कहा कि शताब्दी महोत्सव के आयोजन में सरकार की मंशा है कि बलिदानियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने साथ युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा का लाभ समाज और देश को प्राप्त हो।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो: विहिप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद अराजक तत्व हावी हो गए हैं और कानून व्यवस्था सर्वथा निष्प्रभावी हो चुकी है. इस अराजक स्थिति में वहां के अतिवादी जिहादी तत्वों ने हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न शुरू कर दिया है।

गजेंद्र ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिन्दू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। पूरे बांग्लादेश में हर जिले में यह वीभत्स कुकृत्य होने की सूचना है। कट्टरपंथियों के निशाने से शमशान तक नहीं बचे हैं। मंदिरों को भारी क्षति पहुंचाई गयी है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो जो इनकी हिंसा व आतंक का निशाना न बना हो। समय-समय पर निरंतर अंतराल पर होने वाले ऐसे दंगों का ही परिणाम है कि बांग्लादेश में हिंदू जो विभाजन के समय 32 प्रतिशत थे, अब 8 प्रतिशत से भी कम बचे हैं और वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यवसायिक प्रतिष्ठान व महिलाएं, बच्चे व उनकी आस्था व विश्वास के केंद्र मन्दिर तक सुरक्षित नहीं हैं। वहां पीड़ित अल्पसंख्यक हिन्दुओं की हालत बद से भी बदतर होती जा रही है। यह स्थिति अत्यंत चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। गजेंद्र ने कहा कि निश्चय ही भारत इस परिस्थिति में आंखे मूंद कर नहीं रह सकता। भारत ने परंपरा से ही विश्वभर के उत्पीड़ित विस्थापितों की सहायता की है। विश्व हिन्दू परिषद ने भारत सरकार से यह आग्रह किया है कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। विकट परिस्थिति का लाभ उठा कर जिहादियों द्वारा सीमा पार से घुसपैठ का एक बड़ा प्रयत्न किया जा सकता है । इससे सतर्क रहना होगा। इसलिए हमारे सुरक्षाबलों के लिए यह आवश्यक है कि सीमा पर कड़ी चौकसी बरतें और किसी भी तरह के अतिक्रमण को न होने दें। पत्रकार वार्ता में मौजूद विहिप के अवध प्रांत के मंत्री ने कहा कि हमारी कामना है कि बांग्लादेश में शीघ्रतिशीघ्र लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सरकार पुन: स्थापित हो। वहाँ के अल्पसंख्यक समाज को मानवाधिकार मिले और बांग्लादेश की निरंतर हो रही आर्थिक प्रगति में कोई बाधा न आये। भारत का हिंदू समाज और सरकार इस विषय में निरंतर बांग्लादेश के सहयोगी बने रहेंगे।

आजमगढ़ मंडल के पांच निर्माणाधीन कार्यों के लिए 2 करोड़ 40 लाख अवमुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र सरकार द्वारा आरआईडीएफ योजनान्तर्गत आजमगढ़ मण्डल के विभिन्न जनपदों के 5 निर्माणाधीन कार्यों के लिए 2 करोड़ 40 लाख 9 हजार रुपए की धनराशि अवमुक्त की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उप्र शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। इन 5 निर्माणाधीन कार्यों में जनपद आजमगढ़ में लारपुर साहबअली सम्पर्क मार्ग के लिए 1 लाख 93 हजार व पवई पण्डितान बस्ती सम्पर्क मार्ग 98 हजार तथा जनपद मऊ में गोपालपुर निस्फी से बस्ती निधियांव सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य हेतु 59 लाख 66 हजार, रसड़ी हनुमान मंदिर से आलापुर मदरहीं सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य हेतु 1 करोड़ 16 लाख 64 हजार व अमिला दरगाह किमी-10 मीरपुर के बायें तरफ भुवालीपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय तक सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य हेतु 60 लाख 88 हजार (इस प्रकार कुल 2 करोड़ 40 लाख 9 हजार) की धनराशि अवमुक्त कर दी गयी है। जारी शासनादेश में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आरआईडीएफ योजनान्तर्गत निर्माणाधीन मार्गों को निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्तापरक पूर्ण कराकर उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं फोटोग्राफ शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

पंचायतों में बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए 1598.80 करोड़ की धनराशि अवमुक्त

लखनऊ। प्रदेश की पंचायती राज्य संस्थाओं में आधारभूत ढांचागत विकास और बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए बुनियादी अनुदान (अन्टाइड ग्रान्ट) की प्रथम किश्त के रूप में 1598.80 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बताया कि अवमुक्त धनरााशि से पंचायतों में विकास संबंधी कार्य कराये जायेंगे। इसमें नाली, खड़ंजा, लाइटिंग सौंदर्यीकरण आदि के कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी भी पंचायते बेहतर हो, लोगों को बुनियादी सुविधाएं मिलें इसके लिए प्रदेश सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। पंचायतीराज मंत्री ने बताया कि कुल 75 जिला पंचायतों को 239.82 करोड़ रूपये, 826 क्षेत्र पंचायतों को 239.82 करोड़ रूपये, 57691 ग्राम पंचायतो को 1119.16 करोड़ रुपए की धनराशि राज्य स्तर से ई-कुबेर तथा कोषागार के माध्यम से हस्तांतरित की जायेगी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के निर्देश पर प्रदेश की समस्त त्रि-स्तरीय ग्रामीण निकायों का पंजीकरण ई-कुबेर के डीडीओ लॉगिन पर कराने तथा धनराशि हंस्तातरण के लिए प्रावधानिक प्रक्रिया को पूर्ण करने के निर्देश दिए गये थे। ऑटोमैटिक रिसीट लेने हेतु ट्रेजरी पोर्टल (ई-कुबेर) पर त्रि-स्तरीय ग्रामीण निकायों के पंजीकरण की कार्यवाही पूर्ण करा ली गई है।

उप-वर्गीकरण के पक्ष में दलील नहीं रखी गयी होती तो ऐसा निर्णय न आता: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अनुसूचित जाति (एससी) अनुसूचित जनजाति (एसटी) कोटे के उप-वर्गीकरण के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एसटी/एससी समुदायों से संबंधित लोकसभा और राज्यसभा के बीजेपी सांसदों की पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि मा. सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के समक्ष बहस में केन्द्र सरकार की तरफ से एटार्नी जनरल द्वारा आरक्षण को लेकर एससी व एसटी में क्रीमी लेयर लागू करना तथा इनका उप-वर्गीकरण किये जाने के पक्ष में दलील नहीं रखी गयी होती, तो शायद यह निर्णय नहीं आता। शुक्रवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री द्वारा आज उनसे भेंट करने गए बीजेपी के एससी/एसटी सांसदों को यह आश्वासन देना कि एससी/एसटी वर्ग में क्रीमी लेयर को लागू नहीं करने तथा एससी-एसटी के आरक्षण में कोई उप-वर्गीकरण भी नहीं करने की उनकी मांगों पर गौर किया जाएगा, यह उचित व ऐसा किए जाने पर इसका स्वागत। आगे उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त 2024 के निर्णय को संविधान संशोधन के जरिए जब तक निष्प्रभावी नहीं किया जाता तब तक राज्य सरकारें अपनी राजनीति के तहत वहां इस निर्णय का इस्तेमाल करके एससी/एसटी वर्ग का उप-वर्गीकरण व क्रीमी लेयर को लागू कर सकती हैं। अत: संविधान संशोधन बिल इसी सत्र में लाया जाए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते एससी/एसटी वर्ग के कोटे में उपवर्गीकरण को मंजूरी दी थी। इस दौरान कोर्ट ने कहा था कि एससी/एसटी कैटेगरी के अंदर नई उपश्रेणियां बनाई जा सकती हैं और इसके तहत अत्यंत पिछड़े तबके को अलग से आरक्षण दिया जा सकता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि राज्य सरकारें कोटे के भीतर कोटे की अनुमति दे सकती हैं, लेकिन उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह निर्णय राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के आधार पर न लिया जाए।

सपा ने पूरे प्रदेश में की छात्र-नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी ने पूरे प्रदेश में अगस्त क्रांति दिवस से छात्र-नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान कार्यक्रम की शुरुआत की। 9 अगस्त से 10 सितम्बर 2024 तक चलने वाले इस कार्यक्रम में आज प्रदेश में जिलों-जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

9 अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर पीडीए छात्र, नौजवान जागरूकता एवं सदस्यता अभियान के तहत मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने गौतम बुद्ध जी की जन्मस्थली कपिलवस्तु से अभियान की शुरुआत की। भंते सहित अनेकों लोगों ने समाजवादी पार्टी में आस्था जताते हुए सदस्यता ग्रहण की, जिसमें नावेद रिज़्वी, लालजी यादव, उग्रसेन सिंह, खुर्शीद आलम आदि उपस्थित रहे। इसी क्रम में जनपद - संत कबीर नगर में प्रभारी के रूप में पहुंचे बृजेश सिंह बैचलर, पवन प्रधान, आर. पी. यादव (दिलीप), प्रद्युम्न यादव, अवनीश निषाद, आशुतोष यादव के द्वारा जिला मुख्यालय खलीलाबाद में सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई। जनपद बस्ती के मड़वा नगर बस्ती में बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई यूथ ब्रिगेड के प्रभारी के रूप मे पहुंचे डी. आर. एस. यादव, राहुल सिंह, मोहन गंगवार, शोभित वर्मा, विजय बहादुर वर्मा, रंजीत यादव, प्रेमचंद सोनी, उपस्थित रहे। बरेली में यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद यादव के नेतृत्व में अभियान की शुरुआत हुई। बदायूं में यूथ ब्रिगेड के प्रभारी अक्षय दीप यादव, अफजल चौधरी, नीरज द्विवेदी रवि, मुमताज आलम विश्वजीत गुर्जर उपस्थित रहे।

गांधी के रास्ते पर चलकर ही परास्त होंगी फिरकापरस्त ताकतें: अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर शुक्रवार को अगस्त क्रांति एवं उसकी प्रासंगिकता विषयक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता गांधी अध्ययन पीठ, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व निदेशक प्रो. राम प्रकाश द्विवेदी जी रहे। गोष्ठी के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अजय राय रहे। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि साऊथ अफ्रीका में अपने प्रवास से भारत लौटने पर अपने राजनैतिक गुरू गोपाल कृष्ण गोखले जी से मिलकर गांधी ने पूछा कि भारत में कैसे कार्य करना है गोखले जी ने कहा कि पूरे भारत का भ्रमण कर लीजिए भारत के लोग ही बता देंगे कि आपको क्या करना है और फिर यहां से शुरू हुई यात्रा ने भारत की आजादी की लड़ाई को एक नया रंग दिया और बंद कमरे की मीटिंगों और ज्ञापनों से निकलकर आजादी की लड़ाई गांधी जी के नेतृत्व में एक जन आंदोलन बन गई। गांधी भारत में पहले ही दिन से ना सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ते हैं बल्कि सामन्तवाद से, पूंजीवाद से एंव फिरकापरस्त ताकातों से भी लड़ते हैं। प्रो0 द्विवेदी आगे कहते हैं कि आज के भारत में भी जो फिरकापरस्त ताकतें हैं उनसे राहुल गांधी जी लड़ रहे हैं। उन्होंने नारा दिया है कि "नफरत छोड़ो, भारत जोड़ो"। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि गांधी जी द्वारा 1942 से पहले स्थानीय स्तर पर और अलग-अलग वर्गों के लिए सत्याग्रह कर भारत को एक बड़ी लड़ाई के लिए तैयार कर लिया था। फिर चाहे वह असहयोग आंदोलन हो य 24 दिन का दांडी मार्च कर नमक सत्याग्रह हो। किसानों के लिए चंपारण य बारदोली सत्याग्रह हो, मजदूरों के लिए अहमदाबाद मिल सत्याग्रह हो य दलितों के लिए दायोम सत्याग्रह हो। देश एक बड़ी लड़ाई के लिए तैयार था और ऐसे ही माहौल में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हो गया। सुभाष चन्द्र बोस चाहते थे कि हम युद्ध में धुरी शक्तियों के साथ मिल जाये मगर गांधी जी किसी भी गुट में शामिल हुए बिना यह लड़ाई भारत में ही लड़ना चाहते थे। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि अंग्रेजों ने क्रिप्स मिशन के जरिए औपनिवेशिक स्वशासन का झुनझुना देने की कोशिश की मगर गांधी जी ने कहा कि आप हमें उस बैंक का पोस्ट डेटेड देने की कोशिश कर रहे हैं जो बैंक डूबने वाला है। 08 अगस्त को मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में अपने 70 मिनट के भाषण में गांधी जी ने कहा कि आजादी से कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं है। मेहर यूसुफ अली ने भारत छोड़ो का नारा दिया, पंडित नेहरू ने भारत छोड़ो आंदोलन का प्रस्ताव पेश किया और सरदार पटेल ने उस आंदोलन का समर्थन कर दिया। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि गांधी जी मुकम्मल आजादी की बात करते थे और वह बात आज भी प्रासंगिक है। वह राजनैतिक आजादी के साथ सामाजिक विषमताओं से दूर सामाजिक समानता वाली आजादी चाहते थे, आर्थिक रूप से सब संपन्न हो ऐसी आर्थिक समानता वाली आजादी चाहते थे। गांधी जी की सोच थी कि जब तक शोषण हर स्तर पर समाप्त नहीं होगा तब तक आजादी के कोई मायने नहीं है। गोष्ठी में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री श्री अजय राय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हम गांधी के रास्ते पर चलकर ही फिरकापरस्त ताकतों को परास्त कर पायेंगे। श्री राय ने कहा कि आज देश के हालात अंग्रेजी हुकूमत के समय से भी ज्यादा खराब हैं। इस दौर में भी राहुल गांधी जी भारत जोड़ने की लड़ाई लड़ रहे हैं। राहुल जी गरीबों, पिछड़ों, दलितो, आदिवासियों की सबसे सशक्त आवाज हैं।

राहुल जी ने भी गांधी जी की तरह पूरे देश की यात्रा कर इस देश के लोगों की समस्याओं को समझा है और महसूस किया है। और वो अब आमजन को उन समस्याओं से निजात दिलाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। गोष्ठी का संचालन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. अलीमुल्लाह ख़ान स्वागत भाषण डॉ. श्रवण गुप्ता, विषय प्रवर्तन डॉ. अमित कुमार राय तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरविन्द बहादुर सिंह जी ने किया।

प्रदेश में धान का रकबा बढ़ने से और बढ़ गया है भूजल का दोहन: मुख्य सचिव

'स्वच्छ जल-स्वच्छ भारत' विषय पर एक दिवसीय वर्कशाप आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि हम सभी के लिए जल अति महत्वपूर्ण है। भूजल का सर्वाधिक उपयोग कृषि कार्य में होता है। दुनिया में 10 प्रतिशत, भारत में 45 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 75 प्रतिशत भूजल का उपयोग कृषि कार्य में होता है। उत्तर प्रदेश कृषि क्षेत्र में पावरहाउस के रुप में काम करता है। पिछले कुछ सालों में प्रदेश में धान का रकबा बढ़ने से भूजल का दोहन और बढ़ गया है।

मुख्य सचिव शुक्रवार को 'स्वच्छ जल-स्वच्छ भारत' पर आयोजित एक दिवसीय वर्कशाप को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पानी के कुशल उपयोग और पानी के पुन: उपयोग को बढ़ावा देने के लिए डेटा को कार्रवाई में बदलने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के प्रति किसानों को जागरुक करना होगा और उन्हें नवीनतम तकनीकी के बारे में बताना होगा।

उन्होंने इजरायल का उदाहरण देते हुए कहा कि इजरायल में 300 मिलीलीटर रेनफॉल होता है और वहां पर पानी की भारी किल्लत है। वहां पर खेती ग्रीन हाउस और शेड में होती है। खेती के दौरान वहां पर मीठे और खारे पानी को मिश्रित रूप में इस्तेमाल किया जाता है। विकसित देश जल को लेकर सचेत रहते हैं। उन्होंने कहा कि आमजन तक स्वच्छ जल पहुंचे, यह शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। आगरा में वर्ल्ड क्लास परियोजना बनाकर जल को ट्रीट करके सप्लाई किया जा रहा है। डिजिटलीकरण शहरी स्तर पर पेयजल संचालन में आमूलचूल परिवर्तन लाने में प्रमुख भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला से शहरी जल प्रबंधन के डिजिटलीकरण एवं डाटा संग्रह की उपयोगिता से जल संसाधनों को कुशलतापूर्वक और स्थायी रूप से प्रबंधित करने में मदद मिलेगी। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने शहरी क्षेत्रों में अभिनव और दीर्घकालिक जल प्रबंधन प्रथाओं की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया। उन्होंने बढ़ती शहरी आबादी के साथ पेयजल को लेकर चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया और अमृत 2.0 अब जल आपूर्ति कवरेज और जल उपयोग दक्षता में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने में शहरी स्थानीय निकायों की क्षमता सीमित है, इसलिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप इस अंतर को समाप्त में एक प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं और स्थानीय स्तर पर प्रभावी निगरानी और कुशल सेवा वितरण में स्थानीय निकायों को सहायता प्रदान कर सकते हैं। इस अवसर पर निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय अनुज कुमार झा, महाप्रबंधक-जल आर.पी. सिंह और क्षेत्रीय शहरी एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र (आरसीयूईएस), लखनऊ के अतिरिक्त निदेशक ए.के. गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नव नियुक्त सहायक अनुभाग अफसरों का 12 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा, केन्द्रीय सचिवालय, प्रशिक्षण संस्थान भारत सरकार के सहयोग से 29 जुलाई, से 9 अगस्त तक भारत सरकार के नव नियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों हेतु, आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण अंचल से संबद्ध करते हुए शासकीय योजनाओं का अध्ययन तथा भारत दर्शन विषयक कार्यक्रम के व्यवहारिक ज्ञानार्जन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस आधारभूत प्रशिक्षण के कार्यक्रम अन्तर्गत भारत सरकार के संघ लोक सेवा आयोग, जल संसाधन, भूतल परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग, सूचना एवं प्रसारण, संचार, पेट्रोलियम एंव प्राकृतिक गैस, रक्षा, नीति आयोग, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विकास, नागरिक उड्डयन, पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, कृषि एवं कृषक कल्याण, विधि मामले, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आवास एवं शहरी कार्य तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इत्यादि मंत्रालयों से सम्बद्ध सहायक अनुभाग के 39 अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रदेश के विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे जनहित के कार्यों के परिप्रेक्ष्य में, यथा- ग्रामीण विकास, आईसीडीएस, पंचायती राज, पुलिस विभाग, वित्त विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति तथा अन्य उपयोगी विभागों से सम्बन्धित राज्य/जिला स्तरीय प्रबुद्ध अधिकारियों द्वारा विभागों की कार्यशैली, योजनाएँ एवं कार्यक्रम, संसाधन तथा अधिकारियों/कार्मिकों की भूमिका तथा कार्यशैली एवं ग्रामीण समुदाय हेतु उपयोगिता इत्यादि विषयों पर प्रासंगिक वार्ता प्रदान की गई। जनपद लखनऊ के विकास खण्डों बख्शी का तालाब, सरोजनीनगर तथा मलिहाबाद में क्रियान्वित की जा रही, विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यकमों के आंकलन हेतु प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा भ्रमण अध्ययन किया गया।

बलिया से वांछित 50 हजार का ईनामी बदमाश गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने बलिया जिले से वांछित 50 हजार के ईनामी बदमाश इश्तियाक अहमद को गिरफ्तार किया। एसटीएफ को जानकारी मिली थी कि गैंगेस्टर एक्ट में वांछित इश्तियाक अहमद अपने घर आने वाला है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने तत्काल वहां पहुंचकर इश्तियाक को गिरफ्तार किया। इश्तियाक ने बताया कि उसके ऊपर वर्ष 2023 में गौकशी के सम्बन्ध में थाना नरही, बलिया में गोवध निवारण अधिनियम का मुकदमा पंजीकृत हुआ था। मुकदमा पंजीकृत होने के बाद उसके ऊपर इनाम घोषित हो गया। वह तभी से अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लुक-छिप कर स्थान बदल-बदल कर रह रहा था।

सहकारिता मंत्री ने किया काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का शुभारंभ

- जिलेभर में हुआ काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित सम्मानित
- जिलेभर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की हुई लाइव स्ट्रीमिंग
- स्कूली बच्चों ने प्रस्तुत किए देशभक्ति कार्यक्रम, काकोरी ट्रेन एक्शन का हुआ मंचन

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

जिलेभर में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह व वीरों को नमन कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। जिला स्तर पर कुंवर खुशवंतराय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने विधायक विनोद शंकर अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अभिषेक कुमार ने दीप जलाकर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने जनप्रतिनिधियों, अफसरों संग क्रांतिकारियों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के पारिवारीजन को सम्मानित कर स्नेहपूर्ण मुलाकात की। इससे पूर्व राजधानी में सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में काकोरी ट्रेन एक्शन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा और सुना गया।

स्कूली बच्चों ने प्रस्तुत किए देशभक्ति कार्यक्रमए काकोरी ट्रेन एक्शन का हुआ मंचन'

कार्यक्रम स्थल के सांस्कृतिक मंच पर सहकारिता मंत्रीए जनप्रतिनिधियों एवं अफसरो के समक्ष विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किये और काकोरी ट्रेन एक्शन पर मंचन भी किया। संस्कृति विभाग उप्र की ओर से आए सांस्कृतिक दल ने भी वाद्य यंत्रों और अपनी टीम के साथ देशभक्ति का माहौल बना दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव क्रांतिकारियोंए स्वतंत्रता सेनानियोंए ज्ञात.अज्ञात बलिदानियों व शहीदों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है। हमें आजादी अचानक नहीं मिली। इसके लिए अलग.अलग कालखंडों में संघर्ष किया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र बिंदु वैसे तो पूरा भारत थाए लेकिन देश की आध्यात्मिक.सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक उत्तर प्रदेश प्रथम स्वतंत्रता समर को लीड कर रहा था। मंगल पांडेय ने बैरकपुर से इसकी अगुवाई की। उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि जो संकल्प लेकर क्रांतिवीर आजादी के लिए लड़े थेए उन्हीं के कर्तव्यों का पालन करते हुए देश को सशक्त बनाया जा सकता है। जाति.मजहब या व्यक्तिगत हित राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। सभी नागरिक कर्तव्य का पालन करें। मुख्यमंत्री योगी जी ने भारत के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास के एक अहम् अध्याय काकोरी कांड का नाम बदलकर काकोरी ट्रेन एक्शन कर दिया है। इसका नाम इसलिये बदल दिया गया क्योंकि कांड शब्द भारत के स्वतंत्रता संग्राम के तहत इस घटना के अपमान की भावना को दर्शाता है। अब भारत का समय आ गया है, दुनिया की कोई शक्ति हमें महाशक्ति बनने से रोक नहीं सकती।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि श्काकोरी ट्रेन एक्शनश् देश के स्वाधीनता समर की अमर कहानी है। यह राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध कराने वाला पर्व है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में श्काकोरी ट्रेन एक्शनश् की तिथि 09 अगस्त 1925 विशेष महत्व रखती है। उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी/डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताते हुए सभी अतिथियोंए उपस्थित स्कूली बच्चोंए एनसीसी कैडेट्सए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों सहित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाने वालों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह, डीसीबी अध्यक्ष विनीत मनार, पुष्पा सिंह, जिला स्तरीय अधिकारीए विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापकए स्कूली बच्चे एनसीसी कैडेट्स सहित बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आजादी के लिए क्रांतिकारियों ने 9 अगस्त को अंग्रेजों की नींव हिला दी थीः उपाध्याय

संवाददाता। फर्रुखाबाद

प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने काकोरी ट्रेन कांड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश को आजाद करने के लिए आज 9 अगस्त के दिन हमारे क्रांति कारियों ने अंग्रेजों की नीव हिलाकर रख दी थी। उपाध्याय ने कमालगंज के रामकृष्ण महाविद्यालय रानू खेड़ा में आज शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन एवं क्रांतिकारी अमर शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उपस्थित जन समूह को काकोरी में हो रहे कार्यक्रम का मुख्यमंत्री द्वारा संम्बोधन एल ई डी पर लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में फर्रुखाबाद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारीजनों को मालाये एवं शोल उड़कर, मिष्ठान उपलब्ध कराकर सम्मानित किया गया।

यहां काकोरी ट्रेन कांड पर प्रकाश डालते हुए उच्च शिक्षा मंत्री उपाध्याय ने कहा कि देश को आजाद करने के लिए जिन शहीदों ने शहादत दी, देश आज उनको याद कर रहा है और हम सब ऐसे शहीदों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। पूरे प्रदेश के हर जिले में आज शहीदों के लिए मेले लग रहे हैं। आज 9 अगस्त का वह दिन है, जिस दिन देश की आजादी के लिए हमारे क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों की नींव हिला कर रख दी थी। इस कार्यक्रम के पश्चात श्री उपाध्याय ने ग्राम रानू खेड़ा पंचायत के अमृत सरोवर पर वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर भाजपा अमृतपुर विधायक सुशील शाक्य, भोजपुर विधायक नागेंद्र राठौर, जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता, जिलाधिकारी डॉ बी के सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार मिश्र, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह एवं अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

भीषण सड़क हादसे में हुई पॉच लोगों की मौत

- हाईवे पर खड़े कंटेनर से टकराई डीसीएम घटना से मचा कोहराम
- मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने उच्चाधिकारियों के निर्देश पर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

दुर्घटनाग्रस्त डीसीएम से शवों को निकालती पुलिस।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े कंटेनर से डीसीएम के टकरा जाने से चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी इलाज दौरान मौत हो गई। घटना की खबर पर लोगों की भीड एकत्र हो गई। पुलिस ने घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को देकर शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेजा है।

शुक्रवार की सुबह जुनैदपुर कट पर दिल्ली से तीव्र गति से कानपुर की ओर जा रही डीसीएम हाईवे के किनारे खड़े कंटेनर में जा घुसी जिससे डीसीएम में सवाल मछली शहर जौनपुर निवासी विपिन पुत्र बृजलाल, रमई अमेठी निवासी 23 वर्षीय सोनू शर्मा पुत्र ओमप्रकाश बरियार, शाहगढ़ अमेठी निवासी 22 वर्षीय प्रशांत सिंह पुत्र पवन सिंह एवं सरेसर जगदीशपुर अमेठी निवासी संतोष की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि घटना में गंभीर रूप से घायल जौनपुर निवासी पवन कुमार पुत्र लाल जी की इलाज दौरान मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक ने दूरभाष पर पुलिस अधीक्षक सहित उच्चाधिकारियों को अवगत कराकर सभी मृतकों के पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा है जबकि घायल पवन कुमार को अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां इलाज दौरान मौत हो गई। कंटेनर चालक जगदीश सिंह पुत्र बूटा सिंह निवासी सराबा फरीदपुर पंजाब ने बताया कि वह पंजाब से लेदर लाकर कोलकाता जा रहा था डीजल खत्म होने के कारण गाड़ी बंद हो गई थी। वह राहगीरों से पूछ ही रहा था कि तभी अनियंत्रित गति से आ रही डीसीएम पीछे से टकरा गई। समाचार लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज नहीं हो सका था।

सामुदायिक भवन ईको पार्क से शहीद स्मारक तक निकाली गयी शहीद स्मृति रैली

- सीएम के संबोधन व काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के शुभारंभ के प्रसारण को देखा एवं सुना

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के नेतृत्व में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के शुभारंभ के अवसर पर सामुदायिक भवन ईको पार्कए शहीद स्मारक ईको पार्क में देश भक्ति पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधान परिषद सदस्य अविनाश सिंह चौहानए रसूलाबाद विधायक पूनम संखवार उपस्थित रही। कार्यक्रम अन्तर्गत बेसिक शिक्षा विभागए माध्यमिक शिक्षा विभाग के छात्र.छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति कर वीरसपूतों को नमन किया गया।

सामुदायिक भवन ईको पार्क से शहीद स्मारक तक शहीद स्मृति रैली निकाली, राज्यमंत्री, विधायकगण, डीएम, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी अन्य अधिकारीगण, छात्र.छात्रायें सम्मलित रहें। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के द्वारा शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलिए माल्यार्पण कर शहीदों के नाम वृक्षारोपण किया गया। तिरंगें गुब्बारों को भी छोड़ा गया। शहीद स्मारक पर एनसीसी कैडेट्स, माध्यमिक विद्यालय के छात्र.छात्राओं द्वारा बैण्डवादन भी किया गया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला अपने संबोधन में वीर सपूतों को नमन करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में अनेकों वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दे दीए आज हमें उन्हें याद करने का अवसर है, हमें उनके द्वारा बताए गए मार्गोंए उनके द्वारा देखें गये सपनोंए उनके आदर्शो को साकारित करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने वतन से बढ़कर कुछ भी नही होता।

क्विक न्यूज

घर में सो रहे युवक की गला दबाकर हत्या

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के गोहरारी गांव में शुक्रवार की सुबह एक युवक की घर पर ही गला दबाकर निर्मम हत्या कर दी गई। चर्चाओं में पत्नी का पड़ोसी से प्रेम प्रसंग था। जिसके चलते आए दिन दोनों के बीच कहासुनी होती थी। जिसके चलते इस हत्याकांड को अंजाम दिया जाना सामने आ रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। गोहरारी गांव निवासी कल्लू पुत्र आरिफ 35 वर्ष का आए दिन पत्नी मेहनाज के बीच अक्सर कहासुनी हुआ करती थी। गुरुवार को भी रात्रि में कहासुनी के बाद झगड़ा हुआ था। इसके बाद दोनों घर में सो गए। सुबह जब हुई तो कल्लू मृत अवस्था में मिला। मृतक की पत्नी और घर पर रह रही मेहनाज की दो बहनें चिल्ला कर रोने लगी तो आस पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। मौके में पहुंची चांदपुर पुलिस फोर्स सहित मृतक के शव को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक टीम को बुलाया। टीम घंटो जाँच करती रही जाँच के बाद शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटनास्थल पर गांव के लोगों का हुजूम लग गया। स्थानीय लोगों में तरह तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। लोगों ने बताया कि मृतक और उसकी पत्नी के बीच रोज कहासुनी होती थी। मृतक की पत्नी का पड़ोस के एक व्यक्ति से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पत्नी के ऊपर प्रेमी संग मिलकर मारने के आरोप लग रहे थे, मौत का कारण अभी स्पष्ट नही हो पाया है। फॉरेंसिक टीम और पुलिस जाँच कर रही है। चांदपुर थाना प्रभारी राजेन्द्र सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पायेगा।

महाकाल मन्दिर में तक्षक नाग चंद्र मौलेश्वर की पूजा की गई

फर्रुखाबाद। श्री महाकाल मंदिर सावन शुक्ल पक्ष नाग पंचमी पर महाकाल मंदिर में वर्ष में एक बार आम दर्शन के लिए प्रति वर्ष नाग पूजा की जाती है यहां पर तक्षक नाग मौलेश्वर की प्रतिमा 9 फन्नो पर शिव पार्वती गणेश की प्रतिमाएं अद्वितीय है, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर पहला तक्षक नाग मौलेश्वर मन्दिर है एवं द्वितीय मन्दिर फर्रुखाबाद स्थित तक्षक नाग मौलेश्वर महाकाल मंदिर में अनेक क्षेत्रों के श्रद्धालु यहां कालसर्प दोष की पूजा करने आते हैं। यहा पर भक्त चांदी के नाग नागिन का जोड़ा कालसर्प दोष एवं अन्य किसी पर ही प्रकार के दोष के निवारण हेतु वर्ष में एक बार नाग प्रतिमा को स्पर्श करने के लिए आते हैं भक्त दूध, दही, शहद, बेलपत्र, धतूरा, मंदार के पुष्पों के साथ दूध जलेबी सूतफहनी चढ़कर महाकाल को प्रसन्न कर मनोवाछित इच्छाओं की पूर्ति करने के लिए महाकाल मंदिर स्थित नाग पूजा के लिए आते हैं। आज प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में वैदिक रीति एवं महामृत्युंजय महामंत्र के उद्घोष के साथ मंदिर की प्रमुख साध्वी अर्चना दीक्षित ने दीप प्रज्वलित कर तक्षक नागचंद्र मौलेश्वर का पूजन भक्तों के कल्याण हेतु किया।

बंधक बनाकर पीटने से युवक ने आत्महत्या का किया प्रयास

राठ (हमीरपुर)। मझगवां थाने के नौरंगा गांव में बंधक बनाकर मारपीट करने से आहत युवक ने जहर खा लिया। पत्नी इलाज के लिए सीएचसी ले गई।जहां चिकित्सक ने मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। कोतवाली के सैदपुर गांव निवासी प्रदीप पुत्र इंदल ने बताया कि उसकी ससुराल मझगवां थाने के नौरंगा गांव में है। उसकी पत्नी श्रीदेवी अपने मायके में थी। कुछ दिन पहले पत्नी को लेने ससुराल गया था। आरोप लगाया कि ससुरालियों ने उसे बंधक बनाकर मारपीट की। ससुरालियों की प्रताड़ना से तंग आकर उसने जहर खा लिया है। उसे सीएचसी ले गए। जहां डॉ नरेंद्र ने मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। पत्नी श्रीदेवी ने बताया की सौतेली मां के कहने पर पिता और भाईयों ने मारपीट की है। मझगवां थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि युवक नशे का आदी है। गुरुवार को उनका राजीनामा कराया था। मामले की जांच कराई जा रही है।

सर्पदंश से युवक की मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के कमालपुर गांव निवासी शिवशंकर का पुत्र रमेश खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान उसे जहरीले सर्प ने डस लिया। इसकी जानकारी जब परिजनों को हुई तो थाने के ही उदय सरोज ओझा के पास ले गए। काफी प्रयासों के बाद जब उसकी हालत ठीक न हुई तो उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ला रहे थे। तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

नहर में गिरकर वृद्ध की मौत

फतेहपुर। बकेवर थाना क्षेत्र के मेघनपुर मजरे दूबेपुर गांव निवासी स्व. रामरतन का पुत्र कैलाश नारायण साइकिल से घर जा रहा था तभी गांव के समीप ही स्थित नहर बंबी के पास अचानक साइकिल सहित गिर पड़ा, जिससे उसकी डूबकर मौत हो गई। शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

नाग पंचमी पर रिंद नदी नहाने गया बालक डूबा

रसूलाबाद कानपुर देहात। कोतवाली क्षेत्र के चंदानिवादा गांव में नागपंचमी के अवसर पर नदी किनारे परम्परागत त्यौहार मनाने गए एक बालक की रिंद नदी में डूबने से मौत हो गई। बालक नहाते समय नदी में डूब गया था, ग्रामीणों ने नदी में खोजबीन कीए लेकिन बालक का पता नहीं चल सका। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाने का प्रयास किया, लेकिन नदी का तेज बहाव होने के कारण बालक का पता नहीं लग सका। परिजनों का रो.रो कर बुरा हाल है। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के चंदानिवादा गांव में उसे वक्त धड़कन में मच गया जब नाग पंचमी के अवसर पर गुड़िया कूटने गए कार्तिक 6 पुत्र मनोज कुमार रिन्द नदी में नहाते समय डूब गया और उसका कोई पता नहीं चल सका। परिवार में चीख पुकार मच गई और बड़ी संख्या में गांव के लोग रिंद नदी के निकट एकत्र हो गए। नवयुवकों ने नदी में कूदकर उसे खोज पुलिस द्वारा गोताखोर बुलाने के बाद में उसे खोजबीन की समाचार लिखे जाने तक बालक का कोई पता नहीं चला।

नाग पंचमी पर कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ आयोजन पहलवानों ने दिखाया अपना दमखम

- विजेता को दिया गया 250 ग्राम चांदी का गदा

असोथर (फतेहपुर)। नाग पंचमी के अवसर पर नगर पंचायत असोथर के किलापर वार्ड में श्रीराम जानकी दंगल कमेटी द्वारा आयोजित कुश्ती खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, हर वर्ष की भांति नाग पंचमी के अवसर पर कुश्ती खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसके संस्थापक राजेश कुमार, संरक्षक रमेश चंद्र पासवान पूर्व प्रधान, अध्यक्ष अजय कुमार मास्टर साहब के द्वारा करवाया जाता है। दंगल की शुरुआत मुख्य अतिथि नगर अध्यक्ष नीरज सिंह सेंगर व विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधान रमेश चंद्र पासवान द्वारा फीता काट और पहलवानों को माला पहनाकर स्वागत कर किया गया। बारिश के दौरान दंगल में पहलवानों ने अपने बाहुबल और दमखम का जौहर दिखाया। प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कारों से नवाजा गया। इस कुश्ती प्रतियोगिता में आधा सैकड़ा पहलवानों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कुश्ती खेल प्रतियोगिता को देखने के लिए कुस्ती मैदान में बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे और कुश्ती कलाकारों के कर्तव्य कला को देखकर दर्शकों ने ताली बजाकर कुश्ती कलाकारों की हौंसला अफजाई की। विजेता कुस्ती राहुल हरिद्वार और गोल्टा राजस्थान के बीच हुई जिसमें राहुल विजई हुए। सेमी फाइनल मुकाबले में अंकित शाखा व नारायण महोबा के बीच कुश्ती हुई, जिसमे अंकित विजई हुआ। फाइनल विजेता राहुल हरिद्वार को 250 ग्राम चांदी का गदा दिया गया, उपविजेता अंकित को रेंजर साइकिल पुरुस्कार दिया गया। प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को नगर अध्यक्ष नीरज सिंह सेंगर, पूर्व प्रधान रमेश चंद्र पासवान और डॉक्टर मनोज कुमार द्वारा पुरस्कारों का वितरण किया गया। विजेता, उपविजेता, प्रतियोगिताओं को लेकर युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला है।

मासूम बालिका की हत्या के मामले में तीन को उम्र कैद व दस दस हजार रुपये जुर्माना

संवाददाता। हमीरपुर

पंद्रह साल पहले जरिया क्षेत्र में सात साल की बालिका की हत्या कर शव कुएं में फेकने के मामले में शुक्रवार को अदालत ने तीन आरोपियों को उम्र कैद की सजा व दस दस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी है। अभियोजन पक्ष के अनुसार जरिया थाना क्षेत्र के पतखुरी गांव में रंजिशन सात साल के मासूम की हत्या कर शव कुएं में फेंकने के मामले में शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश ;डकैती अनिल कुमार खरवार ने तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। तीनों पर 10.10 हजार का जुर्माना भी किया। मामले में मासूम के पिता ने एक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थीए जांच में दो नाम रिपोर्ट में और शामिल किए गए थे।

सहायक शासकीय अधिवक्ता चंद्रप्रकाश गोस्वामी ने बताया कि गांव के प्रकाशचंद्र सोनी ने 6 जून 2008 को जरिया थाने में तहरीर दी थी कि उसकी सात साल की पुत्री पूजा 2 जून 2008 को दोपहर शौच के लिए गांव के बाहर शिवकुमार सेठ के बाड़े में गई थी। तब से पुत्री लापता है। उसने गांव के देवेंद्र लोधी पर पुत्री को ले जाने का शक जताया था। 18 जून 2008 को गांव के नृपत के सर के कुएं से बच्ची का सड़ा गला शव बरामद हुआ। कपड़ों से पुत्री की शिनाख्त की थी।। पुलिस ने देवेंद्र लोधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की तो हरसहाय दर्जी और प्रमोद कुमार के नाम सामने आए। इसके बाद पुलिस ने तीनों के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में प्रस्तुत किया। शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश ;डकैतीद अनिल कुमार खरवार ने मासूम पूजा की हत्या में देवेंद्र लोधी प्रमोद कुमार व हरसहाय दर्जी को आजीवन कारावास व 10.10 हजार जुमाने की सजा सुनाई।

काकोरी एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर ईको पार्क में राज्यमंत्री एवं विधायकगणों ने किया पौधरोपण

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के मार्गदर्शन में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ शुभारंभ के अवसर पर ईको पार्क माती में शहीदों के परिजनों द्वारा शहीद स्मृति वाटिका में पौधरोपण किया गया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, सदस्य विधान परिषद अविनाश सिंह चौहान, विधायक रसूलाबाद पूनम संखवार, अध्यक्ष नगर पंचायत राजपुर अंशू त्रिपाठी, प्रतिनिधि अध्यक्ष नगर पंचायत अकबरपुर जितेन्द्र सिंह गुड्डन व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ.साथ जिलाधिकारी आलोक सिंह, पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन. व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा अमर शहीदों की स्मृति में शहीद स्मृति वाटिका में पौधरोपण किया गया। राज्यमंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधिगणों द्वारा ईको पार्क माती में स्थापित शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करते हुये, स्मृति स्वरूप पौधरोपण किया। वाटिका में परिजात,

कदम्ब, बॉटलब्रश एवं अर्जुन प्रजातियों के विशिष्ट 100 पौधों का रोपण किया गया है। नागरिकों, स्कूली छात्र छात्राओं एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगणों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग किया गया।

शासन के निर्देशों व डीएम आलोक सिह के मार्गदर्शन में काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी पर विभिन्न स्मारकोंए अमृत सरावरों पर वन विभाग द्वारा आज ही के दिन शहीदों के स्मृति स्वरूप वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। प्रभागीय वनाधिकारी, द्वारा अवगत कराया गया कि वन विभाग द्वारा विशिष्ट अवसरों पर स्थापित किये जा रहे वनों के लिये विभिन्न प्रकार के वृक्षारोपण आयोजन का कार्यए आज से प्रारम्भ किया गया है। आगामी तिथियों में वेटलैण्ड संरक्षण वन की स्थापना 12.08.2024 को, स्वतंत्रता दिवस पर वृक्षारोपण 15.08.2024 को, पवित्र धारा वृक्षारोपण: यमुना एवं उसकी सहायक नदियों के जल संग्रहण क्षेत्र में 17.08.2024 को एवं भाई बहन वृक्षारोपण (रक्षाबंधन वाटिका) 19.08.2024 को विभिन्न स्थलों पर वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे। एडीएम (प्रशासन), एडीएम (न्यायिक), जिला विकास अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी, नगर पंचायत अकबरपुर के साथ संचालन कराने में क्षेत्रीय वन अधिकारी, अकबरपुर व उनकी टीम के साथ क्षेत्रीय वन अधिकारी भोगनीपुर, जिला परियोजना अधिकारी, जिला गंगा समिति, कानपुर देहात व अन्य वन विभाग के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

औचक निरीक्षण में खुली पोलः जिला अस्पताल की दुर्व्यवस्था पर भड़की डीएम

लखीमपुर खीरी। शुक्रवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने जिला चिकित्सालय ओयल का औचक निरीक्षण किया, संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण में जिला अस्पताल की तमाम खामियां खुलकर सामने आईं। गंदे शौचालय से लेकर गंदे चादर तक को डीएम ने स्वयं देखा।करीब एक घंटे तक अस्पताल का निरीक्षण करने के दौरान डीएम कई बार नाराज हुई। उन्होंने अस्पताल के जिम्मेदारों को कड़ी चेतावनी देते हुए तीन दिन में व्यवस्थाएं सुधारने की बात कही।

जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण पर शुक्रवार को सुबह करीब 8ण्50 बजे पहुंची डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने दुर्व्यवस्था देख नाराजगी जाहिर की। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में गंदगी का अंबार लगा था। कई ओपीडी कक्ष में डॉक्टर.कर्मचारी भी नहीं थे। अस्पताल के वार्डों में दुर्व्यवस्था की भरमार मिली। डीएम ने सीएमएस डॉ राज कुमार कोली को कड़ी फटकार लगाई। डीएम ने उपस्थित पंजिकाएं

अपने कब्जे में ली। अनुपस्थित डॉक्टरए पैरामेडिकल स्टाफ का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

डीएम के पूछने पर वार्ड में भर्ती मरीजों ने बताया कि सुबह 09 बजे तक कोई भी डॉक्टर भ्रमण पर नहीं आया है। मरीजों के फाइल पर भी इसका कोई उल्लेख नहीं था। डीएम ने सीएमएस को संबंधित डॉक्टरों से स्पष्टीकरण लेकर अवगत कराने और फाइल पर भ्रमण का नियमित ब्योरा दर्ज करने का निर्देश दिया।

डीएम ने सीएमएस डॉण् आरके कोली से पूछा कि इतनी गंदगी क्यों है। इस तरह के गंदे शौचालय का वह लोग प्रयोग कर सकते हैं। निर्देश दिए कि जबतक शौचालय साफ न हो, तबतक वह चिकित्सको, पैरामेडिकल के लिए बने शौचालयों का प्रयोग करेंगे। सीढ़ियों पर पान की पीक पड़े होने पर नाराजगी जताई। निर्देश दिए कि ऐसा करने वाले से 200 की जगह 2000 का जुर्माना वसूला जाए, ताकि इसकी पुनरावृत्ति ना हो।

निरीक्षण के दौरान अपनी 08 वर्षीय पुत्री रेशमा को रेबीज का दूसरा इंजेक्शन लगवाने अस्पताल पहुंचे ओमप्रकाश से डीएम ने जाना कि इंजेक्शन लगवाने के लिए किसी ने पैसे तो नहीं लिए। जवाब आया नही साहब! पर्चा काउंटर पर कार्मिक राजेंद्र मिश्रा अनुपस्थित मिले। चिकित्सालय में 100 कैपेसिटी की सीटिंग व्यवस्था करने को कहा। चिकित्सालय में रिफ्लेक्टर लाइट वाली साइन एज लगवाने के निर्देश दिए। चिकित्सालय भवन के बाहर तत्काल सीवर टैंक को ढकवाने के निर्देश दिए। एंट्री.एग्जिट प्वाइंट्स पर फ्लोर मैट डलवाए। सीएमएस को निर्देश दिए कि सुबह एक घंटे राउंड लेकर एक.एक मरीज से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करें। रिसेप्शन के पास स्वास्थ्य संबंधी स्वास्थ्य संबंधी आईईसी सामग्री को प्रदर्शित किया जाए। वेटिंग एरिया में सीटिंग अरेंजमेंट को प्रॉपर करवाए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने पर्ची काउंटर, पुरुष सर्जिकल वार्ड, पुरुष ऑर्थो वार्ड, डेंगू वार्ड, इमरजेंसी, ड्रेसिंग रूम, सर्जन कक्षए दवा वितरणकक्ष, इंजेक्शन कक्ष, पैथोलोजी कक्षए ओपीडी कक्ष, जनरल महिला व पुरुष वार्ड, टायलेट मेल व फीमेल, आपातकालीन कक्ष का निरीक्षण किया। डीएम ने निर्देश दिए कि आमजन की सुविधा के लिए प्रवेश द्वार पर नागरिक चार्टर प्रदर्शित किया जाए। सीसीटीवी के साथ पहुंच मार्गों की रोशनी, बड़े पैमाने पर अस्पताल का नाम प्रदर्शित किया जाए। प्रतीक्षालय में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था/स्वास्थ्य संबंधी आईईसी और सुविधा संबंधी जानकारी प्रदर्शित करने के लिए एलसीडी का प्रयोग किया जाये। सभी खिड़कियों में तार की जाली लगायी जाये।

तीन वृद्ध निराश्रित मरीजों की जानी कुशलता, स्वस्थ होने पर भेजे वृद्धाश्रम

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने वार्ड के निरीक्षण के दौरान तीन वृद्ध निराश्रित मरीजों से मुलाकात कर कुशलता जानी। संवाद में पाया कि उनका हाल खबर लेने वाला घर परिवार में कोई नहीं है। इस पर डीएम ने सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता को निर्देश दिए की स्वस्थ होने के उपरांत जिला समाज कल्याण अधिकारी से समन्वय कर तीनों वृद्धजन को वृद्धश्रम भिजवाए।

रिश्वत मामले में ईडी के सहायक निदेशक को 14 तक सीबीआई की हिरासत में भेजा

भाषा। मुंबई

यहां की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक सहायक निदेशक को 14 अगस्त तक सीबीआई की हिरासत में भेज दिया। एक दिन पहले उसे मुंबई के एक जौहरी से 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। विशेष सीबीआई न्यायाधीश एस.पी. नाइक ने ईडी के सहायक निदेशक संदीप सिंह यादव को 14 अगस्त तक जांच एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को यादव को मुंबई के एक सर्राफा कारोबारी से उसके बेटे को धनशोधन मामले में गिरफ्तार करने की धमकी देकर 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। अदालत ने

प्राथमिकी और केस डायरी के अवलोकन के बाद कहा कि इस समय यह मानने के उचित आधार हैं कि आरोप पुख्ता हैं।

सीबीआई के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तीन और चार अगस्त को जौहरी विपुल हरीश ठक्कर के परिसरों पर छापेमारी की थी, जिसके बाद सहायक निदेशक संदीप सिंह यादव ने उन्हें 25 लाख रुपए न देने पर जौहरी के बेटे को गिरफ्तार करने की कथित तौर पर धमकी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि बातचीत के दौरान 20 लाख रुपए की रिश्वत देने पर बात तय हुई। बाद में, ठक्कर ने सीबीआई का रुख किया था। सीबीआई की प्राथमिकी में कहा गया है, स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में शिकायत के सत्यापन से प्रथम दृष्ट्या पता चला कि प्रवर्तन निदेशालय मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक निदेशक संदीप सिंह ने अज्ञात अन्य लोगों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता विपुल ठक्कर के बेटे निहार ठक्कर को गिरफ्तार न करने के लिए स्वयं तथा एक अन्य व्यक्ति के माध्यम से 20 लाख रुपए की रिश्वत प्राप्त करने के लिए आपराधिक षड्यंत्र रचा था। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अधिकारी यादव को एजेंसी की मुंबई इकाई ने राष्ट्रीय राजधानी में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा।

हरियाणा : नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को 20 वर्ष कारावास की सजा

जींद। उत्तर प्रदेश के आगरा में एक अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष कारावास और 22 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना नहीं भरने पर दोषी को दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास में बिताने होंगे। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. चंद्रहास की अदालत ने 21 जून 2023 को 14 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में दोषी को यह सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, शहर थाना इलाके में रहने वाली पीड़िता का पड़ोसी साहिल 20 जून 2023 की रात को उसे बुलाकर अपने घर ले गया, जहां आरोपी ने रातभर उससे दुष्कर्म किया। शहर थाना पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपी साहिल के खिलाफ दुष्कर्म, अपहरण करने, बंधक बनाने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था।

मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण पर रोक नवंबर तक बढ़ाई

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश के क्रियान्वयन पर अपनी रोक नवंबर तक बढ़ा दी, जिसमें मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर की अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर शीर्ष अदालत द्वारा 16 जनवरी को लगाई गई रोक को जारी रखने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने शाही ईदगाह मस्जिद परिसर की न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति दे दी थी तथा इसकी निगरानी के लिए न्यायालय आयुक्त की नियुक्ति पर सहमति व्यक्त की थी।

हिंदू पक्ष का दावा है कि परिसर में ऐसे चिह्न मौजूद हैं जिनसे पता चलता है कि वहां कभी मंदिर था। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्षकारों की ओर से पेश हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि उच्च न्यायालय के पिछले साल 14 दिसंबर के आदेश और मामले में संबंधित आदेशों के खिलाफ शाही मस्जिद ईदगाह प्रबंधन ट्रस्ट समिति की अपील निष्फल हो गई है।

उन्होंने कहा, ए सभी याचिकाएं निरर्थक हो गई हैं, क्योंकि उच्च न्यायालय ने एक अगस्त को अपना आदेश सुना दिया है। जैन ने उच्च न्यायालय के एक अगस्त के आदेश का हवाला दिया, जिसमें उसने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित 18 मामलों की विचारणीयता को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्षकारों की याचिका को खारिज कर दिया था और फैसला सुनाया था कि मस्जिद के धार्मिक चरित्र को निर्धारित करने की आवश्यकता है।

लापता लेडीज की स्क्रीनिंग से पहले आमिर खान सुप्रीम कोर्ट पहुंचे प्रधान न्यायाधीश ने किया स्वागत

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान फिल्म लापता लेडीज की न्यायाधीशों के लिए स्क्रीनिंग से पहले शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय पहुंचे और प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने उनका स्वागत किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं अदालत में भगदड़ नहीं चाहता, लेकिन हम आमिर खान का स्वागत करते हैं, जो फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए यहां आए हैं। निर्देशक किरण राव भी जल्द ही हमारे साथ शामिल होंगी। यह फिल्म ग्रामीण भारत की दो दुल्हनों की हृदयस्पर्शी कहानी है, जिनकी ट्रेन में यात्रा के दौरान गलती से अदला-बदली हो जाती है। इसका निर्माण राव के बैनर किंडलिंग प्रोडक्शंस और खान के बैनर आमिर खान प्रोडक्शंस ने किया है। उच्चतम न्यायालय में शुक्रवार को न्यायाधीशों, उनके परिवारों और रजिस्ट्री के अधिकारियों के लिए यह फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। न्यायालय के प्रशासनिक अनुभाग द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया, भारत के उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75वें वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियों के तहत लैंगिक समानता के विषय पर आधारित फिल्म लापता लेडीज शुक्रवार, नौ अगस्त, 2024 को प्रशासनिक भवन परिसर के सी-ब्लॉक स्थित ऑडिटोरियम में प्रदर्शित की जाएगी। राव ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों के समक्ष फिल्म का प्रदर्शन देखना एक सम्मान की बात है।

अवमानना मामले में याचिका पर बार नेता से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को दिल्ली जिला अदालत की पूर्व न्यायाधीश सुजाता कोहली की उस याचिका पर बार नेता राजीव खोसला से जवाब मांगा जिसमें न्याय प्रशासन में कथित हस्तक्षेप संबंधी अवमानना मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें आरोपमुक्त किए जाने को चुनौती दी गई है। उच्च न्यायालय ने फरवरी में दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसो. (डीएचसीबीए) के पूर्व अध्यक्ष खोसला को अवमानना मामले में आरोपमुक्त कर दिया था, जो कथित तौर पर अदालती कार्यवाही में बाधा डालने को लेकर उनके खिलाफ शुरू किया गया था।

दिल्ली की तीस हजारी अदालत में एक अदालत कक्ष में 30 नवंबर, 2021 को तब अराजकता फैल गई थी जब वकील नारेबाजी करते हुए और टेबल और कुर्सियों के ऊपर खड़े होकर कोहली द्वारा दर्ज कराए गए हमले के मामले में खोसला के खिलाफ सजा पर आदेश की घोषणा का इंतजार कर रहे थे। अगस्त 1994 में खोसला ने उन्हें बाल पकड़कर घसीटा था। घटना के समय वह तीस हजारी कोर्ट में वकील थीं और बाद में दिल्ली न्यायपालिका में न्यायाधीश बन गईं। वह 2020 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुईं। बार नेता के खिलाफ अवमानना का मामला उनका समर्थन करने वाले वकीलों द्वारा की गई कथित अराजकता और बाधा के कारण उत्पन्न हुआ था जब निचली अदालत उनके खिलाफ सजा सुनाने वाली थी। वकीलों की नारेबाजी के बीच निचली अदालत ने खोसला को दोषी ठहराया था और उन्हें निर्देश दिया था कि वह कुल 40,000 रुपए का मुआवजा दें। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कोहली की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह की दलीलों पर ध्यान दिया।

उच्चतम न्यायालय ने नीट-पीजी को स्थगित करने संबंधी याचिका खारिज की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 11 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा को स्थगित करने से इनकार करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह याचिका दायर करने वाले पांच छात्रों के लिए दो लाख छात्रों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकता। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातकोत्तर) (नीट-पीजी) को टालने का आग्रह करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। इसमें दावा किया गया था कि अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि न्यायाधीश कोई अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं।

पीठ ने कहा, हम ऐसी परीक्षा को कैसे स्थगित कर सकते हैं। श्री संजय हेगड़े, आजकल लोग बस परीक्षा स्थगित करने के लिए कहते हैं। यह संपूर्ण दुनिया नहीं है। हम अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं। इसने कहा, सैद्धांतिक रूप से, हम परीक्षा को पुनर्निर्धारित नहीं करेंगे। दो लाख छात्र और चार लाख माता-पिता हैं जो इसे स्थगित करने पर सप्ताहांत में रोएंगे। हम पांच याचिकाकर्ताओं के लिए दो लाख अभ्यर्थियों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकते। हम ऐसा नहीं कर सकते। मेडिकल छात्रों के लिए निश्चितता होनी चाहिए। हम नहीं जानते कि इन याचिकाओं के पीछे कौन है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि नीट-पीजी को पुनर्निर्धारित करने की आवश्यकता है क्योंकि परीक्षा केंद्रों की कमी के कारण अभ्यर्थियों का एक समूह सुबह और दूसरा समूह दोपहर बाद परीक्षा देगा।

उन्होंने पीठ से सभी अभ्यर्थियों के लिए एक समान और निष्पक्ष परीक्षा माहौल सुनिश्चित करने के लिए एक ही बैच में परीक्षा आयोजित करने का निर्देश जारी करने का आग्रह किया। विशाल सोरेन और अन्य द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि अनेक अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं जहां तक पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है। परीक्षा संबंधी शहर 31 जुलाई को आवंटित किए गए थे और विशिष्ट केंद्र आठ अगस्त को घोषित किए जाएंगे। याचिका में कहा गया कि केंद्रों का आवंटन कदाचार पर अंकुश लगाने के लिए किया गया, लेकिन समय की कमी के कारण अभ्यर्थियों के लिए विशिष्ट शहरों की यात्रा की व्यवस्था करना मुश्किल है। नीट-पीजी परीक्षा पहले 23 जून को आयोजित होने वाली थी, लेकिन कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे एहतियाती उपाय के रूप में स्थगित कर दिया था।

न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरीः अटार्नी जनरल बोले, प्रक्रिया जारी है

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि प्रक्रिया जारी है और शीर्ष अदालत के कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित न्यायाधीशों की नियुक्ति को अधिसूचित करने के लिए निर्णय लिए जा रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ एक नई याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कॉलेजियम की इस आशय की सिफारिश के बाद केंद्र को उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति समयबद्ध तरीके से करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने पीठ से कहा, कार्य हो रहा है। प्रक्रिया अच्छी स्थिति में जारी है। मुझे नहीं लगता कि वकीलों को याचिका दायर कर इस अदालत से और अधिक सहयोग की मांग करनी चाहिए। शीर्ष विधि अधिकारी ने इस मुद्दे पर अनेक याचिकाएं दायर किए जाने को लेकर चिंता व्यक्त की। पीठ ने 2023 में हर्ष विभोर सिंघल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। सिंघल ने अपनी याचिका में उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण पर कॉलेजियम की सिफारिशों पर कार्यवाही करने के लिए केंद्र के लिए एक निश्चित समय सीमा तय करने का अनुरोध किया है। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि इसी तरह की याचिका पर पहले न्यायमूर्ति एस. के. कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की थी।

कॉलेज में हिजाब, बुर्का और नकाब पहनने पर पाबंदी लगाने वाले परिपत्र पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हिजाब, बुर्का, टोपी और नकाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने संबंधी मुंबई के एक कॉलेज के परिपत्र पर शुक्रवार को रोक लगा दी और कहा कि छात्राओं को यह चयन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वे क्या पहनें। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इस तरह का परिपत्र जारी करने के लिए एन जी आचार्य और डी के मराठे कॉलेज चलाने वाली चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी को कड़ी फटकार लगाई और पूछा कि क्या वह बिंदी और तिलक पर भी प्रतिबंध लगाएगी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति कुमार ने सोसाइटी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान से पूछा कि इस तरह का परिपत्र जारी करके कॉलेज छात्राओं को कैसे सशक्त बना रहा है। न्यायमूर्ति कुमार ने कहा, महिलाओं को क्या पहनना है, यह बताकर आप उन्हें कैसे सशक्त बना रहे हैं? मुझे लगता है कि जितना कम कहा जाए, उतना अच्छा है। महिलाओं की चयन की स्वतंत्रता कहां है? छात्राओं की यह चयन करने की स्वतंत्रता कहां है कि उन्हें क्या पहनना है? शैक्षणिक संस्थानों को छात्राओं पर यह निर्णय नहीं थोपना चाहिए कि उन्हें क्या पहनना है। दीवान ने दलील दी कि कॉलेज एक सह-शिक्षा संस्थान है और इस निर्देश के पीछे की मंशा यह सुनिश्चित करना है कि छात्रों की धार्मिक आस्था उजागर न हो। वकील ने कहा कि यह परिपत्र हिजाब, बुर्का या नकाब तक सीमित नहीं है, बल्कि फटी जींस और ऐसे अन्य परिधानों तक भी लागू है। इस दलील से पीठ प्रभावित नहीं हुई और न्यायमूर्ति खन्ना कहा, क्या छात्रों के नाम से उनकी धार्मिक पहचान उजागर नहीं होगी?... धर्म उनके नाम में भी है। ऐसे नियम न थोपें। न्यायमूर्ति कुमार ने कहा, आपको अचानक यह तथ्य ज्ञात हुआ है कि वे इसे पहन रहे हैं और आप अचानक निर्देश दे रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। आजादी के इतने साल बाद आपको पता चला है कि इस देश में इतने सारे धर्म हैं। पीठ ने सोसाइटी को नोटिस जारी किया और 18 नवंबर तक उससे जवाब देने को कहा। उसने आदेश दिया, हम विवादित परिपत्र के खंड दो पर आंशिक रूप से रोक लगाते हैं, जिसमें कहा गया है कि परिसर में हिजाब, टोपी या बैज पहनने की अनुमति नहीं होगी। हमें उम्मीद और भरोसा है कि इस अंतरिम आदेश का कोई दुरुपयोग नहीं करेगा। पीठ ने आदेश के किसी भी दुरुपयोग की स्थिति में एजुकेशनल सोसाइटी और कॉलेज को अदालत का दरवाजा खटखटाने की स्वतंत्रता दी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंसाल्वेस और अधिवक्ता अबीहा जैदी ने दलील दी कि परिपत्र के कारण छात्राएं कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो पा रहीं। गोंसाल्वेस ने कहा कि छात्राएं पिछले चार साल से हिजाब पहन रही हैं और अब उन्हें कक्षाओं में आने से रोका जा रहा है। दीवान ने कहा कि मुस्लिम समुदाय की 441 छात्राएं हैं जो खुशी-खुशी कॉलेज में पढ़ रही हैं और उन्हें अपना बुर्का या हिजाब रखने के लिए लॉकर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, इन 441 लड़कियों में से किसी को भी कोई समस्या नहीं थी, सिवाय उन तीन लड़कियों के, जिन्होंने परिपत्र के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने वकील से कहा, आप सही हो सकती हैं, क्योंकि उनमें से कई अलग-अलग पृष्ठभूमि से संबंध रखती हैं। हो सकता है कि कुछ के परिवार के सदस्य उन्हें इसे पहनने के लिए कहें या वे इसे (अपनी इच्छा से) पहनें लेकिन सभी को एक साथ पढ़ने दें। इन नियमों को लागू न करें। न्यायमूर्ति खन्ना ने उनसे कहा, आप इसे ऐसे नहीं बना सकते। इसका समाधान उचित, अच्छी शिक्षा है। हां, आप सही कह सकते हैं कि लड़कियों को कक्षा के अंदर बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दीवान ने अदालत से कहा कि कॉलेज 2008 से अस्तित्व में है और बिना किसी सरकारी सहायता के संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर संस्थान कुछ खास छात्राओं को हिजाब और नकाब पहनने की अनुमति देता है, तो वह दूसरों को भगवा शॉल और अपनी धार्मिक पहचान की प्रतीक अन्य पोशाक पहनकर आने से कैसे रोकेगा। हम एक गैर-राजनीतिक, धार्मिक रूप से तटस्थ संस्थान हैं। हम केवल यह चाहते थे कि हिजाब या नकाब पहनना छात्राओं के लिए बातचीत में बाधा न बने। अदालत से उसकी स्वायत्तता न छीनने का आग्रह किया। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब की अनुमति देने का बड़ा मुद्दा एक बड़ी पीठ के समक्ष विचाराधीन है।

भाजपा नेता ने चंडीगढ़ से मनीष तिवारी के लोकसभा चुनाव को उच्च न्यायालय में चुनौती दी

चंडीगढ़। भाजपा नेता संजय टंडन ने चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी के निर्वाचन को भ्रष्ट प्रकृति के वादे सहित कई आधारों पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। भाजपा उम्मीदवार टंडन को 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के मनीष तिवारी ने 2,504 मतों से हराया। कांग्रेस और आप ने गठबंधन में चुनाव लड़ा था। सांसद के रूप में तिवारी के निर्वाचन को रद्द करने की मांग करते हुए टंडन ने जनप्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम, 1951 के तहत वकील चेतन मित्तल, आशु एम. पंछी और सत्यम टंडन के माध्यम से उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। याचिका के अनुसार, तिवारी और पार्टी कार्यकर्ता विभिन्न प्रकार की चूक और अनियमितता में लिप्त रहे, क्योंकि निर्दोष और गरीब मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए भ्रष्ट प्रकृति के अनेक वादे किए गए थे। याचिका में इन वादों में से कुछ का हवाला देते हुए कहा गया है।

आप सांसद संजय सिंह से जुड़े मामले में अगली सुनवाई 12 अगस्त को

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में स्थानीय सांसद-विधायक अदालत में आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक अनूप संडा आदि आरोपियों से जुड़े मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। विशेष न्यायाधीश के अवकाश पर होने और संसद सत्र की कार्यवाही संचालित होने से मामले की सुनवाई स्थगित कर दी गई। सांसद संजय सिंह के अधिवक्ता मदन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को उपरोक्त मामले में पेशी थी और संजय सिंह को इस मामले में अदालत में आना था लेकिन संसद सत्र चलने के कारण संजय सिंह की व्यस्तता के कारण मैंने अदालत में प्रार्थना पत्र देकर समय मांग लिया।

विशेष लोक अभियोजक वैभव पांडेय ने बताया कि मामले की सुनवाई के लिए 12 अगस्त की तारीख तय की गई है। पांडेय के अनुसार, सुलतानपुर की सांसद-विधायक अदालत ने जनसमस्या और बिजली संकट को लेकर सड़क जाम और धरना-प्रदर्शन करने के मामले में दोषी ठहराए जा चुके आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह और समाजवादी पार्टी (सपा) नेता अनूप संडा समेत छह दोषियों की अपील निरस्त करते हुए उनकी डेढ़ माह कैद की सजा को कायम रखा है।

वैभव पांडेय ने बताया कि दोषियों की अपील पर सुनवाई करते हुए विशेष सत्र न्यायाधीश (सांसदाविधायक) एकता वर्मा ने मंगलवार को यह आदेश दिया था। 19 जून 2001 को बिजली बदहाली के विरोध में तत्कालीन लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नेता (पूर्व विधायक) अनूप संडा के नेतृत्व में शहर की सब्जी मंडी के निकट ऊपरगामी पुल के पास धरना प्रदर्शन दिया गया था जिसमें संजय सिंह, पूर्व सभासद कमल श्रीवास्तव, पूर्व सभासद विजय, अन्य संतोष, सुभाष चौधरी आदि शामिल हुए थे।

घाटकोपर होर्डिंग हादसे में अदालत ने विज्ञापन कंपनी के निदेशक की याचिका खारिज की

भाषा। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने घाटकोपर में होर्डिंग गिरने संबंधी मामले में विज्ञापन कंपनी के गिरफ्तार निदेशक भावेश भिंडे की उस याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दी, जिसमें उसने दावा किया था कि वह एक दैवीय घटना थी और उसकी गिरफ्तारी अवैध है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने कहा कि उन्हें इस मामले में किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया में कोई कानूनी खामी नहीं मिली है। अदालत ने कहा, हमें कानूनी रूप से कोई खामी नहीं मिली है। गिरफ्तारी और हिरासत को अवैध बताने के लिए याचिकाकर्ता ने जो आधार पेश किया है उसमें कोई दम नहीं है और झूठा है। प्रक्रिया में कोई खामी नहीं है। याचिका खारिज की जाती है।

पीठ ने कहा कि प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय अपरिहार्य व संविधान के माध्यम से मान्यता प्राप्त है और इनमें किसी भी सूरत में कोई दोष नहीं हो सकता। भिंडे ने उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध करते हुए दावा किया था कि 13 मई को हुई घटना एक दैवीय घटना थी और उसके इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाए। भिंडे पर गैर इरादतन हत्या का आरोप है और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। उसने अपनी याचिका पर सुनवाई पूरी होने तक अंतरिम जमानत पर रिहा किए जाने का अनुरोध किया था।

घाटकोपर इलाके में 13 मई को ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड का विशालकाय होर्डिंग गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई थी और 70 से अधिक लोग घायल हो गए थे। आरोपी भिंडे इस कंपनी का निदेशक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से 12 मई को जारी बुलेटिन का हवाला देते हुए भिंडे ने दावा किया था कि होर्डिंग गिरना एक दैवीय घटना थी।

याचिका में कहा गया है, आईएमडी के बुलेटिन में उस दिन मुंबई में आई तेज हवाएं चलने और धूलभरी तेज आंधी आने का पूर्वानुमान नहीं जताया गया था। होर्डिंग अनुचित और दोषपूर्ण तरीके से लगाए जाने के कारण नहीं बल्कि तेज हवाओं और धूलभरी आंधी के कारण ढही। याचिका में दावा किया गया है कि 96 किलोमीटर तक की रफ्तार की अनापेक्षित व अभूतपूर्व हवा की वजह से होर्डिंग गिरी और यह एक ऐसी घटना थी जिसके लिए न तो ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और न ही उसे जवाबदेह ठहराया जा सकता है। याचिका में कहा गया है कि होर्डिंग सभी आवश्यक अनुमति हासिल करने के बाद लगाई गई थी।

पेज 1 का शेष

सिसोदिया को ...

में जहां वह लगातार तीसरी बार कार्यकाल की तलाश में है और 2015 और 2020 के समान प्रदर्शन का लक्ष्य रख रही है जब उसने क्रमश: 67 और 62 सीटें जीती थीं। न्यायमूर्ति गवई ने निचली अदालतों से सवाल पूछते हुए कहा, 18 महीने की कैद... सुनवाई भी शुरू नहीं हुई है और अपीलकर्ता को त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित कर दिया गया है। अपीलकर्ता को असीमित समय तक सलाखों के पीछे रखना मौलिक अधिकार से वंचित कर देगा। अपीलकर्ता की समाज में गहरी जड़ें हैं... भागने की कोई आशंका नहीं है। वैसे भी... शर्तें लगाई जा सकती हैं। ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट को इस पर उचित महत्व देना चाहिए था। अदालतें भूल गई हैं कि सजा के रूप में जमानत को नहीं रोका जाना चाहिए। सैद्धांतिक जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद है...। अदालत ने लंबी अवधि की बात स्वीकार करते हुए कहा कारावास की स्थिति अस्थिर थी।

भारत-बांग्लादेश ...

विकास) एलपीएआई, और एलपीएआई के सचिव हैं। बीएसएफ ने बांग्लादेश से सटी सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है। सुरक्षा एजेंसियों ने कथित तौर पर बीएसएफ को चेतावनी दी है कि बांग्लादेश की जेलों से आतंकवादियों सहित कई कैदी भाग गए हैं और भारत में घुसपैठ करने का प्रयास कर सकते हैं। बीएसएफ ने 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले स्थानीय लोगों से विशेष रूप से रात के दौरान सीमांत क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही नहीं करने को कहा है।संसद को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर स्थिति पर नजर रख रही है। बृहस्पतिवार को बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ लेने वाले मुहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति के जल्द सामान्य होने की उम्मीद जताई और उस देश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा की मांग की। मोदी ने अपने संदेश में कहा, प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस को उनकी नई जिम्मेदारियां संभालने पर मेरी शुभकामनाएं। हम हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सामान्य स्थिति में जल्द वापसी की उम्मीद करते हैं। भारत साझा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बांग्लादेश के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश में हाल के सप्ताहों में अशांति देखी गई। छात्रों के आरक्षण विरोधी प्रदर्शन से शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शन में पुलिस कर्मियों सहित 500 से अधिक लोग मारे गए।

दिल्ली-एनसीआर...

जाता है। कश्मीरी गेट आईएसबीटी, लक्ष्मी नगर, दिल्ली गेट, आईटीओ, जखीरा, कनॉट प्लेस, चिराग दिल्ली, सैनिक फार्म, हौज खास, एम्स, मिंटो ब्रिज, मुंडका और संगम विहार सहित शहर के कई हिस्सों से जलभराव और यातायात जाम की सूचना मिली है। .सैनिक फार्म में अकेली रहने वाली एक कामकाजी महिला शैली ने शिकायत की कि बारिश ने शहर में नागरिक अधिकारियों की विफलताओं को उजागर कर दिया है और वह 10 मिनट की दूरी दो घंटे में तय करती है। शेख सराय से खानपुर तक घर पहुंचने के रास्ते में अनियमित यातायात है। मैं देखता हूं कि कोई ट्रैफिक पुलिस यातायात को नियंत्रित करने की कोशिश नहीं कर रही है, जबकि ऐसे जाम को रोकने के लिए जलजमाव वाली सड़कों पर कोई पंपिंग नहीं की जाती है। यह बहुत निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बार-बार बिजली कटौती भी एक बड़ी समस्या है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, नजफगढ़ में 6.5 मिमी, आयानगर में 5.8 मिमी, दिल्ली विश्वविद्यालय में 3.5 मिमी, लोदी रोड में 2.7 मिमी, पालम में 42 मिमी, रिज में 4 मिमी, सफदरजंग में 3 मिमी, पीतमपुरा में 1.5 मिमी, पूसा में 4.5 मिमी बारिश दर्ज की गई।, मयूर विहार में सलवान पब्लिक स्कूल में सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में 1 मिमी बारिश हुई।

केंद्र ने...

रहा था। नागरिकता (संशोधन) नियमों 2024 के पहले खंड में कहा गया है, कोई भी दस्तावेज़ जो दर्शाता है कि आवेदक के माता-पिता या दादा-दादी या परदादा में से कोई भी तीन देशों यानी अफगानिस्तान या बांग्लादेश या पाकिस्तान में से किसी एक का नागरिक है या रहा है।अपने नवीनतम स्पष्टीकरण में, गृह मंत्रालय ने कहा, यह स्पष्ट किया जा सकता है कि अनुसूची -1 ए की क्रम संख्या 8 के तहत दस्तावेजों में केंद्र सरकार / राज्य सरकार / भारत में किसी भी न्यायिक या अर्ध न्यायिक निकाय द्वारा जारी किया गया कोई भी दस्तावेज शामिल हो सकता है। भूमि रिकॉर्ड, न्यायिक आदेश आदि के रूप में, यह पहचानना या प्रतिनिधित्व करना कि आवेदक या माता-पिता या दादा-दादी या परदादा अफगानिस्तान या बांग्लादेश या पाकिस्तान के नागरिक थे। इसमें कहा गया है, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) के तहत किसी भी नागरिकता आवेदन पर निर्णय लेते समय उपरोक्त स्पष्टीकरण पर ध्यान दिया जा सकता है। सीएए को दिसंबर 2019 में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से प्रताड़ित हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई प्रवासियों को भारतीय राष्ट्रीयता प्रदान करने के लिए अधिनियमित किया गया था, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए थे।

आईएसआईएस ...

था क्योंकि वह और उसके सहयोगी दिल्ली के कई वीआईपी इलाकों की रेकी कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि वह दिल्ली-एनसीआर स्थित कुछ वीआईपी लोगों पर संभावित हमले की तैयारी कर रहा था और उससे पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल थाने ने एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली के दरियागंज के रहने वाले अली को स्पेशल सेल की एक टीम ने रात करीब 11 बजे दिल्ली-फरीदाबाद सीमा से मिली एक गुप्त सूचना पर बायोडायवर्सिटी पार्क के पास गंगा बक्श मार्ग से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से .30 बोर की एक स्टार पिस्टल व तीन जिंदा कारतूस समेत एक अवैध असलहा बरामद हुआ। इसके अतिरिक्त, उसके पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए और अधिकारी उसकी गतिविधियों और संभावित सहयोगियों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इन बरामद उपकरणों के डेटा का विश्लेषण कर रहे हैं। अक्टूबर 2023 में स्पेशल सेल ने शाहनवाज और मोहम्मद अरशद वारसी समेत आईएसआईएस पुणे मॉड्यूल के सात आतंकियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी में शामिल रिजवान दो अन्य लोगों के साथ फरार हो गया। एनआईए ने अन्य लोगों के साथ उस पर भी इनाम रखा था और लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी।आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के साथ रिजवान की संलिप्तता के कारण पहले ही उस पर सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। रिजवान के पिछले दो मामलों में एक मुंबई में आर्म्स एक्ट, महाराष्ट्र पुलिस एक्ट और यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज है, जबकि दूसरा दिल्ली में विस्फोटक अधिनियम की धाराओं के तहत दर्ज है। दोनों की जांच फिलहाल एनआईए कर रही है।वांछित आतंकवादी की गिरफ्तारी के मद्देनजर, पुलिस ने दिल्ली भर में अपने सुरक्षा उपाय तेज कर दिए हैं, जिसमें विभिन्न स्थानों पर आईएसआईएस और अल कायदा से जुड़े आतंकवादियों के पोस्टर लगाना भी शामिल है।हालाँकि, यह सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है और पंजाब में भी किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए इसी तरह के उपाय किए जा रहे हैं।

मां के ...

उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नीरज भारत के सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक हैं, जिन्होंने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, डायमंड लीग, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों सहित हर टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। कमलेश ने कहा, तोक्यो के बाद रजत के अलावा कोई पदक नहीं बचा था, उसकी भी जरूरत थी इसलिए उसे मिल गया। उन्होंने कहा कि नदीम के बड़े प्रयास (92.97 मीटर) के बाद परिवार को अंदाजा था कि नीरज के स्वर्ण जीतने की संभावना कम हो गई है। उन्होंने कहा, नदीम के थ्रो के बाद हमें लग रहा था (कि वह स्वर्ण जीतेगा) लेकिन वह भी हमारा बेटा है, हम उसके लिए खुश हैं। वह एशिया का बेटा है। हम नदीम और नीरज के बीच अंतर नहीं करते। दोनों ने स्वर्ण और रजत हासिल किया है और हम बहुत खुश हैं।

रास में जया बच्चन ने सभापति धनखड़ के लहजे पर जताई आपत्ति

सदन में हुआ हंगामा

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ के बोलने के लहजे पर आपत्ति जताई जिसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। सभापति ने विपक्ष को मर्यादित आचरण करने के लिए कहा वहीं विपक्षी सदस्यों ने अपनी बात रखने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया।
उच्च सदन में शून्यकाल समाप्त होने और प्रश्नकाल शुरू होने से पहले कांग्रेस के सदस्यों ने कहा कि कुछ दिन पहले भाजपा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में सदन में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और इस बारे में सभापति ने कहा था कि वह अपनी व्यवस्था देंगे। क ांग्रेस सदस्यों ने दावा किया कि तिवाड़ी का लहजा और उनके शब्द संसद की गरिमा के अनुरूप नहीं थे। इसी मुद्दे पर आसन की अनुमति से द्रमुक सदस्य तिरुचि शिवा ने अपनी बात रखी और फिर सभापति ने सपा सदस्य जया बच्चन के अनुमति मांगने पर उनसे बोलने को कहा। मैं जया अमिताभ बच्चन यह बोलना चाहती हूं। मैं कलाकार हूं, बॉडी लैंग्वेज समझती हूं, एक्सप्रेशन (भाव भंगिमा) समझती हूं। और महोदय, मुझे माफ कीजिएगा। मगर आपका टोन जो है, यह स्वीकार्य नहीं.... ।

विपक्षी दलों के सदस्य आत्मनिरीक्षण करें

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों के सदन से बहिर्गमन करने पर अफसोस जताते हुए कहा कि उन्हें गहराई से आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। इससे पहले विपक्षी सदस्यों ने अपनी बात रखने की अनुमति नहीं देने का आसन पर आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन किया था। सभापति ने कहा कि सदन में आज जो दृश्य बना, उसका पूरा सदन गवाह बना और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा सहित वरिष्ठतम सदस्यों ने इस संबंध में अपनी पीड़ा व्यक्त की। धनखड़ ने कहा, मैंने सदन की कार्यवाही इस बात को ध्यान में रखते हुए स्थगित की ताकि सदन सभी सदस्यों के उपस्थित होने पर ही बेहतर ढंग से कार्य किया जा सके। सदन के प्रत्एक सदस्य ने संविधान के तहत शपथ ली है।

आसन के अधिकार को चुनौती नहीं दी जानी चाहिएः रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि प्रत्एक सांसद को संसदीय नियमों और परंपराओं का पालन करना चाहिए तथा सभापति के अधिकार को चुनौती नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी विपक्ष द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पर पक्षपात के आरोप लगाए जाने के बाद की। रीजीजू ने कहा कि वह आसन से जुड़े मामले पर टिप्पणी नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि कुछ भी ऐसा नहीं होना चाहिए जो आसन के अधिकार को चुनौती देने जैसा हो। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम नियमों और स्थापित परंपराओं से बंधे हैं। प्रत्एक सदस्य को उनका पालन करना चाहिए। मुझे लगता है कि अगर अनुचित चीजें हुई हैं तो हम सभी आत्मनिरीक्षण करेंगे।

माकपा के दिग्गज नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

भाषा। कोलकाता

कोलकाता में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को हजारों लोगों ने लंबी कतार में खड़े होकर पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को अंतिम श्रद्धांजलि दी। शोक व्यक्त करने वालों में से कई पार्टी समर्थक थे, वहीं कुछ ऐसे भी थे जो मार्क्सवादी विचारधारा को नहीं मानते, लेकिन ऐसे व्यक्ति के प्रति सम्मान प्रकट करने आए थे जिसे उनकी सादगी और साफगोई के लिए जाना जाता था। मार्क्सवादी नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य का बृहस्पतिवार को यहां उनके निवास पर 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। भट्टाचार्य को साम्यवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगिकीकरण के लिए उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। शोक संतप्त लोगों में से कुछ ने नम आंखों से जबकि कईयों ने मुट्ठी बांधकर लाल सलाम के जरिए भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी। इनमें कई लोग भट्टाचार्य की तस्वीरें भी लिए हुए थे। भट्टाचार्य के पार्थिव शरीर को पार्टी के लाल झंडे में लपेटकर माकपा के प्रदेश मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। भट्टाचार्य के पार्थिव शरीर को कांच के एक ताबूत में रखा गया था जिसके चारों ओर फूल रखे हुए थे। माकपा के वरिष्ठ सदस्यों के साथ-साथ अनुभवी नेताओं से लेकर युवा नेताओं ने भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी।

हिमाचल के शिमला में स्क्रब टाइफस से पहली मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला शहर में स्क्रब टाइफस से पहली मौत होने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पंथाघाटी इलाके के 91 वर्षीय एक व्यक्ति की यहां इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में स्क्रब टाइफस के इलाज के दौरान मौत हो गई। स्क्रब टाइफस एक संक्रामक बीमारी है जो ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी नामक जीवाणु के कारण होती है। इससे चकत्ते, बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द और अन्य समस्याएं होती हैं। अधिकारियों ने बताया कि व्यक्ति दो अगस्त को स्क्रब टाइफस से संक्रमित पाया गया था और उसका उपचार किया जा रहा था। बुधवार को उसकी मौत हो गई। शिमला के आईजीएमसी में अब तक स्क्रब टाइफस के 44 मामले सामने आ चुके हैं।

अवीवा बीमा उद्योग में नया बदलाव लाने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत की सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनी अवीवा लाईफइंश्योरेन्स ने आज दो इन्श्योरेन्स प्लान्स. अवीवा सिग्नेचर इन्वेस्टमेन्ट प्लान. प्लेटिनम और एन्हान्स्ड अवीवा सिग्नेचर 3डी टर्म प्लान विद प्रीवेन्टिव वैलनैस पैकेज. के साथ अपनी प्रमुख सिग्नेचर सीरीज़ का विस्तार किया है। इस पेशकश के साथ अवीवा अपने प्रोडक्ट्स में प्रीवेन्टिव वैलनैस को शामिल करने वाला पहला ब्राण्ड बन गया है। इस आधुनिक प्रोडक्ट एवं प्रीवेन्टिव वैलनैस पैकेज का लॉन्च असित रथ सीईओ एवं एमडीए अवीवा इंडिया द्वारा गुरूग्राम स्थित द लीला एम्बिएन्स में किया गया। इस अवसर पर नोइस के सह.संस्थापक अमित खत्री फिटरोफाय के सीईओ पुनीत मनचंदा, डीआरस्टोर के मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज कटारे भी मौजूद रहे, जिनके सहयोग से प्रीवेन्टिव वैलनैस पैकेज तैयार किया गया है। इस अवसर विनीत कपाही हैड ऑफ मार्केटिंग मौजूद रहे।

हैण्डलूम दिवस का जश्न मना

मुंबई। परम्परा और आधुनिक स्टाइल का तालमेल बनाते हुए टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने नेशनल हैण्डलूम दिवस के उपलक्ष्य में अपने खादी कलेक्शन को गर्व के साथ प्रस्तुत किया। भारत के प्राचीन अतीत से प्रेरित खादी सदियों और पीढ़ियों के दौरान लगातार विकसित हुई है। प्राचीन सिंधु सभ्यता से लेकर जहां इसे कुशल हाथों से बुना जाता था, खादी ने लम्बा इतिहास देखा है। आजादी की लड़ाई के दौरान यह आत्मनिर्भरता और प्रत्यास्थता का प्रतीक बन गई। इनोवेशन को बनाए रखते हुए तनाएरा ने अपने खादी कलेक्शन में 'इम्प्रेशन प्रिंटिंग' तकनीक को शामिल किया है, जो प्रकृति की कलाकारी और आधुनिक सौंदर्य का आकर्षक संयोजन है। प्रकृति एवं रेट्रो-इम्प्रेशन से प्रेरित इस कलेक्शन को पत्तियों के प्रिंट, ब्लॉक प्रिंट, हैण्ड पेंट और बुनाई से सजाया गया है। तनाएरा के सीईओ अम्बुज नारायण ने कहा, "हमारा मानना है कि खादी सिर्फ एक फैब्रिक नहीं बल्कि हमारे देश की भावना का प्रतीक भी है। सभी सभ्यताओं में खादी का विशेष महत्व रहा है, जो सांस्कृतिक धरोहर के समृद्ध ताने-बाने को दर्शाती है।

फोनपे ने लाइफ इंश्योरेंस को बनाया आसान

मुंबई। फोनपे ने आज अपने प्लेटफॉर्म पर प्री-अप्रूव्ड टर्म लाइफ इंश्योरेंस फीचर लॉन्च करने की घोषणा की। इस फीचर का उद्देश्य पॉलिसी खरीद के समय इनकम प्रूफ की जरुरत को खत्म करके लाखों भारतीयों के लिए इंश्योरेंस कवरेज को अधिक आसान और किफायती बनाना है। इस लॉन्च के साथ, फोनपे इंश्योरेंस प्रोडक्ट लेने में उसे आसान बनाकर भारत में वित्तीय रूप से कमजोर वर्ग के लिए एक नया अध्याय शुरू कर रहा है, जिससे लोगों को परेशानी मुक्त आय को वेरिफिकेशन किए बिना जल्द और आसानी से लाइफ इंश्योरेंस लेने की सुविधा मिलेगी। कंपनी ने अपने प्लेटफॉर्म पर इस सुविधा को शुरू करने के लिए प्रमुख इंश्योरेंस कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की है। लॉन्च पर बात करते हुए, फोनपे इंश्योरेंस ब्रोकिंग सर्विसेज के सीईओ विशाल गुप्ता का कहना है कि,हम अपने प्लेटफॉर्म पर 'प्री-अप्रूव्ड सम एश्योर्ड फीचर के लॉन्च की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं।

सिद्धार्थनगर में बस ने मारी मोटरसाइकिल को टक्कर, महिला एवं बच्ची की मौत

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज क्षेत्र में खीरा मंडी के पास शुक्रवार को एक तेज रफ्तार बस ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे दोपहिया वाहन पर सवार एक महिला और बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। शोहरतगढ़ के सीओ सर्वेश सिंह ने बताया कि त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में तरहर ग्राम सभा निवासी प्रतीक गिरि अपनी बहन किरन गिरि (31) और तीन वर्षीय भांजी सिद्धि को लेकर मोटरसाइकिल से अपने गांव जा रहा था, तभी डुमरियागंज के खीरा मंडी के पास तेज रफ्तार एक बस ने उसके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी।

भाजपा-जदएस नेताओं को मेरा इस्तीफा मांगने का कोई नैतिक अधिकार नही है : सिद्धरमैया

भाषा। मैसुरू (कर्नाटक)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कथित भूमि घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) द्वारा निकाले गए मैसुरू चलो मार्च की शुक्रवार को आलोचना की और कहा कि विपक्षी दलों के किसी भी नेता को उनसे सवाल करने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने लोगों से मनुवादियों को बाहर निकालने का आह्वान किया। कर्नाटक में भाजपा-जद (एस) ने कथित मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण स्थल (एमयूडीए) आवंटन घोटाले के खिलाफ मैसुरू चलो पदयात्रा शुरू की है जो शनिवार को समाप्त होगी। बेंगलुरु से मैसुरू तक की यह यात्रा मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के इस्तीफे की मांग को लेकर की जा रही है। विपक्षी दलों का आरोप है कि एमयूडीए ने उन लोगों को मुआवजे के तौर पर भूखंड वितरित करने में अनियमितता बरती, जिनकी जमीन का अधिग्रहण किया गया है। मुआवजे के तौर पर भूखंड प्राप्त करने वालों में सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती भी शामिल हैं। ऐसा आरोप है कि पार्वती को मैसुरु के एक पॉश इलाके में मुआवजे के तौर पर ऐसा भूखंड आवंटित किया गया, जिसका मूल्य उनकी उस जमीन की तुलना में अधिक था, जिसका एमयूडीए ने अधिग्रहण किया था। सिद्धरमैया ने विपक्ष के आरोपों और उसकी पदयात्रा का जवाब देने के लिए आयोजित विशाल जन आंदोलन सम्मेलन में कहा, नौ अगस्त अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालने के लिए किए गए ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ है। आज हमें सांप्रदायिक, जातिवादी और सामंती लोगों को बाहर निकालना है। हमें उन मनुवादियों, जातिवादियों और सामंतों का विरोध और निंदा करनी है जो पिछड़े और शोषित लोगों को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ : तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

भाषा। बीजापुर,

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में तीन नक्सलियों ने शुक्रवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन तीन में से दो नक्सलियों के सिर पर इनाम था।अधिकारियों ने बताया कि तीन नक्सलियों रमेश फरसा (24), महिला नक्सली मनकी माड़वी (22) और लक्ष्मण पोटाम (22) ने आत्मसमर्पण किया।उन्होंने बताया कि नक्सली रमेश फरसा और मनकी माड़वी के सिर पर आठ-आठ लाख रुपए का इनाम था।अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने माओवादियों की विकास विरोधी भेदभाव पूर्ण नीति, उपेक्षा और जीवन शैली क्षुब्ध होकर आत्मसमर्पण किया।

सीबीआई ने अबूधाबी से वांछित आतंक्वादी को लाने के लिए एनआईए और इंटरपोल के बीच समन्वय किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी तरसेम सिंह को अबूधाबी से यहां लाने के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) तथा इंटरपोल के बीच समन्वय किया और उसके यहां पहुंचने पर उसे गिरफ्तार किर लिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। तरसेम सिंह मोहाली में स्थित पंजाब पुलिस के इंटेलिजेंस मुख्यालय पर आरपीजी हमले और अन्य आतंकी मामलों में वांछित है।

क्विक न्यूज

कोलकाता के अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक का शव पाया गया, परिवार ने दुष्कर्म का आरोप लगाया

कोलकाता। कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल के सेमिनार हॉल में शुक्रवार को एक परास्नातक प्रशिक्षु (पीजीटी) महिला चिकित्सक का अर्ध निर्वस्त्र शव पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृत पाई गई प्रशिक्षु चिकित्सक छाती रोग चिकित्सा विभाग की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी, और बृहस्पतिवार की रात ड्यूटी पर तैनात थी। प्रशिक्षु चिकित्सक के शव पर चोट के निशान मिले है। प्रशिक्षु चिकित्सक के पिता ने आरोप लगाया कि आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अंदर उसके साथ बलात्कार किया गया और इसके बाद उसकी हत्या कर दी गई तथा अब सच्चाई को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रशिक्षु चिकित्सक का शव उसके साथियों ने इमरजेंसी भवन के सेमिनार हॉल से बरामद किया। हम चिकित्सकों, नर्सों और अन्य लोगों से बात कर रहे हैं जो कल रात उसके साथ ड्यूटी पर थे। मामले की जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महिला के माता-पिता को फोन किया और उन्हे दोषियो के खिलाफ उचित कार्वाई का आश्वासन दिया। पीड़ित के पिता ने कहा, मै इस बात से बिल्कुल आश्वस्त हूं कि मेरी बेटी की हत्या करने से पहले उसके साथ बलात्कार किया गया है। उसके शरीर पर चोट का निशान इसका साक्ष्य है। वह अर्ध निर्वस्त्र अवस्था मे मिली है। सच को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। मै नही समझ पा रहा हूं कि वे (अस्पताल अधिकारी) जांच मे विलंब क्यो कर रहे है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

रेट्रो फिटमेंट से बसों में सुरक्षा उपायों को लागू करें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सार्वजनिक बसों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बुनियादी सुरक्षा उपकरणों के अभाव पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुये इंटरनेशनल रोड फेडरेशन के अध्यक्ष के.के. कपिला ने राज्य सरकार से राज्य में बसों के मौजूदा बेड़े में रेट्रो फिटमेंट के माध्यम से फायर अलार्म सिस्टम और फायर प्रोटेक्शन सिस्टम और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपायों को लागू करने की मांग की है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को भेजे गये पत्र में यह मांग उठायी गयी है। उन्होंने साफ कहा है कि राज्य में सड़कों पर चलने वाली बसों में फायर अलार्म सिस्टम, फायर प्रोटेक्शन सिस्टम और सीटबेल्ट जैसे बुनियादी सुरक्षा उपकरणों का अभाव है। इन बसों का उपयोग कम आय वाले और समाज के कमजोर समूहों जैसे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और अन्य लोगों द्वारा किया जाता है। पिछले 3 महीनों में ही, लगभग हर दूसरे दिन, एक बस आग की लपटों में घिर गई है। जिमें कई लोगों की जानें चली गयी। उन्होंने बताया कि बसों में फायर अलार्मसिस्टम (एफएएस) और फायर प्रोटेक्शन सिस्टम (एफपीएस) को लागू करने के लिए केंद्र सरकार और निर्माताओं के बीच चर्चा कम से कम 5 साल पहले शुरू हुई थी, लेकिन बड़े निगमों की मजबूत पैरवी के कारण वास्तविक कार्यान्वयन में देरी हुई है। इन कंपनियों ने अक्टूबर 2023 तक इन अग्नि सुरक्षा प्रणालियों के कार्यान्वयन में सफलतापूर्वक देरी की। समस्या यह है कि केंद्र सरकारकी अधिसूचना बसों के मौजूदा बेड़े को एफएएस और एफपीएस जैसे अग्नि सुरक्षा उपकरणोंके साथ रेट्रोफिट करने के बारे में निर्दिष्ट या स्पष्ट निर्देश नहीं देती है। कारों के विपरीत, दुर्भाग्य से बसों में सीट बेल्ट जैसी बुनियादी सुरक्षा सुविधाओं का भी अभाव होता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय 2022 की रिपोर्ट बताती है कि हर साल बसों में 4000 से अधिक लोग अपनी जान गंवाते हैं और 6790 लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि अन्य देशों में बसों जैसे सार्वजनिक परिवहन के लिए कड़े सुरक्षा मानक हैं, जिसके परिणामस्वरूप दुर्घटना में होने वाली मौतें काफी कम होती हैं।

अकासा एयर के वाणिज्यिक परिचालन के दो साल पूरे

मुंबई। भारत की सबसे तेजी से विकसित होती एयरलाइन, अकासा एयर आज अपनी दूसरी वर्षगांठ मना रही है, जो एविएशन इतिहास में किसी भी भारतीय एयरलाइन द्वारा असाधारण उपलब्धियों को हासिल करने की असाधारण यात्रा को प्रदर्शित करती है। अकासा एयर ने मुंबई से अहमदाबाद के बीच अपनी पहली वाणिज्यिक उड़ान का संचालन किया था, जिसने अपनी सहानुभूति पूर्ण सेवा संस्कृति, भरोसेमंद परिचालन और किफायती किराये के जरिये एक भारतीय एयरलाइन के प्रतिनिधित्व को फिर से परिभाषित किया है। अकासा एयर निरंतर भारत की सबसे अधिक समय पर उड़ान भरने वाली एरयलाइन बनी हुई है। बेहद सकारात्मक ग्राहक प्रतिक्रिया के साथ इसकी परिचालन दक्षता ने इसे अपनी शुरुआत के बाद से भारत में 1.1 करोड़ से अधिक यात्रियों की पसंदीदा एयरलाइन बना दिया है। लोगों, संस्कृतियों और क्षेत्रों को जोड़कर हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के अपने प्रयासों के अनुरूप, अकासा एयर ने तीन अंकों में वृद्धि हासिल की है और वैश्विक एविएशन इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाली एयरलाइन बनी हुई है। इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए, विनय दुबे, संस्थापक और सीईओ, अकासा एयर ने कहा, दो साल पहले, हमने हवाई यात्रा को नए सिरे से परिभाषित करने के उद्देश्य से अपनी यात्रा शुरू की थी, और आज, मैं गर्व से कह सकता हूं कि हमने विश्वसनीयता, सेवा उत्कृष्टता और किफायत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखते हुए अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है। हम भारतीय आसमान में सबसे आरामदायक सीट, तरोताजा इन-केबिन अनुभव और विनम्र क्रू सदस्यों द्वारा प्रदान की जाने वाली अपनी सावधानी से बनाए गए व्यंजनों के साथ एक बेजोड़ उड़ान अनुभव की पेशकश करते हैं। पिछले दो वर्षों में, उच्चतम परिचालन विश्वसनीयता और सबसे कम ग्राहक शिकायतों और रद्दीकरण के साथ हम भारत में ऑन-टाइम परफॉर्मेंस में निरंतर अग्रणी बने हुए हैं।

डेढ़ हजार भक्तों ने एक साथ डमरू बजाकर गिनीज रिकॉर्ड बनाया

उज्जैन। श्रावण मास के पावन महीने में डेढ़ हजार भक्तों ने उज्जैन के शक्ति पथ महाकाल लोक में एक साथ डमरू बजाकर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। यह आयोजन सोमवार को सुबह 11. 30 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति और मध्य प्रदेश सरकार के सांस्कृतिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद उमेशनाथ जी महाराज, सांसद अनिल फि रोजिया, उज्जैन उत्तर विधायक अनिल कालूहेड़ा, घट्टिया विधायक सतीश मालवीय, उज्जैन के महापौर मुकेश टटवाल, उज्जैन नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादवए नगर जिला अध्यक्ष विवेक जोशी और उज्जैन उत्तर विधानसभा संयोजक जगदीश पांचाल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। गिनीज बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने स्थल पर आधिकारिक घोषणा कर इस अद्वितीय कीर्तिमान को मान्यता दी। रिकॉर्ड बनाने के इस प्रयास की परिकल्पना और क्रियान्वयन विश्व रिकॉर्ड सलाहकार निश्चल बरोट द्वारा किया गया। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सभी मानदंड पूरे किए गए हैं।

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के 35 मछुआरों को गिरफ्तार किया, चार नौकाएं जब्त

रामनाथपुरम (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के पंबन के लगभग 35 मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने कथित तौर पर अपने जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप मे गिरफ्तार किया है। मत्स्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पंबन के मछुआरों द्वारा मछली पकड़ने के लिए इस्तेमाल की गई चार देशी नौकाओ को बृहस्पतिवार को जब्त कर लिया गया। उन्होंने बताया कि इन्हें कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) का उल्लंघन करने के आरोप में जब्त किया गया है। मछुआरों को श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी समुद्र मे मन्नार के दक्षिण में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पकड़ा गया। इस दौरान वे कथित तौर पर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे। बाद में उन्हें कल्पितिया मत्स्य अधिकारियो को सौंप दिया गया।

बिरला कॉर्पोरेशन ने कॉन्ट्रैक्टिंग मार्केट में सफलता पाई

कोलकाता। असामान्य रूप से कमजोर सीमेंट की कीमतों और मांग में सुस्ती के साथ.साथ जूट इंडस्ट्री में अभूतपूर्व मंदी ने बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की जून तिमाही की लाभप्रदता को प्रभावित किया है। मॉनसून और अन्य कारकों के चलते सीमेंट की मांग में कमी मुकुटबन यूनिट में क्षमता उपयोग में सुधार के कारणए मात्रा के हिसाब से कंपनी की बिक्री में सिर्फ1 प्रतिशत से भी कम की कमी दर्ज की गई है। इसके साथ ही इसके जूट डिवीजन को जून तिमाही में झटका लगा क्योंकि सरकार ने जूट बैग के ऑर्डर कम कर दिए और शॉपिंग बैग का निर्यात लॉजिस्टिक बाधाओं के कारण बाधित हो गया। जून तिमाही के लिए कंपनी का कंसोलिडेटेड राजस्व 9 प्रतिशत की कमी के साथ 2,207 करोड़ रुपये रहाए जबकि 275 करोड़ रुपये का एबिटिडा पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत कम था। तिमाही के दौरान मात्रा के हिसाब से सीमेंट की बिक्री 4.38 मिलियन टन रही। जो पिछले साल की समान अवधि में 4.41 मिलियन टन थी। इसका मतलब है कि क्षमता उपयोग 91 प्रतिशत है, जो रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की अनुमानित पूरे साल की औसत क्षमता उपयोग 71 प्रतिशत से काफी आगे है।जून तिमाही के लिए प्रति टन 4,820 रुपये की प्राप्ति पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत कम थी। प्रतिकूल बाजार स्थितियों के बीचए बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड को बिजली और ईंधन की लागत में और गिरावट से लाभ हुआए जो साल.दर.साल 20ः और क्रमिक रूप से 8ः गिर गई। फ्यूल मिक्स से अधिक से अधिक लाभ उठाने के साथ.साथए कंपनी ने कुल बिजली खपत में रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी बढ़ाकर 27प्रतिशत कर दी जो पिछले साल की समान अवधि में 23प्रतिशत और मार्च तिमाही में 25प्रतिश थी। कंपनी ने सीमेंट डिवीजन के लिए अपने कच्चे माल की लागत में भी पिछले वर्ष की तुलना में 4प्रतिशत की कमी की है।

भारत और जर्मनी के बीच हरित एवं सतत विकास भागीदारी दीर्घकालिक साझेदारी हैः जर्मन राजदूत

भाषा। नई दिल्ली

भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने कहा है कि जर्मनी-भारत हरित एवं सतत विकास साझेदारी एक दीर्घकालिक भागीदारी है और चांसलर ओलाफ शॉल्ज जब अक्टूबर में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे तो इसके बहुत अच्छे परिणामै सामने आएंगे। एकरमैन ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में जर्मन दूतावास में पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में यह भी कहा कि यह साझेदारी भारत और जर्मनी के बीच मित्रता में प्रगाढ़ता व निकटतौ को दर्शाती है। शॉल्ज और मोदी ने मई 2022 में जर्मन-भारतीय हरित एवं सतत विकास साझेदारी (जीएसडीपी) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य सतत विकास के 2030 के एजेंडे और पेरिस समझौते के उद्देश्यों को हासिल करने की दिशा में विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। एकरमैन ने कहा, भारत और जर्मनी ने हरित और सतत विकास के लिए एक साझेदारी विकसित की है और यह साझेदारी जलवायु परिवर्तन, स्मार्ट सिटी, जैव विविधता समेत कई मामलों से जुड़ी है। आज हम जो जलवायु वार्ताएं कर रहे हैं वे इसी साझेदारी के तहत की जा रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्धः निर्वाचन आयुक्त

भाषा। जम्मू

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।आयोग के प्रतिनिधिमंडल की दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर यात्रा खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कुमार ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों ने जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने का पुरजोर समर्थन किया है।पांच अगस्त, 2019 को संविधान का अनुच्छेद 370 निरस्त कर जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद यहां पहली बार विधानसभा चुनाव कराने के लिहाज से यह एक बड़ी कवायद है। उच्चतम न्यायालय ने 30 सितंबर से पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया है, जिसके मद्देनजर कुमार के नेतृत्व में आयोग के तीन सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र शासित प्रदेश का दौरा किया है। कुमार ने कहा, हम जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि लोग विघटनकारी ताकतों को मजबूती से जवाब देंगे। जब भी चुनाव होंगे हम मतदाताओं की भागीदारी में वृद्धि देखेंगे। चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार एवं एसएस संधू की मौजूदगी में सीईसी ने कहा कि आयोग ने अपनी राज्य स्तरीय समीक्षा पूरी कर ली है और इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र में विधानसभा चुनाव कराने का यह सही समय है। विधानसभा चुनाव की तिथि के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा, हम पिछले संसदीय चुनावों की सफलताओं को बरकरार रखने के लिए तैयार हैं। हम सबसे पहले नई दिल्ली में सुरक्षा बलों की उपलब्धता की समीक्षा करेंगे। उच्चतम न्यायालय की ओर से तय की गई 30 सितंबर की समयसीमा को ध्यान में रखा जाएगा। इसके बाद हम आपको सूचित करेंगे। कुमार ने कहा कि किसी भी राज्य में चुनाव का समय विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, इस साल चार - पांच राज्यों में चुनाव होने हैं, प्रत्एक की अलग-अलग समय सीमा है और हम उसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि 19 अगस्त को अमरनाथ यात्रा समाप्त होने के साथ ही दिल्ली में सुरक्षा स्थिति और बल की जरूरतों का आकलन किया जाएगा। सीईसी के नेतृत्व वाली टीम ने अपनी यात्रा के दौरान श्रीनगर में नौ राजनीतिक दलों - भाजपा, कांग्रेस, आप, बसपा, माकपा, नेशनल कान्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (भीम), और जम्मू-कश्मीर पैंथर्स पार्टी (इंडिया) के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनके विचार जाने। कुमार ने कहा, ए राज्य में मान्यता प्राप्त दल हैं. सभी दलों ने एक सुर में जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण व ऐतिहासिक संसदीय चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग की सराहना की। उन्होंने कहा, उन्होंने स्वीकार किया कि बड़े मत प्रतिशत के साथ मतदान होना ऐतिहासिक उपलब्धि थी, जिसमें कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ा है। जम्मू-कश्मीर में 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं। साल 2018 में पूर्ववर्ती राज्य की विधानसभा भंग होने के बाद 2019 की शुरुआत में चुनाव होने थे। हालांकि, अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विभाजित करके दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के बाद विभिन्न कारणों से विधानसभा चुनाव नहीं हो पाए, जिनमें से एक कारण परिसीमन था, जो 2022 में पूरा हुआ।

मुफ्ती की नियंत्रण रेखा पार व्यापार और बस सेवा फिर से शुरू करने की मांग

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार व्यापार और जम्मू-कश्मीर मे बस सेवा फिर से शुरू करने की शुक्रवार को मांग की। मुफ्ती ने कहा कि यह लोगो के लिए विश्वास बहाली के एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप मे काम करेगा और क्षेत्र मे सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा मे एक कदम होगा। मुफ्ती ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर कहा कि नियंत्रण रेखा के पार व्यापार और यात्रा भारत तथा पाकिस्तान के बीच अब तक का सबसे बड़ा विश्वास-निर्माण उपाय (सीबीएम) रहा है और इसने जम्मू-कश्मीर और (भारतीय) उपमहाद्वीप मे शांति स्थापना के नए रास्ते खोले है, जिनमे आगे बढ़ने पर क्षेत्र मे स्थाई शांति लाने की क्षमता है। जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले मे उरी और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर मे मुजफ्फराबाद के बीच नियंत्रण रेखा पार बस सेवा 2005 मे शुरू की गई थी और इसके बाद 2008 मे उरी और पुंछ के माध्यम से नियंत्रण रेखा पार व्यापार खोला गया। हालांकि, केंद्र ने 2019 मे बस सेवा और व्यापार को रोकदिया था और आरोप लगाया था कि कुछ राष्ट्र-विरोधी तत्व व्यापार की आड़ मे इस मार्ग का इस्तेमाल हवाला धन, मादक पदार्थ और हथियारो की तस्करी के लिए कर रहे है। पीडीपी अध्यक्ष मुफ्ती ने इस मुद्दे पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नियंत्रण रेखा के पार व्यापार से जुड़े व्यापारी संकट मे है और उन्हे कठिनाइयो का सामना करना पड़ रहा है।

बीएसएफ ने जम्मू में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि के आलोक में दोनों राज्यों की सीमा पर सुरक्षा बढ़ाई

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पंजाब फ्रंटियर प्रमुख अतुल फुलजेले ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू मे भारत-पाकिस्तान सीमा पर आतंकवादी घटनाओ में वृद्धि के मद्देनजर बल ने सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए पंजाब-जम्मू अंतरराज्यीय सीमा पर जवानो की संख्या में भारी वृद्धि की है और सीसीटीवी लगाए है। फुलजेले ने यहां फ्रंटियर मुख्यालय मे संवाददाता सम्मेलन मे बताया कि पठानकोट जिले मे अतिरिक्त जवानो को तैनात किया गया है, जो जम्मू से सटा हुआ है। उन्होने कहा, हमने अब यहां पर अतिरिक्त तैनाती बिदुओ के साथ नाके (पोस्ट) स्थापित किए है और बड़ी संख्या मे सीसीटीवी लगाए है। हम इस क्षेत्र मे पूरी तरह सतर्क है। सुरक्षा उपायो मे यह वृद्धि जम्मू क्षेत्र मे आतंकवादी गतिविधियो मे वृद्धि के मद्देनजर की गई है, जिसके कारण पिछले कुछ महीनो मे 20 से अधिक सुरक्षा कर्मियो और नागरिकों ने जान गंवाई है। उन्होने कहा कि हम रावी और सतलुज नदी क्षेत्रो पर भी बड़ी संख्या मै क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाकर अपना दबदबा बना रहे है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही मे ओडिशा से बीएसएफ की दो बटालियन को जम्मू और पंजाब-जम्मू सीमा पर तैनात करने का आदेश दिया है। पंजाब मे मादक पदार्थ की सीमापार से तस्करी के खतरे के बारे मे आईजी ने कहा कि तस्करी अब जमीन के रास्ते नही बल्कि ड्रोन के जरिए हवाई मार्ग से हो रही है। उन्होने कहा कि इस सीमा पर ड्रोन के खतरे के बारे मे उनके विश्लेषण से पता चलता है कि ड्रोन उड़ाना राज्य प्रायोजित तत्वो और अधिकारियो की मौन सहमति और अनुमति के बिनै संभव नही, जो इन नशीले पदार्थो, हथियारो और गोला-बारूद से लदे मानव रहित हवाई वाहनो (यूएवी) को भारत और पंजाब मे भेज रहे है। आईजी ने कहा, पंजाब मे सीमा पार से आने वाले सभी मादक पदार्थ अब ड्रोन के जरिए आ रहे है। फुलजेल ने कहा कि उन्होने यह भी देखा है कि पिछले साल अक्टूबर से बड़े ड्रोन आने बंद हो गए है और अब छोटे ड्रोन, जो बहुत कम आवाज करते है और दिखाई नही देते है, पाकिस्तान से भारत भेजे जा रहे है। आईजी ने कहा कि बीएसएफ ने विश्लेषण किया और ड्रोन का गहराई सै पता लगानै के लिए एक नई रणनीति अपनाई और उन्हे उनके द्वारा गिराए जाने वाले सामान हेरोइन, पिस्तौल और गोलियो के साथ बरामद किया।

रूस ने कुर्स्क में आपातकाल की घोषणा की

यूक्रेन में मॉल पर रूसी हमले में 10 लोगों की मौत

भाषा। कीव

रूस ने कुर्स्क क्षेत्र में स्थिति को संघीय स्तर का आपातकाल घोषित कर दिया और शुक्रवार को वहां अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा। चार दिन पहले सैकड़ों यूक्रेनी सैनिकों के सीमा पार कर आने के बाद यह कार्वाई की गई। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि एक रूसी विमान द्वारा दागी गई मिसाइल दिन में एक यूक्रेन के शॉपिंग मॉल में जा गिरी, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र के कोस्टियनटिनिव्का में स्थित यह मॉल शहर के आवासीय क्षेत्र में स्थित है। हमले के बाद इसके ऊपर घना काला धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। डोनेट्स्क क्षेत्रीय प्रमुख वादिम फिलाशकिन ने एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा, यह भीड़भाड़ वाली जगह पर एक और लक्षित हमला है और रूस द्वारा आतंकवादी कार्वाई का यह एक और कृत्य है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन के सैनिकों द्वारा सीमा पार घुसपैठ का मुकाबला करने के लिए कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त बल भेजे जा रहे हैं। समाचार एजेंसी आरआईए-नोवोस्ती ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से अपनी खबर में बताया कि रूस कई रॉकेट लांचर, तोप और टैंक तैनात कर रहा है। कुर्स्क के कार्यवाहक गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने टेलीग्राम पर कहा, कुर्स्क क्षेत्र में स्थिति मुश्किल बनी हुई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को इस घुसपैठ को बड़े पैमाने पर उकसावे वाली कार्वाई बताया था। पुतिन ने असैन्य भवनों, आवासीय इमारतों, एंबुलेंसों पर विभिन्न प्रकार के हथियारों से अंधाधुंध गोलाबारी किए जाने का दावा करते हुए इस पर चर्चा करने के लिए अपने शीर्ष रक्षा एवं सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

ब्राजील ने निकारागुआ के राजदूत को देश छोड़ने को कहा

साओ पाउलो। ब्राजील की सरकार ने बृहस्पतिवार को मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ के राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दिया इससे पहले निकारागुआ के राष्ट्रपति डैनियल आर्टेगा ने ब्राजील के राजदूत को देश से जाने का आदेश सुनाया था। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने निकारागुआ के राजदूत फुल्विया पेट्रीसिया कास्त्रो मात्ए को निष्कासित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय मानागुआ से ब्राजील के राजदूत को हटाने के निकारागुआ सरकार के कदम के बदले में लिया गया। बयान में कहा गया कि राजदूत ब्रेनो दा कोस्टा मध्य अमेरिकी देश छोड़ चुके हैं। निकारागुआ की सरकार ने कहा कि निकारागुआ और ब्राजील के राजदूतों ने अपने पद छोड़ दिए हैं, लेकिन उसने इस कदम के पीछे के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। कहा जा रहा है कि निकारागुआ की सैंडिनिस्टा क्रांति की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में शामिल न होने के कारण दा कोस्टा को देश छोड़ने के लिए कहा गया। पिछले कुछ वर्षों में ओर्टेगा और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा के बीच मतभेद बढ़ गए हैं।

हम नस्ली आधार पर होने वाले हमले और हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं: संयुक्त राष्ट्र

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बृहस्पतिवार को यहां कहा, यह स्पष्ट है कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के सप्ताह में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उस पर नियंत्रण पाया जाए। निश्चित रूप से हम नस्ल आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं। वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे। सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत आ जाने के बाद से जारी हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है और अवामी लीग से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने पर हक ने संयुक्त राष्ट्र की सरकार बनने की एक समावेशी प्रक्रिया की आशाओं का उल्लेख किया और कहा, हम उम्मीद बरकरार रखे हुए हैं। शांति बहाली का कोई भी संकेत एक अच्छी चीज है। जब उनसे पूछा गया कि क्या महासचिव गुतारेस ने यूनुस को बधाई दी है या फोन पर बात की है? तो हक ने कहा कि गुतारेस ने उनसे बात नहीं की है, लेकिन बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र की स्थानीय समन्वयक ग्विन लुईस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। हक ने कहा, निश्चित रूप से, वह और देश की टीम सक्रिय तौर पर यह सुनिश्चित कर रही है कि जमीनी स्तर पर परिवर्तन शांतिपूर्ण हो।

तुर्किए में बस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत, 26 घायल

अंकारा। तुर्किए में शुक्रवार को एक बस के सड़क किनारे एक खंभे से टकराने से उसमें सवार नौ लोगो की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।गवर्नर वासिप शाहिन ने हैबरटर्क टेलीविजन स्टेशन को बताया कि यह दुर्घटना राजधानी अंकारा से लगभग 80 किलोमीटर (50 मील) दूर पोलाटली शहर के निकट हुई।उन्होंने बताया कि बस पश्चिमी तुर्किए के इजमिर शहर से देश के पूर्व में एग्री शहर की ओर जा रही थी।उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद सड़क को बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों को पोलाटली और अंकारा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

चीन में एक बंदरगाह पर मालवाहक पोत में विस्फोट के बाद आग लगी

बीजिंग। चीन मे प्रशांत महासागर के तट पर स्थित एक प्रमुख बंदरगाह पर खतरनाक सामान से दले एक मालवाहक पोत में जोरदार विस्फोट के बाद आग लग गई। सरकारी मीडिया और अधिकारियो ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी चेनल की ओर से निगरानी कैमरे के वीडियो को ऑनलाइन माध्यम से प्रसारित किया गया है। वीडियो में सफेद धुंए का एक बड़ा गुबार दिखाई दे रहा है जिसके बाद नारंगी और पीले रंग का आग का गोला दिखा। सीसीटीवी चैनल के अनुसार शंघाई के दक्षिण में स्थित निंगबो-झोउशान बंदरगाह पर हुए विस्फोट और उसके बाद लगी आग से किसी के हताहत होने की खबर नही है। यह बंदरगाह दुनिया के सबसे बड़े बंदरगाहो में से एक है। माना जा रहा है कि पोत पर रखे गए एक कंटेनर में विस्फोट हुआ। प्रसारणकर्ता द्वारा पोस्ट की गई हवाई तस्वीर मे पोत के एक छोर पर रखे कंटेनरों के ढेर से और बंदरगाह के एक हिस्से से काला धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। पोत और उसके कंटेनरों का बाकी हिस्सा सुरक्षित दिखाई दिया। झेजियांग प्रांत आपातकालीन प्रबंधन प्रशासन ने कहा कि पोत पर श्रेणी-पांच की खतरनाक सामग्री लदी हुई थी, हालांकि यह सामग्री क्या थी इसके सबंध मे जानकारी नही दी गई।

इमरान और बुशरा बीबी की रिमांड 11 दिन तक बढ़ाई गई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक जवाबेदही अदालत ने तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले मे जेल मे बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की रिमांड 11 दिनो के लिए बढ़ा दी है। मीडिया मे शुक्रवार को जारी की गई खबरो मे यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान के अंग्रेजी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार में प्रकाशित खबर मे कहा गया है कि जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश नासिर जावेद राणा की अध्यक्षता मे रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल मे स्थापित अस्थाई अदालत कक्ष मे बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई की गई। न्यायाधीश राणा ने तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले मे खान और बीबी की 10 दिन की रिमांड समाप्त होने के बाद इसे 11 और दिनों के लिए बढ़ा दिया। पाकिस्तान-तहरीक-ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख नेता इमरान खान (71) कई मामलो मे दोषी ठहराए जाने के बाद पिछले एक साल से अधिक समय से अदियाला जेल में बंद है। उनकी पत्नी 49 वर्षीय बीबी भी उनके साथ जेल मे बंद है। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने अदालत को बताया कि खान ने पिछले 10 दिनों की रिमांड के दौरान केवल दो बार जांच टीम के साथ सहयोग किया था। भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने अदालत से मामले की जांच के लिए अतिरिक्त 14 दिन की रिमांड सौपने का अनुरोध किया था। खबर मे बताया गया कि हालांकि, अदालत ने दलीलें सुनने के बाद खान की प्रत्यक्ष रिमांड 11 दिन के लिए बढ़ाई और मामले की सुनवाई 19 अगस्त तक स्थगित कर दी। खान और बीबी पहले ही तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले के संबंध में 24 दिन की रिमांड अवधि को पूरा कर चुके है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर यूनुस ने संभाला कामकाज

शांति बहाली मुख्य जिम्मेदारी

भाषा। ढाका

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर बृहस्पतिवार को शपथ ली। देश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली के खिलाफ और फिर सरकार विरोधी व्यापक प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर चली गई थीं। बांग्लादेश में अफरा-तफरी के माहौल के बीच यूनुस ने देश की बागडोर संभाली है और उनके सामने फिलहाल देश में शांति बहाल करने और चुनाव कराने का जिम्मा है। यूनुस (84) को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन बंगभवन में आयोजित एक समारोह में मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ दिलाई जो प्रधानमंत्री के समकक्ष पद है। समारोह में राजनीतिक दलों के नेता, न्यायाधीश, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, तीनों सेनाओं के प्रमुख, पुलिस महानिरीक्षक, वरिष्ठ सैन्य एवं असैन्य अधिकारी, राजनयिक, स्वतंत्रता सेनानी, वरिष्ठ पत्रकार एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस दौरान हसीना की पार्टी का कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। अंतरिम मंत्रिमंडल के 16 अन्य सदस्य मुख्य रूप से नागरिक समाज से जुड़े लोग हैं और इसमें छात्र आंदोलन के दो नेता भी शामिल हैं। मंत्रिमंडल के सदस्यों का चयन छात्र नेताओं, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और सेना के बीच हुई चर्चा के बाद किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूनुस को शुभकामनाएं दीं और देश में जल्द ही स्थिति सामान्य होने तथा हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को नई जिम्मेदारी संभालने के लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं। हम उम्मीद करते हैं कि जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी और हिंदुओं व अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा, भारत शांति, सुरक्षा व विकास के लिए दोनों देशों के लोगों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बांग्लादेश के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यूनुस ओलंपिक खेलों के लिए पेरिस गए थे। अपने आगमन के बाद ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संवाददाता सम्मेलन में यूनुस ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन को दूसरी आजादी बताया। पेशे से अर्थशास्त्री और बैंकर यूनुस को गरीब लोगों, विशेष रूप से महिलाओं की मदद के लिए माइक्रोक्रेडिट के उपयोग में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यूनुस को सबसे गरीब लोगों का बैंकर भी कहा जाता है। इसे लेकर उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा था और एक बार हसीना ने यूनुस को खून चूसने वाला कहा था। यूनुस ने 1983 में ग्रामीण बैंक की स्थापना की ताकि उन उद्यमियों को छोटे ऋण उपलब्ध कराए जा सकें जो सामान्यत: उन्हें प्राप्त करने के योग्य नहीं होते। लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में बैंक की सफलता ने अन्य देशों में भी इसी तरह के लघु वित्त पोषण के प्रयासों को बढ़ावा दिया।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार बड़े देशों के साथ संबंधों में संतुलन चाहती है: हुसैन

ढाका। बांग्लादेश की नवगठित अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को बड़े देशो के साथ ढाका के संबंधो मे संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।विदेश मामलों के सलाहकार एवं पूर्व विदेश सचिव मोहम्मद तौहीद हुसैन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कानून एवं व्यवस्था बहाल करना इस समय अंतरिम सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है तथा पहला लक्ष्य हासिल हो जाने के बाद अन्य कार्य भी हो जाएंगे। यूएनबी समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश को सभी देशों के साथ अच्छे संबंध रखने की जरूरत है।हुसैन ने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, हम सभी के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते है। हमे बड़े देशो के साथ संबंधो मे संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप मे शपथ ली थी। यूनुस को मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन द्वारा संसद भंग किए जाने के बाद अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था। इससे पहले, नौकरियो मे आरक्षण प्रणाली के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश मे अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप मे शपथ लेने वाले मोहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं दी और देश मे जल्द ही स्थिति सामान्य होने तथा हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायो की सुरक्षा सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई थी।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सलाहकार परिषद के सदस्यों के विभागों की घोषणा की

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को नवनियुक्त सलाहकार परिषद के विभागो की घोषणा की और रक्षा सहित 27 मंत्रालयों का प्रभार अपने पास रखा तथा अनुभवी राजनयिक मोहम्मद तौहीद हुसैन को विदेश मंत्रालय का प्रमुख नियुक्त किया। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित 84 वर्षीय यूनुस ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। उन्होंने शेख हसीना की जगह ली है। हसीना ने नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए जबर्दस्त विरोध प्रदर्शनो के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली गई थी। यूनुस ने मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली - जो प्रधानमंत्री के समकक्ष पद है। अन्य सलाहकारों का चयन छात्र नेताओं, सेना और नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधियो के परामर्श से किया गया। एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, यूनुस ने रक्षा, लोक प्रशासन, शिक्षा, ऊर्जा, खाद्य, जल संसाधन और सूचना मंत्रालय सहित 27 विभागों का प्रभार अपने पास रखा है। पूर्व विदेश सचिव हुसैन को विदेश मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है, जबकि सेना के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल एम सखावत हुसैन को गृह मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है।हुसैन 2001 से 2005 तक कोलकाता मे बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त थे और 2006 से 2009 तक बांग्लादेश के विदेश सचिव रहे।बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर सलाहुद्दीन अहमद वित्त और योजना मंत्रालयो की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि पूर्व अटॉर्नी जनरल ए एफ हसन आरिफ स्थानीय सरकार मंत्रालय का प्रभार संभालेंगे।अंतरिम मंत्रिमंडल मे शामिल किए गए स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के दो समन्वयकों एम नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद को क्रमशः दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा युवा एवं खेल मंत्रालयो का प्रभार दिया गया। समूह ने पिछले महीने सरकारी नौकरियों के लिए आरक्षण प्रणाली मे सुधार के लिए सबसे पहले सड़क पर आंदोलन चलाया, जो बाद में एक सार्वजनिक विद्रोह मे तब्दील हो गया और हसीना के 15 साल के शासन का अंत कर अंतरिम सरकार स्थापित की, जिसे सेना का स्पष्ट समर्थन प्राप्त था। सलाहकार परिषद के तीन सदस्य बृहस्पतिवार रात राष्ट्रपति भवन बंगभवन मे शपथ नही ले सके, क्योंकि वे राजधानी से बाहर थे और अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि यूनुस उन्हें 27 विभागों में से कुछ दे सकते है। इन तीनो मे ज्यादातर नागरिक संस्थाओं के लोग है।

क्विक न्यूज

बांग्लादेश में सेना की सहायता से थाने फिर से खुले

ढाका। बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के चरम पर रहने के दौरान वीरान हो गए पुलिस थानो मे सेना की सहायता से धीरे-धीरे सामान्य गतिविधियां फिर से शुरू हो रही है। शुक्रवार को मीडिया की खबरों से यह जानकारी मिली। छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के कारण शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर जाना पड़ा। उसके बाद, सभी पुलिस थानो की गतिविधियां ठप्प हो गईं। कई पुलिस थानो पर हमला किया गया, लूटपाट की गई और आग लगा दी गई, जिसके कारण कई अधिकारी अपने थानो को खाली करके छिप गए क्योंकि उन्हें और हमले होने का खतरा था। छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिसा में पुलिस कर्मियो सहित 400 से अधिक लोग मारे गए। ढाका ट्रिब्यून समाचारपत्र ने सैन्य और पुलिस अधिकारियो के हवाले से बताया कि लगभग चार दिनों के बाद सेना की सहायता से लगभग 29 पुलिस थानों में गतिविधियां फिर से शुरू हो गई है। बृहस्पतिवार को नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप मे शपथ ली। उन्होने देश मे कानून और व्यवस्था को बहाल करने की प्रतिबद्धता जताई है। पच्चीस ईस्ट बंगाल रेजिमेंट के कंपनी कमांडर शखावत खांडाकर ने कहा, "यह देखते हुए कि अपराधी किस तरह से लोगो की हत्या कर रहे थे, जिसमें पुलिस भी शामिल थी, हमने फैसला किया कि पुलिस कर्मियों को बचाना बहुत जरूरी है। वे लोगो की सेवा करते है, हमें उन्हें सुधार का एक मौका देने की जरूरत थी। खांडाकर ने कहा, "तेजगांव पुलिस थाने मे कई हथियार है। यदि ए अपराधियों के हाथ लग गए, तो देश गंभीर खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए हमने थाने की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कदम उठाए। तेजगांव के पुलिस उपायुक्त अजीमुल हक ने कहा, "हम सेना के कर्मियों के आभारी है जो हमारे पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए आगे आए और लोगो की जान और संपत्ति की रक्षा करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज, हमने सेना की मदद से सभी पुलिस गतिविधियां शुरू कर दी है। मै सभी नागरिको से पुलिस थाने आने का अनुरोध करता हूं। हम आपकी सेवा के लिए तैयार है।

बांग्लादेश में लोगों ने सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नई अंतरिम सरकार का स्वागत किया

ढाका। बांग्लादेश में लोगों ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नई अंतरिम सरकार का स्वागत किया है। लोगो ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी। यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने शेख हसीना का स्थान लिया है। शेख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थी। यूनुस ने प्रधानमंत्री के समकक्ष पद मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत-ए-इस्लाम के उप प्रमुख ए.एफ.एम. खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरजहां बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शर्मीन मुर्शिद, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चकमा, प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन सलाहकार परिषद के सदस्यो में शामिल है। ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेराजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि अंतरिम सरकार का एक कर्तव्य व्यवस्था बहाल करना होगा, जो हसीना के पतन के बाद पिछले कुछ दिनों से चरमरा गई है।

विंडर्जी इंडिया-2024 अक्टूबर में भारत में होगा

चेन्नई। विंडर्जी इंडिया 2024, पवन ऊर्जा क्षेत्र का प्रमुख उद्योग मंच, 23-25 अक्टूबर 2024 तक चेन्नई ट्रेड सेंटर, तमिलनाडु में छठी बार अपनी विशाल क्षमता और आकर्षक अवसरों का प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित है। विंडर्जी इंडिया को हाल ही में प्रदर्शनी उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 में भारत के तेजी से बढ़ते शो के रूप में मान्यता मिली है और यह ऐसा मंच है जो, पवन ऊर्जा उद्योग नवप्रवर्तकों, नीति निर्माताओं, नियामकों और इसके प्रमुख खिलाड़ियों को एक साथ लाता है। इंडियन विंड टर्बाइन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडब्ल्यूटीएमए), बेंगलुरु स्थित व्यापार मेला आयोजक पीडीए वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। अपने छठे संस्करण में, विंडर्जी इंडिया 2024 को बिजली मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा समर्थन प्राप्त है। मेक इन इंडिया की देखरेख में इस तीन दिवसीय व्यापार मेले और एक्सपो में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलांगना, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान जैसे पवन-समृद्ध राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। विंडर्जी इंडिया, पवन ऊर्जा क्षेत्र को आगे बढ़ाने में भारत का सहयोग करने के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करने वाले डेनमार्क और स्पेन के खेमों की भी मेजबानी करेगा। पाइपलाइन में शामिल अन्य देशों के साथ यूनाइटेड किंगडम भागीदार देशों में से एक के रूप में एक्सपो में शामिल होगा। व्यापार मेले में जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, स्वीडन, नॉर्वे, इटली, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड, ब्राजील और जापान सहित विभिन्न देशों के प्रदर्शक शामिल होंगे, जो विंडर्जी इंडिया को वास्तव में एक वैश्विक स्तर का कार्यक्रम बनाएंगे। विंडर्जी इंडिया का लक्ष्य संपूर्ण पवन ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र को एक साथ लाना है। एनविज़न-एनर्जी जैसे उद्योग हितधारक विंडर्जी इंडिया 2024 के साथ हमारे प्लैटिनम पार्टनर के रूप में जुड़ेंगे, जबकि सुजलॉन एनर्जी और एवर रिन्यू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड सिल्वर पार्टनर होंगे। अन्य साझेदारों में वाइनर्जी, एलएम विंड पावर, एनईएक्सएचएस, एक्सॉन मोबिल, लीप ग्रीन एनर्जी और यूएल सॉल्यूशंस शामिल हैं।

वियना:गायिका टेलर स्विफ्ट के संगीत कार्यक्रमों में हमले की साजिश पर एक और व्यक्ति गिरफ्तार

वियना। अमेरिकी गायिका टेलर स्विफ्ट के अब रद्द किए जा चुके तीन संगीत कार्यक्रम के दौरान हमला करने की नाकाम साजिश रचने के सिलसिले में शुक्रवार को एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। ऑस्ट्रिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। टेलर स्विफ्ट के इस सप्ताह होने वाले तीन संगीत कार्यक्रम को हमले की साजिश का पता चलने के बाद रद्द कर दिया गया था। इससे पहले दो संदिग्धो को गिरफ्तार किया गया था।अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में मुख्य संदिग्ध ने अर्न्स्ट हैप्पल स्टेडियम के बाहर एकत्र होने वाले दर्शकों को निशाना बनाने की साजिश रची थी। उन्होने बताया कि ऑस्ट्रिया मे 19 वर्षीय मुख्य संदिग्ध और 17 वर्षीय एक किशोर को मंगलवार को हिरासत मे ले लिया गया था। गृह मंत्री ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 18 वर्षीय तीसरे संदिग्ध को बृहस्पतिवार की शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होने बताया कि 15 वर्षीय एक किशोर से भी पूछताछ की गई, लेकिन उसे गिरफ्तार नही किया गया। ऑस्ट्रियाई गोपनीयता नियमों के अनुसार, उनमे से किसी का भी नाम जारी नही किया गया। स्विफ्ट के तीन कार्यक्रमों के वैश्विक तौर पर टिकट बिक चुके थे तथा कार्यक्रम के रद्द होने से उनके दुनियाभर मे फैले प्रशंसको को झटका लगा, क्योंकि कई तो हजारो यूरो खर्च करके ऑस्ट्रिया पहुंचे थे। एराज टूर के कार्यक्रम बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार को अर्न्स्ट हैप्पल स्टेडियम में होने थे।

ऑक्लैंड में वाणिज्य दूतावास खोलेगा भारत: मुर्मू

ऑक्लैंड। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत न्यूजीलैंड के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाने और प्रवासी भारतीयों की सुविधा के लिए जल्द ही ऑक्लैंड मे वाणिज्य दूतावास खोलेगा। ऑक्लैंड मे भारतीय समुदाय द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि उन्हें न्यूजीलैंड मे भारतीय समुदाय की उपलब्धियां देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा, भारत के न्यूजीलैंड से संबंध बहुत गहरे और बहुआयामी हैं। भारतीय समुदाय ने न्यूजीलैंड के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुझे यह बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि भारत समुदाय की काफी समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए जल्द ही ऑक्लैंड मे वाणिज्य दूतावास खोलेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस निर्णय से राजनयिक संबंध और मजबूत होगे।

ट्रंप और हैरिस 10 सितंबर को राष्ट्रपति पद की चुनावी बहस में भाग लेने पर सहमत

भाषा। पाम बीच (अमेरिका)

अमेरिका में इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने 10 सितंबर को चुनावी बहस के लिए सहमति व्यक्त की है, जिसमें दोनों उम्मीदवारों का आमना-सामना होगा। अमेरिकी व्यापारिक टेलीविजन प्रसारण नेटवर्क अमेरिकन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) ने यह जानकारी दी। इस घोषणा से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्होंने तीन टेलीविजन नेटवर्क के समक्ष राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत तीन बहसों का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि वे सितंबर में कुछ निश्चित तारीखों पर सहमत हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत प्रथम बहस ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व उम्मीदवार जो बाइडन के बीच हुई थी। इस बहस में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर उम्मीदवारी छोड़ने के लिए चौतरफा दबाव था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए हैरिस का नाम इसके लिए प्रस्तावित किया था।

अपने बच्चों को छुट्टियों के बाद बिना तनाव के वापस स्कूल जाने के लिए कैसे तैयार करें

भाषा। इंडियाना

गर्मी की छुट्टियों से स्कूल वापस जाना बच्चों और उनके परिवारों के लिए कठिन हो सकता है। नई दिनचर्या में समायोजन के अलावा, परिवर्तन के कारण होने वाले भावनाओं के मिश्रण को संभालने की आवश्यकता होती है। जबकि कुछ बच्चे नए शिक्षकों और सहपाठियों को लेकर उत्साहित महसूस कर सकते हैं, वहीं अन्य को आगामी स्कूल वर्ष के बारे में चिंता, उदासी या अनिश्चितता का अनुभव हो सकता है।स्कूली उम्र के बच्चों की 15 वर्षों की काउंसलिंग के बाद, मैंने देखा है कि ए तनाव कितने आम हो सकते हैं। मेरे अपने तीन स्कूल जाने वाले बच्चे भी हैं। परिवर्तन को आसान बनाने के लिए यहां पांच रणनीतियां दी गई हैं जिन्हें मैं न केवल उन परिवारों के साथ साझा करता हूं जिनको मैं सलाह देता हूं, बल्कि अपने घर में भी लागू करता हूं।1. अपने बच्चे की बात सुनें- इस परिवर्तन के बारे में अपने बच्चे की चिंताओं को सुनें और उनकी भावनाओं की पुष्टि करें। कुछ बच्चे अपनी भावनाओं को संप्रेषित करने और उनके बारे में बात करने में बहुत अच्छे होते हैं, लेकिन दूसरों से विशेष रूप से यह पूछने की आवश्यकता हो सकती है कि वे दोबारा स्कूल जाने के बारे में कैसा महसूस करते हैं।

जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए मालदीव पहुंचे

भाषा। माले

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत की पड़ोस प्रथम नीति में मालदीव एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और वह द्वीपसमूह राष्ट्र के नेतृत्व के साथ सार्थक वार्ता को लेकर आशान्वित हैं। जयशंकर मालदीव के साथ द्विपक्षीय संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे। द्वीपसमूह देश में पिछले साल चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद भारत की ओर से यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। उनकी मालदीव यात्रा जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति मुइज्जू की भारत यात्रा के कुछ हफ्तों बाद हो रही है। चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू के नवंबर 2023 में शीर्ष कार्यालय का पदभार संभालने के बाद भारत और मालदीव के बीच संबंधों में काफी तल्खी आ गई थी। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मालदीव पहुंचकर खुशी हुई। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के लिए विदेश मंत्री मूसा जमीर को धन्यवाद। हमारी पड़ोस प्रथम नीति और सागर दृष्टिकोण में मालदीव एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने कहा, नेतृत्व के साथ सार्थक वार्ता को लेकर आशान्वित हूं। जमीर ने कहा कि उन्हें मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जयशंकर का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, मालदीव तथा भारत के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए सार्थक चर्चा की उम्मीद है। जून 2024 में दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभालने के बाद से जयशंकर की मालदीव की यह पहली आधिकारिक यात्रा है। उनकी पिछली यात्रा जनवरी 2023 में हुई थी। जयशंकर की 11 अगस्त तक की तीन दिवसीय यात्रा मालदीव के उनके समकक्ष मूसा जमीर के निमंत्रण पर हो रही है। उम्मीद है कि जयशंकर राष्ट्रपति मुइज्जू से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे और मौजूदा द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा के लिए जमीर के साथ आधिकारिक बातचीत भी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की यात्रा से पहले एक बयान में कहा, मालदीव भारत का प्रमुख समुद्री पड़ोसी है और भारत की पड़ोस प्रथम नीति तथा हमारे सागर दृष्टिकोण यानी पूरे क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। मंत्रालय ने कहा, इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच घनिष्ठ साझेदारी को मजबूत करना तथा द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने के तरीके तलाशना है। मालदीव के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों मंत्री उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं और भारतीय एक्जिम बैंक की क्रेडिट सुविधा के तहत पूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे तथा क्षमता निर्माण, वाणिज्य और व्यापार क्षेत्रों पर समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान करेंगे।

आप खुद में सोना है : पीएम ने नीरज से कहा

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को चोट से जूझने के बावजूद अपना दूसरा ओलंपिक पदक जीतने करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने नीरज के साथ फोन पर बातचीत के दौरान पाकिस्तान के अरशद नदीम के बारे में टिप्पणियों के लिए उनकी मां सरोज देवी की भी सराहना की। सरोज ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम के लिए खुशी व्यक्त करते हुए उसे अपने बेटे जैसा बताया था। मोदी ने कहा, आपकी माँ द्वारा दिया गया साक्षात्कार खेल परिवार की भावना को दर्शाता है। उन्होंने बहुत अच्छे अंदाज में कहा, वह (नदीम) भी मेरा बेटा है। मोदी ने उनसे स्वर्ण पदक चूकने पर ध्यान नहीं देने की सलाह देते हुए कहा कि बहुत कम खिलाड़ियों को दो ओलंपिक पदक जीतने का गौरव प्राप्त होता है और आप तो खुद में ही सोना है। नीरज ने प्रधानमंत्री से कहा, चोट के कारण मैं स्वर्ण पदक के लिए जोर नहीं लगा सका लेकिन चोट और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रजत पदक जीतकर खुश हूं। मोदी ने कहा, आपने चोट के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की है, जो अविश्वसनीय है। यह हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा। देश के लिए कुछ करने का यही जज्बा हमें प्रेरित करता है। मोदी ने नदीम के बारे में कहा, मुझे याद है पिछली बार आपने अपने प्रतिद्वंदी के प्रदर्शन की प्रशंसा की थी। आपने बताया था कि वह कड़ी प्रतिस्पर्धा देते हैं। उन्होंने कहा कि वह नीरज की चोट पर विस्तार से चर्चा करना चाहेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि आगे चलकर इसे कैसे बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जा सकता है।नीरज ने कहा कि वह कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे और आगामी खेल आयोजनों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज ने 89.45 मीटर का थ्रो फेंककर पेरिस में रजत पदक हासिल किया। नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। नदीम ने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रधानमंत्री ने इससे पहले एक्स पर लिखा था कि नीरज उत्कृष्टता के साकार रूप हैं। मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए लिखा , नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता का साकार रूप हैं। बार बार उन्होंने अपनी श्रेष्ठता की बानगी दी है। भारत हर्षित है कि उन्होंने एक बार फिर ओलंपिक में सफलता पाई है। रजत जीतने पर उन्हें बधाई। वह आने वाले असंख्य एथलीटों को अपने सपने पूरे करने और देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज की मां सरोज देवी ने स्वर्ण पदक विजेता नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके बच्चा जैसा है।

ओलंपिक के कारण सर्जरी टाल रहा था लेकिन अब फैसला लेना होगा: नीरज चोपड़ा

पेरिस। भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट का खुलासा करते हुए कहा कि उन्हे यहां प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है। नीरज पेरिस खेलो से पहले जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी मे (एडक्टर) परेशानी से जूझते आए है। उन्होने हालांकि गुरुवार को सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया। वह दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट बन गए। उन्होने तोक्यो ओलंपिक मे स्वर्ण पदक जीता था। नीरज ने कहा, मेरे दिमाग मे काफी कुछ चल रहा था। जब मै थ्रो कर रहा होता हूं तो मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है। मै चोटिल नही होना चाहता था। जब भी मै थ्रो करने जा रहा था तो आपने देखा होगा कि मेरी गति कम थी। अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति मे नही होने के बाद भी नीरज लगातार दो ओलंपिक मे पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय बने। उनसे पहले सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) ने यह कारनामा किया है। नीरज ने निराशा भरे लहजे मे कहा, मैने अब भी इसे जारी रखा है। उन्होने कहा, खेल मे यह अच्छी स्थिति नही होती है। आप अगर लंबा करियर चाहते है तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। इस स्तर की प्रतियोगिताओ के कारण कई बार आप निर्णय नही ले सकते। अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक मे भी सुधार करेंगे। उन्होने कहा कि वह इस मसले पर अपनी टीम से चर्चा कर कोई फैसला करेंगे।

नीरज और नदीम ने दिखाया कि खेल सीमाओं से परे है: हरभजन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि देश के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के बीच भाईचारा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि खेल सीमाओ से परे है और लोगो को एकजुट करता है। नदीम ने बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक मे 92.97 मीटर के शानदार ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि गत चैंपियन चोपड़ा ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता। हरभजन ने कहा, हमने कुछ अच्छी फोटो देखी जिसमे प्रतियोगिता खत्म होने के बाद हुए समारोह के बाद नीरज और नदीम एक दूसरे से बात कर रहे थे। दोनो ने अपने अपने देश का ध्वज पकड़ा हुआ था और खिलाड़ी के तौर पर दोनो एक दूसरे का सम्मान कर रहे थे। इससे पता चलता है कि खेल किसी भी सीमा से परे है और खेल सभी को एकजुट करता है। इन दोनो ने बहुत अच्छा संदेश दिया है। उन्होने कहा, यह भारत-पाकिस्तान जैसा है। जब हम क्रिकेट मे पाकिस्तान के खिलाफ खेलते थे तो हम मैदान पर बहुत प्रतिस्पर्धी होते थे लेकिन जब मैदान के बाहर की बात आती तो हमारे बीच अच्छा रिश्ता है।

ओलंपिक पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	31	25	20	76
अमेरिका	30	38	35	103
ऑस्ट्रेलिया	18	15	14	47
फ्रांस	14	19	22	55
ब्रिटेन	14	17	21	52
जापान	13	08	13	34
कोरिया	13	08	07	28
नीदरलैंड	11	06	08	25
इटली	10	11	09	30
जर्मनी	10	09	06	25
भारत	00	01	04	05

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक

मिस्र के पहलवान को यौन उत्पीड़न में गिरफ्तार किया गया

पेरिस। पेरिस ओलंपिक मे भाग लेने आए मिस्र के एक पहलवान को यौन उत्पीड़न के आरोप मे यहां गिरफ्तार किया गया। फ्रांस के अभियोजको ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पेरिस अभियोजक के कार्यालय के एक बयान के अनुसार एक 26 वर्षीय एथलीट को पेरिस कैफे के बाहर एक महिला के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के कारण शुक्रवार सुबह हिरासत मे लिया गया था। कार्यालय ने पहलवान का नाम नही बताया लेकिन कहा कि वह मिस्र मे पैदा हुआ था और ओलंपिक मे भाग लेने के लिए पेरिस मे था। मिस्र कुश्ती महासंघ ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नही दिया।

अजीत परिचालन प्रमुख बनने के लिए तैयार

चेन्नई। दिल्ली शतरंज संघ के मौजूदा सचिव अजीत कुमार वर्मा अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के नए परिचालन प्रमुख बनने को तैयार है। इस हफ्ते एआईसीएफ ने शार्टलिस्ट हुए दो उम्मीदवारो की घोषणा की जिसमे इस भूमिका के लिए वर्मा (52 वर्ष) और अरबिंद कुमार सिंह शामिल थे। एआईसीएफ के उपाध्यक्ष अनिल कुमार रायजादा ने शुक्रवार को पीटीआई को बताया कि दोनो उम्मीदवारो के साक्षात्कार हो चुके है और एक या दो दिन के अंदर आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। स

भारतीय जूनियर टीम के कोच बनेंगे श्रीजेश

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी की दीवार पी आर श्रीजेश खेल से संन्यास के बाद जल्दी ही नई भूमिका मे दिखेगे और हॉकी इंडिया उन्हे जूनियर टीम का कोच बनाने जा रहा है। 36 वर्ष के श्रीजेश ने स्पेन को हराकर पेरिस ओलंपिक मे भारतीय टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने पेरिस से पीटीआई से कहा , हम श्रीजेश को कुछ दिन के भीतर पुरुष जूनियर टीम (अंडर 21) का कोच बनाएंगे। हमने उनसे बात कर ली है और युवाओ को उनसे बेहतर कोई मार्गदर्शन नही दे सकता।

चोपड़ा: महान खिलाड़ी और बिना किसी दिखावे वाला सुपरस्टार

भाषा। पेरिस

खेल के मैदान पर अपनी कड़ी प्रतिद्वंद्विता के लिए जाने जाने वाले नीरज चोपड़ा ऐसे सुपरस्टार है जो दिखावा करना पसंद नहीं करते। भारत के लिए दो ओलंपिक पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी ने गुरुवार को यहां रजत पदक जीतने के बाद संवाददाता सम्मेलन में अपने हाजिर जवाब और वाकपटुता से सबका दिल जीत लिया। मीडिया से 17 मिनट का उनका सत्र सवाल-जवाब से कही अधिक था। लगभग 50 पत्रकारों से भरे कमरे में जब किसी ने नीरज से पूछा कि आपका पहला थ्रो फाउल हो गया और दूसरा.... नीरज ने पत्रकार को यही रोकते हुए कहा, सारी थ्रो फाउल थी सर सिर्फ दूसरी ही ठीक थी। उनके इस जवाब से सब के चेहरे पर मुस्कान आ गई। भारत और पाकिस्तान के पत्रकारों की ज्यादा संख्या के कारण यहां सवाल जवाब हिंदी में चल रहा था लेकिन जब एक वालंटियर ने उनसे अन्य देशों के पत्रकारों की समझ के लिए अंग्रेजी में जवाब देने की गुजारिश की तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, अब मुझे खुद को अंग्रेजी में बोलने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है, जैसे मैं खुद को प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करता हूं। एक विदेशी पत्रकार ने उनसे अंग्रेजी में जवाब देने के अनुरोध से साथ पूछा, क्या आप अपने और नदीम को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच प्रतिस्पर्धा का वर्णन कर सकते हैं। यह वास्तव में एक शानदार प्रतियोगिता थी। शायद इतिहास की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में से एक। अरशद ने वास्तव में अच्छा थ्रो किया। मैं भी अच्छी स्थिति में था। लेकिन पता नहीं क्यों मैं आज अच्छे से रनअप नहीं ले पा रहा था। पेरिस ओलंपिक से पहले नीरज ने खुद को फिट रखने के लिए कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया था और इस बारे में पूछे जाने पर बेशक मुझे और अधिक खेलने की जरूरत है लेकिन मैं सावधानी बरतते (चोट से बचते हुए) हुए प्रतियोगिताओं में भाग ले रहा था।

चूरमा से होगा नीरज का स्वागत

नीरज का देशी खाने के प्रति लगाव जगजाहिर है और उनका परिवार दो बार के ओलंपिक पदक विजेता का उनके पसंदीदा व्यंजन चूरमा के साथ स्वागत करने की योजना बना रहा है। सरोज ने कहा, उसने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। हम उसका स्वागत चूरमा से करेंगे जो उसका पसंदीदा है। मुझे खुशी है, लोग पटाखे जला रहे है, हम लड्डू बना रहे है। नीरज का यह प्रदर्शन काफी सराहनीय है क्योंकि सात खिलाड़ियों ने 86 मीटर से अधिक दूरी हासिल की थी।नीरज की चाची कमलेश ने कहा, हम बहुत खुश है। उसने इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सभी 88-89 मीटर के करीब थे इसलिए प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन थी। यह स्वर्ण या रजत जीतने के बारे में नही है, बल्कि पदक जीतने के बारे मे है और उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

नीरज और हॉकी टीम के कांस्य मैच ने ओलंपिक वेबसाइट और ऐप दिया बढ़ावा

पेरिस। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और हॉकी टीम की कांस्य पदक मैच के कारण पेरिस ओलंपिक वेबसाइट और खेलो के लिए समर्पित ऐप पर उपयोगकर्ताओ की संख्या मे गुरुवार को भारी वृद्धि हुई है। नीरज ने गुरुवार को यहां भाला फेंक मे रजत पदक जीता जबकि भारतीय हॉकी टीम ने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक अपने नाम किया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कॉर्पोरेट संचार और सार्वजनिक मामलो के निदेशक क्रिश्चियन क्लाउ ने शुक्रवार को कहा कि 273 मिलियन (27.3 करोड़) उपयोगकर्ताओ ने ओलंपिक वेबसाइट और ऐप को देखा है, जिनमे से सबसे अधिक संख्या नीरज और भारतीय हॉकी टीम की सफलता के कारण भारत से आई है। क्लॉउ ने लिखा, पेरिस 2024 के लिए ओलंपिक वेब और ऐप 273 मिलियन उपयोगकर्ताओ तक पहुंच गया है, जिसमे कल (गुरुवार) इन खेलो के दौरान भारत के उपयोगकर्ताओ की संख्या सबसे अधिक रही।

ओलंपिक समापन समारोह में मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे श्रीजेश

भाषा। पेरिस

मशहूर हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश रविवार को यहां होने वाले ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में स्टार निशानेबाज मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। श्रीजेश के नाम पर अंतिम मोहर लगाने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने नीरज चोपड़ा से भी बात की और उन्होंने कहा कि भाला फेंक यह स्टार एथलीट भी चाहता था कि पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेने वाले हॉकी खिलाड़ी को ही यह सम्मान मिलना चाहिए। पिछले ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीत कर भारतीय खेलों के इतिहास में नया पन्ना जोड़ा। मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और मैं उनकी खेल भावना की सराहना करती हूं क्योंकि वह इस बात पर सहमत थे कि समापन समारोह में श्रीजेश को ही ध्वजवाहक होना चाहिए। उन्होंने कहा, नीरज ने मुझसे कहा, मैडम अगर आप मुझसे नहीं पूछती तब भी मैं श्री भाई के नाम का ही सुझाव देता। इससे पता चलता है कि नीरज भारतीय खेलों में श्रीजेश के योगदान को कितना अधिक सम्मान देते हैं। उषा ने कहा कि श्रीजेश भारतीय दल के प्रमुख गगन नारंग सहित भारतीय ओलंपिक संघ के नेतृत्व की भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगा भारत

भाषा। कैनबरा

भारतीय क्रिकेट टीम इस साल के आखिर में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगी।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। यह 1991-92 के बाद पहला अवसर होगा जबकि इन दोनों टीमों के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेली जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि भारतीय टीम 30 नवंबर से कैनबरा के मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय टीम की एडिलेड में होने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच की तैयारी में मदद करने के लिए यह अभ्यास मैच कार्यक्रम में जोड़ा गया है। भारत ने 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी एक दिन रात्रि टेस्ट मैच खेला था।

ओलंपिक विवाद के बाद स्वदेश लौटी अंतिम पंघाल

नई दिल्ली। पेरिस में ओलंपिक खेलों के खेल गांव में अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण विवादों में घिरी भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल शुक्रवार को स्वदेश लौट आईं। यह पहलवान गुरुवार को तब चर्चा में आ गई थी जब उन्होंने अपने मान्यता कार्ड पर अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश करवाने की कोशिश की थी और बाद में पुलिस ने उन्हें बुलाया। इस घटना ने देश को शर्मसार किया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतिम और उनके सहयोगी स्टाफ को तुरंत ही स्वदेश

वापस भेजने का फैसला किया।विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम ने हालांकि कहा कि उनका कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था लेकिन खेल गांव के नियमों का उल्लंघन करने के लिए उन पर अनुशासनात्मक कार्वाई की जा सकती है।भारतीय टीम की जर्सी पहनकर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाली अंतिम तुरंत ही बाहर निकल गई और उन्होंने पत्रकारों से बात करने से इनकार कर दिया।अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गई थीं।भारत वापस लौटने से पहले पीटीआई से बात करते हुए 19 वर्षीय अंतिम ने कहा, मेरा कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी और भ्रम की स्थिति थी। यह सब भ्रम की वजह से हुआ।

विनेश रजत पदक की हकदार : तेंदुलकर

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने पेरिस ओलंपिक मे महिला 50 किग्रा कुश्ती स्पर्धा के फाइनल मे पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण विनेश फोगाट को अयोग्य करार देने की आलोचना करते हुए इस पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया। विनेश को पेरिस ओलंपिक मे 50 किग्रा वर्ग की स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले वजन मापने के दौरान 100 ग्राम अधिक पाया गया जिससे उन्हे अयोग्य करार दिया गया। विनश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाया है।

भारत की 4गुणा400 मीटर रिले टीम चूकी

● फाइनल के लिए क्वालीफाई करने मे विफल

भाषा। पेरिस

भारतीय पुरुष 4गुणा400 मीटर रिले टीम शुक्रवार को यहां पेरिस ओलंपिक में उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सकी और हीट रेस (शुरूआती रेस) में कुल 10वें स्थान पर रहने के कारण अंतिम राउंड में जगह बनाने से चूक गई। मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, अमोज जैकब और राजेश रमेश की भारतीय चौकड़ी ने हालांकि सत्र का सर्वश्रेष्ठ तीन मिनट और 0.58 सेकंड का समय निकाला। लेकिन दूसरी हीट में चौथे स्थान पर रही जिससे उसने 16 टीमों में से कुल मिलाकर 10वां स्थान हासिल किया। दोनों हीट में से प्रत्एक में शीर्ष तीन टीम तथा दोनों हीट में अगली दो सबसे तेज टीमें फाइनल राउंड में पहुंचती हैं। बोत्सवाना (2:57.76), ब्रिटेन (2:58.88) और अमेरिका (2:59.15) की टीम शीर्ष तीन पर रहीं जबकि जापान 2:59.48 के समय के साथ चौथे स्थान पर था। भारत का एशियाई रिकॉर्ड 2:59.05 सेकेंड का है जो 2023 बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप के दौरान बना था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) को पुरुषों की 4र400 मीटर रिले टीम के फाइनल राउंड में पहुंचने की उम्मीद थी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।